हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

NEWSLETTER

October-Decmber 2022 Vol.4 Issue:3

वृक्ष लगाओ,
पर्यावरण बचाओ।
शिक्षार्थ
आइए
सेवार्थ
जाइए
जय
जवान
WELCOME
DEPARTMENT OF TEACHER EDUCATION
CENTRAL UNIVERSITY OF HARYANA
(NOT ME BUT YOU)
आपका हार्दिक स्वागत है।

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

'शिक्षित बेटी–सुरक्षित बेटी'

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय
संसद के अधिनियम 25 (2009) के तहत स्थापित
नैक द्वारा 'ए' ग्रेड प्राप्त विश्वविद्यालय
महेन्द्रगढ़ - 123031(हरियाणा), भारत

Central University of Haryana
Established vide Act No. 25 (2009) of Parliament
NAAC Accredited 'A' Grade University
Jant-Pali, Mahendergarh (Haryana)-123031

प्रो॰ (डॉ॰) टंकेश्वर कुमार, कुलपति
Prof. (Dr.) Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor

कुलपति की कलम से...

यह अतीव हर्ष का विषय है कि अपने 'न्यूज लेटर' के माध्यम से हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय अपनी गतिविधियों एवं उपलब्धियों को अन्य अकादमिक संस्थानों और जनसमूहों को बीच उत्प्रेरक के रूप में प्रेषित कर रहा है। इसमें अकादमिक जगत के विविध दृष्टिकोणों का समावेश किया गया है। मैं बहुत विनम्रतापूर्वक साझा करना चाहूँगा कि 'न्यूज लेटर' हमारे सद्‌प्रयासों को रेखांकित करने वाला दर्पण है। हम निरंतर विश्वविद्यालय को नई ऊँचाइयों की ओर ले जाने के लिए कटिबद्ध हैं और इस दिशा में अनेक प्रयास भी किए जा रहे हैं। मुझे विश्वास है कि 'न्यूज लेटर' के द्वारा प्राप्त सूचनाओं के आधार पर अकादमिक जगत के विद्वानों, प्रशासकों और समाज के हितधारकों से फीडबैक भी प्राप्त होगा, जिससे हमें अपनी भावी योजनाओं को क्रियान्वित करने में सहायता मिलेगी।

अपनी स्थापना के बाद से, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय समावेशी गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा और अनुसंधान के दृष्टिकोण को आगे बढ़ा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 की अनुपालना में और इसके अन्तर्निहित उद्देश्यों की पूर्ति के लिए अनेक कार्यक्रम, संगोष्ठी, कार्यशाला आदि का आयोजन नियमित रूप से किया जा रहा है। हम अपनी कार्ययोजनाओं के निर्धारण में वैश्विक मानकों के साथ-साथ स्थानीय आवश्यकताओं को भी समाहित कर रहे हैं। हमारा यह विश्वास है कि स्थानीयता के उन्नयन के बिना वैश्विकता की ऊंचाई को प्राप्त करने में सफल नहीं होंगे। इसलिए स्थानीयता जागरूकता के लिए हमारे शिक्षक और विद्यार्थी निरंतर प्रयासरत हैं। हमने अपने दायित्वों की पूर्णता को ध्यानस्थ कर एक रेखीयता के स्थान पर बहुकोणीयता के मार्ग का अनुसरण किया है। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए विश्वविद्यालय के शिक्षक अनेक संस्थाओं से अनुदान प्राप्त कर शोधकार्य में तल्लीनता से निबद्ध हैं। हमारे विश्वविद्यालय उपपुस्तकालयाध्यक्ष को एस.आर. रंगनाथन मेमोरियल स्कालर अवार्ड से सम्मानित किया गया। आप इस 'न्यूज लेटर' से गुजरते हुए यह महसूस करेंगे कि विश्वविद्यालय का प्रत्येक अंग और अनुभाग अपने उत्तरदायित्वों के निर्वहन करने के लिए निरंतर सक्रिय है। इन्हीं सामूहिक प्रयासों से विश्वविद्यालय अब उत्तर भारत में गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा और अनुसंधान के केंद्र के रूप में उभरा है, जिसकी प्रामाणिकता हरियाणा राज्य के अतिरिक्त अन्य 26 राज्यों के 53ः से अधिक छात्रों के नामांकन से सिद्ध होती है। पाठ्यचर्या, शैक्षणिक, अनुसंधानपरक और सामुदायिक विकास के विविध पहलुओं में सर्वोत्तम क्रियाकलापों को अपनाकर यह विश्वविद्यालय अपने सहयोगी विश्वविद्यालयों के लिए पथप्रदर्शक की भूमिका का निर्वहन कर रहा है।

हमने निर्धारित समयावधि में ही डॉ. बी.आर. अम्बेडकर उत्कृष्टता केन्द्र को सफलतापूर्वक संचालित कर दिया है। यह केन्द्र अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों के अकादमिक उन्नयन में मील का पत्थर साबित होगा। विश्वविद्यालय में सीएसआईआर-राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान (एनजीआरआइ), हैदराबाद के सहयोग से भूगर्भ निगरानी प्रणाली स्थापित की गई है। इससे भूगोल और भूगर्भ विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान हेतु अनेक अवसर उपलब्ध होंगे। विश्वविद्यालय के शिक्षकों के द्वारा स्थानीय किसानों के साथ मिलकर जैव उर्वरक तैयार किया गया है, जो रासायनिक उर्वरकों पर से हमारी निर्भरता को कम करेगा। हमने देश की आवश्यकता एवं नीति के अनुरूप 'ड्यूएल डिग्री' कार्यक्रम का अनुसरण किया है।

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के हितों को केन्द्रित कर अनेक साहित्यिक, सांस्कृतिक, खेलकूद और सामुदायिक गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इस हेतु विश्वविद्यालय में सभी आवश्यक सुविधाओं का विकास किया जा रहा है।

मैं 'न्यूज लेटर' के प्रकाशन को लेकर आश्वस्त हूँ कि यह अन्य विश्वविद्यालयों, संस्थानों और समाज के लोगों से संवाद का माध्यम बनेगा।

शुभकमानाओं सहित.....

(प्रो. टंकेश्वर कुमार)
हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय

CONTENTS

1 Awards and Achievements		7
1.1	प्रो. टंकेश्वर कुमार एलिट एकेडमिशियन अवार्ड से सम्मानित/ Prof. Tankeshwar Kumar Honoured with Elite Academician Award	
1.2	किशोरियों में विटामिन डी की समस्या का समाधान खोजेगी हकेवि की टीम/ CUH faculty, Dr. Anita Kumari received a project to conduct research on Hypovitaminosis D	
1.3	हकेवि के उपपुस्तकालयाध्यक्ष डॉ राजीव वशिष्ठ प्रोफेसर एस.आर.रंगनाथन मेमोरियल स्कॉलर अवार्ड से सम्मानित/ Professor S. R. Ranganathan Memorial Scholar Award to Dr. Rajeev Vashistha of CUH	
1.4	हकेवि के शिक्षकों को मिला ग्लोबल हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म लीडरशिप अवार्ड/ CUH Faculty members conferred with Global Hospitality and Tourism Leadership Award	
1.5	हकेवि के संकाय सदस्य को मिला अंतर्राष्ट्रीय अनुदान/ CUH Pharmacy faculty Dr. Ashok Jangra received International Grant	
1.6	हकेवि के कुलपति ने किया 'डिजिटल करंसीज एंड द न्यू ग्लोबल फाइनेंशियल सिस्टम' पुस्तक का विमोचन/ Prof. Tankeshwar Kumar released the book Digital Currencies and the New Global Financial System	
2 Celebrations		12
2.1	हकेवि में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस -छात्राओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम की हुई शुरूआत/ International Day of the Girl Child celebrated in CUH	
2.2	स्वस्थ लोकतंत्र के लिए मजबूत एवं सशक्त मीडिया जरूरी- प्रो. टंकेश्वर कुमार/ National Press Day celebrated at Central University of Haryana	
2.3	संविधान दिवस मनाना हर नागरिक के लिए गर्व का क्षण - प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार/ Constitution Day celebrated at CUH	
2.4	हकेवि में विश्व मधुमेह दिवस पर कार्यशाला आयोजित/ Workshop organised on "World Diabetes Day" at CUH	
3 Admissions		16
3.1	हकेवि में स्नातकोतर कार्यक्रमों में दाखिले हेतु पंजीकरण शुरू/ Registration for Admission to Postgraduate Programs at CUH	
3.2	हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दाखिले का एक और अवसर/ Open Counselling for vacant seats will start from 31 Oct at CUH	
4 Initiatives and Innovations		18
4.1	हकेवि में हुआ डॉ अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र का शुभारम्भ/ Dr. B. R. Ambedkar Centre for Eucellence Inaugurated at Central University of Haryana	
4.2	हकेवि में स्थापित की गई भूकंप निगरानी प्रणाली/ Earthquake Monitoring System Installed at CUH	
4.3	हकेवि का जैव उर्वरक फसलों के लिए वरदान/ CUH developed Biofertilizer	
4.4	सिक्किम के महामहिम राज्यपाल श्री गंगा प्रसाद ने हकेवि में किया कल्पना चावला महिला छात्रवास का उद्घाटन/ Mr. Ganga Prasad, Governor of Sikkim, inaugurated Kalpana Chawla Girl's Hostel at CUH	
5 Invited Lectures		24
5.1	हकेवि में विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित/ Expert lecture organised at CUH	
5.2	अपशिष्ट प्रबंधन की दिशा में हकेवि प्रयासरत/ Expert Lecture on Waste Management at CUH	
5.3	हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विशेषज्ञ वार्ता आयोजित/ Central University of Haryana organised an invited talk	
5.4	हकेवि में विज्ञान और अनुसंधान के परिप्रेक्ष्य में नैतिकता पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित/ A special lecture on ethics with respect to science and research at CUH	
6 National Educational Policy		28
6.1	हकेवि प्रदान करेगा ड्यूल डिग्री योजना के अवसर/ CUH will provide opportunities for Dual Degree Scheme	
7 New Programs		29
7.1	हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में एमएससी जियोइंफोर्मेटिक्स के लिए दाखिला प्रक्रिया शुरू/ CUH Launches M.Sc in Geoinformatics	
7.2	हकेवि में होगी हिंदी अनुवाद की पढ़ाई -दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू, 4 नवंबर तक कर सकते है ऑनलाइन आवेदन/ CUH launched MA Hindi Translation	
7.3	हकेवि में शोधार्थियों के लिए शोध एवं प्रकाशन नैतिकता पाठ्यक्रम का शुरू/ Research and Publication Ethics course for research students begins at CUH	
8 Seminars, Conferences, Workshops, and Events		31
8.1	हकेवि में रोजगार कौशल में वृद्धि पर छह दिवसीय कार्यशाला आयोजित/ Workshop on Enhancement of Employability Skills organised at CUH	
8.2	हकेवि में संचार कौशल एवं व्यक्तित्व विकास पर पाठ्यक्रम आयोजित/ CSPD Course Enhances Communication Skills of CUH Students	

8.3	आजादी के 75 वर्षः स्थिरता के लिए महिला उद्यमिता विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ समापन/ Two - day National Seminar on '75 Years of Independence' Women Entrepreneurship for Sustainability' concludes	
8.4	हकेवि में फार्माकोविजिलेंस पर कार्यशाला का हुआ आयोजन/ National Workshop on "Pharmacovigilance" conducted at CUH	
8.5	हकेवि में अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष के तहत प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित/ International Year of Millets 2023 organised at CUH Haryana	
8.6	हकेवि में सांख्यिकीय डेटा विश्लेषण पर राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित/ Webinar organised on Statistical Data Analysis at CUH	
8.7	हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में कंठस्थ टूल पर हिन्दी कार्यशाला आयोजित/ Workshop on 'Kanthasth 2-0' organised at Central University of Haryana	
8.8	हकेवि में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित/ International Conference held in CUH	
8.9	हकेवि राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह के अंतर्गत बुकमार्क प्रतियोगिता का हुआ आयोजन/ Bookmark Competition organised at CUH	
8.10	हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में रंगोली प्रतियोगिता का हुआ आयोजन/ Rangoli Competition organised at Central University of Haryana	
8.11	हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में पुस्तक कवर डिजाइन प्रतियोगिता का आयोजन/ Book Cover Design Competition organised at CUH	
8.12	हकेवि में एस.टी.ई.एम. में महिलाओं की भूमिका पर केंद्रित राष्ट्रीय सम्मेलन का हुआ आयोजन/ National Conclave on Women in STEM organised at CUH	
8.13	रोजगार तलाशने नहीं, देने वाले बनें - प्रो. के.जी. सुरेश/ Induction Program organised at CUH	
8.14	हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 24 से/ Two-day IGU International Conference at Central University of Haryana	
8.15	प्रकृति के समक्ष उपस्थित चुनौतियों के निदान में शिक्षण संस्थानों की भूमिका महत्त्वपूर्ण- प्रो. आर.पी. तिवारी/ Two-day international conference started at Central University of Haryana	
8.16	पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग व गूगल न्यूज के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित/ One-Day Workshop on 'Fact Check and Data Analysis	
8.17	हकेवि में भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रलय के सहयोग से तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला की हुई शुरूआत/ Three-Day National Workshop on Research in Indian Languages and Academic Writing organised in CUH	
8.18	हकेवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की हुई शुरूआत/ Two-day National Seminar "Jammu&Kashmir and Ladakh Before and After the Article 370" started at CUH	
8.19	विद्यार्थियों के र्सवांगीण विकास के लिए फिल्म एप्रिसिएशन जैसे पाठ्यक्रम जरूरीः कुलपति/ Five-day Film Appreciation course inaugurated at CUH	
8.20	खाद्य सुरक्षा के प्रति हकेवि ने किया स्कूली विद्यार्थियों को जागरूक/ CUH organised one-day programme on Food Safety	
8.21	गूगल के सहयोग से क्लाइमेट वेरीफेकेशन पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित/ Workshop on Climate Verification organised at CUH	
8.22	राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर हकेवि में होगा अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस का आयोजन/ International conference will be organised in CUH on National Mathematics Day	
8.23	हकेवि में फियाम 2022 दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस की हुई शुरूआत/ FIAM 2022 Two-day International Conference begins at CUH	
8.24	हकेवि में ट्रांसजेंडर पर्सन्स एक्ट केंद्रित कार्यशाला आयोजित/ One-day workshop on Social Security and Awareness of Transgender Persons Act 2019 & Rules 2020 organised at CUH	
8.25	हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित/ National Seminar on Medical Writing as career organised at CUH	
9 Skill Enhancement		57
9.1	हकेवि में एक्सेल और वित्तीय साक्षरता पर व्यावहारिक प्रशिक्षण/ Hands on Training on Excel and Financial Literacy at CUH	
9.2	हकेवि में आईबीएम के विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को दिया प्रशिक्षण/ Skill Training Session organised at CUH	59
10 Social Awareness		
10.1	पुस्तकालय जागरूकता शिविर आयोजित/ Library Awareness Camp organised at Govt. School, Jant	
10.2	हकेवि के विद्यार्थियों ने किया औद्योगिक भ्रमण/ Industrial tour organised for CUH students	
10.3	हकेवि के सूक्ष्मजीव विज्ञान के विद्यार्थियों ने किया शैक्षणिक भ्रमण/ CUH students visited reputed institutes during study tour	
11 Placement		62
11.1	हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की छात्र को मिला प्लेसमेंट-बी.वॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट की डिग्री पूर्ण करते ही मिला प्लेसमेंट/ Student of Central University of Haryana got placement in Decathlon	

कुलगीत

विद्याधनं सर्वधनप्रधानम् ।

न चौरहार्यं न च राजहार्यं, न भ्रातृभाज्यं न च भारकारि ।
व्यये कृते वर्धत एव नित्यं, विद्याधनं सर्वधनप्रधानम् ।।

शिक्षा-दीक्षा की परंपरा से, राष्ट्र का हुआ सदा उत्थान ।
कौशल और नव-सृजन से, सजा हुआ गौरव अभियान ।।

ज्ञान-विज्ञान की शक्ति से हम, नव-मंडल में हुए स्थापित ।
सीखा है इतिहास से हमने, नव-तकनीकों में हुए समाहित ।।

संस्कारों की शक्ति को जब, लिया है युवा ने पहचान ।
हम सब बनें राष्ट्र के रक्षक, आओ करें नव-भारत निर्माण ।।

कला-योग-विज्ञान-विधि का, विश्वविद्यालय देता ज्ञान ।
तन-मन और जीवन-शुचिता का, देता है यह शुभ वरदान ।।

जन्म लेकर जिस धरा पर, शौर्य करता शीश बलिदान ।
अपनी मेहनत से माटी को, सोना कर दे जहाँ किसान ।।

हर की धरा हरियाणा पर, स्थापित अपना कुल महान् ।
शिक्षा और स्वावलंबन, आओ ऐसे कुल को करें प्रणाम ।।

1. Awards and Achievements

1.1 प्रो. टंकेश्वर कुमार एलिट एकेडमिशियन अवार्ड से सम्मानित

CUH, Oct 02, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को आईईईई इंडस्ट्री एप्लीकेशंस सोसायटी, अमेरिका से अनुदान प्राप्त ग्लोबल कॉफ्रेंस ऑन कम्प्यूटिंग, पावर एंड कम्यूनिकेशन टेक्नोलॉजी द्वारा एलिट एकेडमिशियन अवार्ड से सम्मानित किया गया। प्रो. टंकेश्वर कुमार को यह सम्मान उच्च शिक्षा के क्षेत्र में शैक्षणिक, प्रशासनिक व तकनीकी विकास के मोर्चे पर सर्वोत्तम योगदान को देखते हुए प्रदान किया गया। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अवार्ड के लिए आईईईई इंडस्ट्री एप्लीकेशंस सोसाइटी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही वो शिक्षा के क्षेत्र में जारी अपने प्रयासों को पूर्व की तरह जारी रखेंगे और यह सम्मान उनकी इस यात्रा में सहभागी सभी सहयोगियों के प्रयासों का परिणाम है।

दिल्ली के इंडिया हेबीटेट सेंटर में आयोजित ग्लोबल कॉफ्रेंस ऑन कम्प्यूटिंग, पावर एंड कम्यूनिकेशन टेक्नोलॉजी में प्रो. टंकेश्वर कुमार को यह सम्मान आईईईई ग्लोबकॉनपीटी 2022 के जनरल चेयर प्रो. साद मेखिलेफ जोकि स्कूल ऑफ साइंस, कम्प्युटिंग एंड इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजिस, स्विनबर्न यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, ऑस्ट्रेलिया में प्रोफेसर भी है, ने प्रदान किया। उन्होंने इस अवसर पर प्रो.टंकेश्वर कुमार के उच्च शिक्षा के क्षेत्र में योगदान का उल्लेख किया और उनके द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में तकनीकी विकास के दिशा में किए गए प्रयासों पर भी प्रकाश डाला। यहां बता दे कि प्रो.टंकेश्वर कुमार पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ में स्थापित डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम कम्प्यूटर सेंटर के निदेशक भी रहे हैं और हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में कुलपति का पद्भार ग्रहण करने से पहले वे गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति पद को करीब छह साल तक सुशोभित कर चुके हैं।

Prof. Tankeshwar Kumar Honoured with Elite Academician Award

Honoured on the international platform for the outstanding contribution in the field of Education

CUH, Oct 02, 2022

Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor, Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh has been conferred with the Elite Academician Award by the Global Conference on Computing, Power and Communication Technology funded by IEEE Industry Applications Society, USA. Prof. Tankeshwar Kumar was bestowed with this recognition for his notable contribution towards the progress of higher education through his academic, administrative, and technical endeavors. Prof. Tankeshwar Kumar while expressing his gratitude to IEEE Industry Applications Society for this award said that he will continue his efforts in the field of education as before and this honor is the result of the efforts of all the colleagues who participated in this journey.

Prof. Tankeshwar Kumar received this honor at the Global Conference on Computing, Power and Communication Technology held at India Habitat Centre, Delhi, by Prof. Saad Mekhileff, General Chair of IEEE (GlobConPT) 2022 and Professor at School of Science, Computing and Engineering Technologies, Swinburne University of Technology, Australia. On this occasion, Prof. Saad mentioned the contribution of Prof. Tankeshwar Kumar in the field of higher education and also highlighted the efforts made by him towards technological development in the field of education.It is worth noting that prior to assuming the position of Vice-Chancellor at Central University of Haryana, Prof. Tankeshwar Kumar had served as the Director of Dr. APJ Abdul Kalam Computer Center established at Panjab University, Chandigarh, and as Vice-Chancellor of Guru Jambheshwar University of Science and Technology, Hisar for about six years.

1.2 किशोरियों में विटामिन डी की समस्या का समाधान खोजेगी हकेवि की टीम

CUH, Nov 7, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पोषण जीव विज्ञान विभाग में सहायक प्रोफेसर डॉ. अनीता कुमारी को उनके अनुसंधान और विकास परियोजना के लिए हरियाणा स्टेट काउंसिल फॉर साइंस, इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी (एचएससीएसआईटी) ने 30 लाख रूपये की राशि स्वीकृत की है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने एचएससीएसआईटी से अनुसंधान अनुदान प्राप्त करने के लिए डॉ. अनीता कुमारी सहित परियोजना टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस अनुसंधान परियोजना की स्वीकृति से निश्चित रूप से विश्वविद्यालय में अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और विटामिन डी की कमी के प्रबंधन के स्थायी समाधान में मददगार साबित होगा।

बता दें कि हरियाणा की किशोरियों में हाइपोटाविटामोनिस डी के प्रबंधन के लिए विटामिन डी समृद्ध कार्यात्मक खाद्य उत्पादों का विकास शीर्षक के आधार पर वर्ष 2022-23 के लिए अनुसंधान और विकास परियोजना को मंजूरी दी है। तीन वर्ष की अवधि के लिए स्वीकृत इस अनुसंधान परियोजना में डॉ. अनीता कुमारी प्रधान अन्वेषक तथा विश्वविद्यालय की जैव रसायन विज्ञान विभाग की प्रो. नीलम सांगवान व सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग के प्रो. सुरेंद्र सिंह सह-प्रधान अन्वेषक के रूप अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे। एचएससीएसआईटी का कार्य समाज पर सीधा प्रभाव डालने वाले नवीन अनुसंधान आइडिया को युवा वैज्ञानिकों में माध्यम से समाज तक पहुँचाना है। परियोजना की मुख्य विशेषताएं हरियाणा की किशोर लड़कियों में हाइपोविटमोनिस डी के प्रसार और लक्षित आबादी के लिए विटामिन डी समृद्ध कार्यात्मक खाद्य उत्पादों को पेश करने के माध्यम से इसके स्थायी समाधान का आकलन करना है। इस परियोजना के तहत विटामिन डी समृद्ध कार्यात्मक खाद्य उत्पादों के लिए विकसित प्रौद्योगिकी को प्रशिक्षण के माध्यम से स्थानीय आबादी के बीच प्रचारित किया जाएगा जो कौशल विकास, रोजगार सृजन और लक्षित बीमारी के प्रबंधन में सहायक होगा। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार व पोषण जीव विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. कांति प्रकाश शर्मा ने भी परियोजना टीम को बधाई दी।

CUH faculty, Dr. Anita Kumari received a project to conduct research on Hypovitaminosis D

CUH, Nov 7, 2022

Haryana State Council for Science, Innovation, and Technology (HSCSIT) has sanctioned funding of rupees 30 lakhs to a Research and Development Project of Dr. Anita Kumari, Assistant Professor in the Department of Nutrition Biology of Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh. The Vice-Chancellor Prof. Tankeshwar Kumar congratulated the project team for receiving the research grant from HSCSIT and said that it will boost the research activities in the university and provide sustainable solutions for the management of vitamin D deficiency among vulnerable section of the society.

The HSCSIT has sanctioned the Research and Development project for the year 2022-23 based on the title "Development of Vitamin D enriched functional food products for the management of hypotavitamonis D among adolescent girls of Haryana" to Dr. Anita Kumari as Principal Investigator; Prof. Neelam Sangwan, Department of Biochemistry, CUH and Prof. Surender Singh, Department of Microbiology, CUH as Co-Principal Investigators for the period of three years. The mandate of the funding agency is to play a pivotal role among young scientists to pursue innovative research ideas which have a direct impact on the society at a large scale.

The project highlights are to assess the prevalence of hypovitaminosis D among adolescent girls of Haryana and its sustainable solutions via introducing Vitamin D enriched functional food products for the targeted population. The developed technology for the vitamin D enriched functional food products will be disseminated among the local population through trainings, which will be helpful in skill development, employment generation, and management of the targeted disease. Prof. Sunil Kumar, Registrar, Prof. Dinesh Kumar, Dean Academics, and Prof. Kanti Prakash Sharma, Head, Department of Nutrition Biology also congratulated the project team.

1.3 हकेवि के उपपुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ प्रोफेसर एस.आर.रंगनाथन मेमोरियल स्कॉलर अवार्ड से सम्मानित

CUH, Nov 30, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के उप-पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ को प्रतिष्ठित प्रोफेसर एस.आर. रंगनाथन मेमोरियल स्कॉलर अवार्ड से सम्मानित किया गया है। उन्हें यह सम्मान फेडरेशन ऑफ हेल्थ साइंस लाइब्रेरी एसोसिएशन (एफएचएसएलए), भारत द्वारा प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने डॉ. राजीव की इस उपलब्धि के लिए उनको बधाई दी और उनकी सराहना की।

डॉ. राजीव वशिष्ठ को यह पुरस्कार ऋषिकेश, उत्तराखंड में आयोजित एफएचएसएलए के तीसरे वार्षिक सम्मेलन में प्रदान किया गया। उन्हें यह पुरस्कार पुस्तकालय विज्ञान के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए उत्तराखंड सरकार में स्वास्थ्य एवं उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने प्रदान किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश की निदेशक डॉ. मीनू सिंह ने की और इस मौके पर एफएचएसएलए के अध्यक्ष डॉ. पी.आर. मीणा भी उपस्थित रहे। यहां बता दें कि एफएचएसएलए के द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में समूचे भारत से 150 से अधिक पुस्तकालय विशेषज्ञ सम्मिलित हुए। डॉ. वशिष्ठ को मिली इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के पुस्तकालयध्यक्ष डॉ. संतोष सीएच ने उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि अवश्य ही यह उपलब्धि अन्य सहकर्मियों को भी प्रोत्साहित करेगी।

Professor S. R. Ranganathan Memorial Scholar Award to Dr. Rajeev Vashistha of CUH

CUH, Nov 30, 2022

Federation of Health Science Library Associations, India has conferred the Professor S. R. Ranganathan Memorial Scholar Award 2021 in Library and Information Science under the senior category to Dr. Rajeev Vashistha, Deputy Librarian of Pandit Deendayal Upadhyaya Central Library, Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor of the University showered his blessings for attaining this milestone.

This National Level prestigious award was granted to Dr. Rajeev in the senior category of Library and Information Science on 26th November 2022 during the 3rd Annual Conference of FHSLA which was held on 25-26 November 2022 at All India Institute of Medical Sciences, Rishikesh, Uttarakhand for his extraordinary contribution in the field of Library Science. The conference was chaired by Dr. Dhan Singh Rawat, Health and Higher Education Minister, Govt. of Uttrakhand, and presided over by Dr. Meenu Singh, Director, AIIMS, Rishikesh, and Dr. P.R. Meena, President, FHSLA.

Around 150 Librarians from all over India participated in the Conference having the theme "One Nation One Subscription". Dr. Rajeev Vashistha also presented a paper entitled "One Nation One Subscription — India's Stance on Facilitating Research through Repository" in this 3rd National Conference of FHSLA. The University Librarian, Dr. Santosh Kumar applauded Dr. Rajeev for his achievement. All the Library officials and staff members congratulated Dr. Rajeev for achieving this milestone.

1.4 हकेवि के शिक्षकों को मिला ग्लोबल हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म लीडरशिप अवार्ड

CUH, Dec 12, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अमित कुमार और डॉ. जितेंद्र कुमार को ग्लोबल हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म लीडरशिप अवार्ड-2022 से सम्मानित किया गया। सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ के सुभारती कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट द्वारा आयोजित 7वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में डॉ. अमित कुमार को सर्वश्रेष्ठ सहायक प्रोफेसर (पर्यटन) तथा डॉ. जितेंद्र कुमार को सर्वश्रेष्ठ सहायक प्रोफेसर (एफ एंड बी सेवा) से सम्मानित किया गया। उन्हें यह अवॉर्ड टूरिज्म और हॉस्पिटैलिटी एजुकेशन में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया गया है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दोनों शिक्षकों को उनकी इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और भविष्य में सफलता की कामना की। विश्वविद्यालय की सम-कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने भी उन्हें बधाई दी और भविष्य में सफलता की कामना की।

CUH Faculty members conferred with Global Hospitality and Tourism Leadership Award

CUH, Dec 12, 2022

Dr. Amit Kumar and Dr. Jitender Kumar from the Department of Tourism and Hotel Management, Central University of Haryana were conferred with Global Hospitality and Tourism Leadership

Award 2022 at the 7th International Conference "ATITHI-2022" organised by Subharti College of Hotel Management, Subharti University, Meerut. Dr. Amit was declared Best Assistant Professor (Tourism) and Dr. Jitender as Best Assistant Professor (F&B Service). These awards have been given to them for their contribution to Tourism and Hospitality education. On this occasion, Prof. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor, of Central University of Haryana congratulated both for their achievement and wished for their future success. Prof. Sushma Yadav, Pro Vice-Chancellor of the University also congratulated and wished them success in the future.

1.5 हकेवि के संकाय सदस्य को मिला अंतर्राष्ट्रीय अनुदान

CUH, Dec 21, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के औषधि विज्ञान विभाग में सहायक आचार्य डॉ. अशोक जांगड़ा को मस्तिष्क जागरूकता सप्ताह के आयोजन के लिए अंतर्राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान संगठन (आईबीआरओ) और दाना फाउंडेशन से 1250 अमरीकी डालर का अंतर्राष्ट्रीय अनुदान प्राप्त हुआ है। मस्तिष्क जागरूकता सप्ताह एक वैश्विक अभियान है जिसका उद्देश्य मस्तिष्क अनुसंधान की प्रगति और लाभों के साथ-साथ तंत्रिका विज्ञान के बारे में जागरूकता पैदा करना और बढ़ाना है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने डॉ. अशोक जांगड़ा को इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए बधाई दी और कहा कि यह कार्यक्रम बच्चों और आस-पास के ग्रामीणों में जीवन शैली विकल्पों के बारे में जागरूकता पैदा करेगा जो विशेष रूप से न्यूरोसाइकिएट्रिक बीमारियों को रोकने में मददगार साबित होगा।

विश्वविद्यालय के औषधि विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश कुमार ने कहा कि पेरिस स्थित संगठन आईबीआरओ तंत्रिका विज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए 1961 से दुनिया भर के युवा वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं को प्रशिक्षित और प्रोत्साहित कर रहा है। दाना फाउंडेशन न्यूयॉर्क में स्थित एक निजी संगठन है जो न्यूरोसाइंस और नैतिकता, कानून, नीति, मानविकी और कला जैसे क्रॉस-अनुशासनात्मक चौराहों का समर्थन करके तंत्रिका विज्ञान और समाज को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित है। डॉ. दिनेश कुमार ने कहा कि विभागीय शिक्षक की यह उपलब्धि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की उपस्थिति को अंतरराष्ट्रीय मंच पर स्थापित करने में मददगार साबित होगी।

डॉ. अशोक जांगड़ा ने बताया कि स्कूल और विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए मस्तिष्क पर प्रश्नोत्तरी और पोस्टर प्रतियोगिता अलग से आयोजित की जाएगी। इसके अलावा, जीवनशैली विकल्प और मस्तिष्क स्वास्थ्य विषय पर एक संगोष्ठी आयोजित की जाएगी जिसमें विभिन्न प्रसिद्ध न्यूरोसाइंटिस्ट विशेषज्ञ जागरूकता हेतु प्रयास करेंगे। इस उपलब्धि के लिए डॉ. जांगड़ा ने विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की डीन प्रो. नीलम सांगवान और विभाग के प्रमुख डॉ. दिनेश कुमार का उनके सहयोग और प्रोत्साहन के लिए आभार व्यक्त किया।

CUH Pharmacy faculty Dr. Ashok Jangra received International Grant

CUH, Dec 21, 2022

Dr. Ashok Jangra, Assistant Professor, Department of Pharmaceutical Sciences, Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh fetched an international grant of 1250 USD from International Brain Research Organization (IBRO) and Dana Foundation for organizing Brain Awareness Week. Brain Awareness Week (BAW) is a global campaign intended to create and raise awareness of neuroscience along with the progress and benefits of brain research. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor congratulated the faculty member Dr. Ashok Jangra for this remarkable achievement and appreciated that this program will create awareness in the children and nearby villagers regarding the lifestyle choices that can help to improve and/or prevent neuropsychiatric illnesses with particular emphasis on yoga, exercise, and Drug De-Addiction.

Dr. Dinesh Kumar, Head of the Department of Pharmaceuticals said that IBRO, a Paris-based organization, has been training and encouraging young scientists and researchers all around the world since 1961 for remarkable contributions in the field of neurosciences. The Dana Foundation is a private philanthropic organization based in New York dedicated to advancing neuroscience and society by supporting cross-disciplinary intersections such as neuroscience and ethics, law, policy, humanities, and arts. Dr. Dinesh Kumar said that this achievement of the departmental teacher establishes the presence of the Central University of Haryana international platform.

Dr. Ashok Jangra said that Quiz and poster competition on the brain will be organised separately for school and university students. In addition, a seminar will be conducted on the theme "Lifestyle Choices and Brain Health" in which

various renowned neuroscientists will impart their knowledge to the students, parents, and university professionals. For this achievement, Dr. Jangra expressed his gratitude to the Prof. Tankeshwar Kumar Vice Chancellor of the University, Prof. Neelam Sangwan Dean of the School of Interdisciplinary and Applied Sciences, and Dr. Dinesh Kumar Head of the Department for their continuous support and encouragement.

1.6 हकेवि के कुलपति ने किया 'डिजिटल करंसीज एंड द न्यू ग्लोबल फाइनेंशियल सिस्टम' पुस्तक का विमोचन

CUH, Dec 23, 2022

किया है। अपने इस अध्याय में भी हमने इस विषय के विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डाला है जैसे कि क्रिप्टो करंसी, आईएमएफ इत्यादि को भी इस कार्य में शामिल किया गया है। प्रो. रंजन अनेजा ने बताया कि इस पुस्तक में विश्व स्तर के कई विशेषज्ञों ने योगदान दिया है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के अर्थशास्त्र विभाग के आचार्य प्रो. रंजन अनेजा व एसजीएच वरसाव स्कूल ऑफ इकनोमिक्स के रॉबर्ट डाग्स द्वारा संपादित पुस्तक 'डिजिटल करंसीज एंड द न्यू ग्लोबल फाइनेंशियल सिस्टम' का विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विमोचन किया। पुस्तक के संपादकों की प्रशंसा करते हुए प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह पुस्तक अकादमिक पेशेवरों के साथ-साथ आर्थिक क्षेत्र में डिजिटल करंसी व फाइनेंस से संबंधित क्षेत्र में अध्ययनरत विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं पेशेवरों के लिए बेहद उपयोगी व प्रासंगिक है। पुस्तक की पहली प्रति प्रो. टंकेश्वर कुमार को भेंट करते हुए, पुस्तक के संपादक प्रो. रंजन अनेजा ने कहा कि यह पुस्तक डिजिटल करंसी के बढ़ते प्रयोग और उसके परिणाम स्वरूप राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर फाइनेंशियल सिस्टम में आ रहे बदलावों पर विस्तार से प्रकाश डालती है।

प्रो. रंजन अनेजा ने बताया कि इस पुस्तक में यूरोप और एशिया केंद्रित विश्वविद्यालयों में डिजिटल करंसी और न्यू ग्लोबल फाइनेंशियल सिस्टम पर विस्तार से अध्ययन किया गया है। उन्होंने कहा कि यह सर्वविदित है कि डिजिटल करंसी और उससे आए बदलावों ने इस दिशा में विश्व स्तर पर शोधार्थियों को अध्ययन हेतु आकर्षित

Prof. Tankeshwar Kumar released the book Digital Currencies and the New Global Financial System

CUH, Dec 23, 2022

The book Digital Currencies and the New Global Financial System edited by Prof. Ranjan Aneja of the Department of Economics in Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh, and Robert Dygas of SGH Warsaw School of Economics, has been released by the Vice-Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar. Prof. Tankeshwar Kumar said that this book is extremely useful and relevant for academic professionals as well as students, researchers, and professionals studying in the field of digital currency and finance in the economic sector. While presenting the first copy of the book to Prof. Tankeshwar Kumar, the editor of the book Prof. Ranjan Aneja said that this book throws light in detail on the increasing use of digital currency and as a result the changes taking place in the financial system at the national-international level.

Prof. Ranjan Aneja said that this book has a detailed study of Digital Currencies and the New Global Financial System in Europe and Asia focuses on universities. He said that it is well known that digital currencies and the changes brought about by it have attracted researchers globally to study in this direction. In the chapters also, we have thrown light on various aspects of this topic such as crypto currency, IMF, etc. have also been included in this work. Prof. Ranjan Aneja said that many world class experts have contributed to this book.

2. Celebrations

2.1 हकेवि में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस -छात्राओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम की हुई शुरूआत

CUH, Oct 11, 2022

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में छात्राओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत की गई। महिंद्रा ग्रुप व रूबिकॉन (बार्कले) के रोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत 16 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना और समाज में सम्मान और सुरक्षा का एहसास कराना है। उन्होंने कहा कि अवश्य ही इस प्रशिक्षण कार्यशाला के माध्यम से प्रतिभागी छात्राओं को रोजगार प्राप्त करने में मदद मिलेगी और उनका आत्मनिर्भर बनने का रास्ता प्रशस्त होगा। कार्यक्रम में प्रो. सुनीता श्रीवास्तव विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में उपस्थित रहीं।

विश्वविद्यालय के महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ व ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के संदर्भ में महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ की समन्वयक डॉ. रेनु यादव ने बताया कि महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ समय-समय पर महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर स्थानीय गांवों में जागरूकता अभियान के माध्यम से महिलाओं को जागरूक करने का कार्य करता है। इसी क्रम में इस आयोजन में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि लड़कियों को लेकर भारत व विश्व स्तर पर परिस्थितियां बदल रहीं हैं लेकिन अभी भी इस मोर्चे पर अधिक प्रयास करने होंगे। उन्होंने विभिन्न आंकड़ों का उल्लेख करते हुए लड़के-लड़कियों के बीच हो रहे अंतर को उल्लिखित करते हुए इस दिशा में परिवार, समाज के स्तर पर बड़े सुधारों की बात कही। उन्होंने कहा कि भारत में इस विषय को लेकर जागरूकता बढ़ी हैं और जिस तरह से छात्राएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही हैं। अवश्य ही परिस्थितियां बेहतर होंगी। इस आयोजन में कुलपति ने भी अपने संबोधन में छात्राओं के लिए विश्वविद्यालय स्तर पर हर संभव प्रयास करने का संकल्प दोहराया। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. विकास गर्ग ने बताया कि महेंद्रा व रूबिकॉन के सहयोग से यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आगामी 16 अक्टूबर तक चलेगा जिसमें प्रतिभागियों को कार्यक्षेत्र से संबंधित विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में डॉ. स्वाति चौधरी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, प्रभारी, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

International Day of the Girl Child celebrated in CUH

CUH, Oct 11, 2022

International Day of the Girl Child was celebrated at the Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh. On this occasion, a training program for girl students was started at the University. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor of the University said that the aim of International Day of the Girl Child is to make women self-reliant and to make them feel secure in the society. He said that surely through this training workshop, the participating girl students would be helped in getting employment and the way would be paved for them to become self-reliant. In the program, Prof. Sunita Srivastava was present in the program as a Guest of Honour.

The program was organised by the Women Empowerment Cell and Training and Placement Cell of the University, Dr. Renu Yadav, Coordinator of the Women Empowerment Cell, told that the Women Empowerment Cell serves to create awareness time to time on the issues related to women through awareness campaigns in the local villages. Prof. Sunita Srivastava said that the situation regarding girls is changing in India and at the world level but still more efforts will have to be made on this front. Referring to various figures, and mentioning the difference between boys and girls, she talked about major reforms in this direction at the level of family, and society. She said that awareness about this subject has increased in India and the way girl students are showcasing their talent in every field, surely things will get better. Director of Training and Placement Cell Prof. Vikas Garg said that this training program will run till October 16 with the help of Mahindra

Group and Rubicon, in which training will be provided to the participants in various fields related to the field. Dr. Swati Choudhary presented a vote of thanks. On this occasion the Dean, Head of the Department, In-charge, Teachers, Students, and Research scholars of the University were present.

2.2 स्वस्थ लोकतंत्र के लिए मजबूत एवं सशक्त मीडिया जरूरी- प्रो. टंकेश्वर कुमार

CUH, Nov 16, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पत्रकारिता और जनसंचार विभाग द्वारा राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर समकालीन मीडिया में विमर्श विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें विशेषज्ञ वक्ता के रूप में ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से डीडी समाचार चौनल के वरिष्ठ सलाहकार संपादक, अशोक श्रीवास्तवय दैनिक भास्कर पानीपत के संपादक महेश कुमारय बिजनेस वर्ल्ड हिन्दी के संपादक अभिषेक मेहरोत्राय समाचार एंकर ज्योत्सना बेदी, एवं विडियो कंसलटेंट संगीता तंवर उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि पत्रकारिता क्षेत्र से समाज का हर व्यक्ति जुड़ा हुआ है। खबरों की दुनिया में फेक समाचार मीडिया के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती है। डिजिटल मीडिया पर बढ़ती फेक समाचारों की संख्या ने मीडिया की विश्वसनीयता को कम किया है। उन्होंने कहा कि मीडिया संस्थाओं को इस दिशा में काम करने की जरूरत है ताकि सही व निष्पक्ष सूचनाएं ही लोगों तक पहुंचे।

कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि विज्ञापन भी समाज भी लक्ष्यहित नरैटिव एवम एजेंडा स्थपित करते हैं। विज्ञापन के प्रभाव के कारण लोगों का खानपान तक प्रभावित हो रहा है। उन्होंने भ्रमित करने वाले विज्ञापनों के बारे में लोगों को जागरूक करने की अपील की। कुलपति ने कहा कि मीडिया लोकतंत्र का प्रहरी व स्वस्थ लोकतंत्र के लिए मजबूत मीडिया की आवश्यकता हमेशा बनी रहेगी। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए इस आयोजन को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से प्रतिभागी लाभांवित होंगे। कार्यक्रम में प्रोफेसर सुनीता श्रीवास्तव ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए राष्ट्रीय प्रेस दिवस की शुभकामनाएं दीं और पत्रकारिता व पत्रकारों का धन्यवाद करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता अशोक श्रीवास्तव ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा पत्रकारिता पहला व अंतिम पाठ हैं तथ्य व सत्य है। एक पत्रकार का यह नैतिक दायित्व है कि वह सत्य व तथ्य की रक्षा करे। सूचनाओं की जांच परख करने के बाद भी उन्हें प्रसारित करे। इस मौके पर उन्होंने अपने कईं अनुभव विद्यार्थियों के साथ सांझा किए। इसी क्रम में अभिषेक मेहरोत्रा ने कहा कि आज का विषय आप सभी को मीडिया के उपयुक्त उपयोग एवम प्रभाव के बारे में जागरूक करना है। आज का समय डिजिटल युग हैं ऐसे में सोशल मीडिया और गुगल अधिकांशतः खबरों एवम सूचना प्राप्ति के लिए प्रयोग किए जाते हैं किंतु पत्रकारिता से जुड़े विद्यार्थियों को ध्यान रखना चाहिए। सोशल मीडिया और गूगल खबरों को स्त्रोत मात्र हैं इस प्रकार प्राप्त सुचनाओं पूर्णतः जांच कर ही प्रसारित करना चाहिए। दैनिक भास्कर के महेश कुमार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा पत्रकारिता में संयम अति आवश्यक हैं आज के समय मीडिया के समक्ष मुख्य चुनौती विश्वसनीयता की है। डिजिटल युग में प्रत्येक उपभोक्ता को अपने विवेक से सूचनाओं को उपयोग करना चाहिए। डिजिटल मीडिया में कोई भी सूचना त्वरित प्रसारित होती हैं ऐसे में सतर्क होने की आवश्यकता हैं। भावी पत्रकारों के लिए उन्होंने कहा प्रतिदिन अपनी दिनचर्या में एक अभ्यास अपनाएं खबरों को विभिन्न माध्यमों पर सुने और उनका विश्लेषण करे डिजिटल युग में सफल बनाने के लिए इनोवेटिव और तथ्य परक सूचना निर्माण पर ध्यान दे।

कार्यक्रम में संगीता तंवर ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि आने वाला समय विडियो का है सोशल मीडिया डिजिटल मीडिया का अभिन्न हिस्सा है। इन्टरनेट पर जल्दी और सर्वप्रथम होने का दबाव बना रहता है परंतु कोशिश करे शोध परक एवं प्रभावी कंटेंट बनाए क्योंकि लंबे समय तक सफलता के लिए अच्छा कंटेंट होना जरूरी है। इस अवसर पर प्रोफेसर सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि आज हम जब प्रेस की बात करते तो मुख्यतः डिजिटल और सोशल मीडिया अधिक प्रचलित है जहा हर व्यक्ति अपनी जरूरत और इच्छा अनुसार सुचनाए खोजता है। सही सूचनाओं को सही पाठकत तक कैसे पहुंचाए मीडिया के आगे सबसे बड़ी चुनौती आज यही है। गलत व स्तरहीन सूचनाओं के प्रभाव से बचने के लिए लोगों को अपना रक्षक खुद ही बनना होगा। हम सभी को एक सतर्क नागरिक एवम उपभोक्ता के रूप में इन्टरनेट पर फैले

सूचनाओं के जाल में से सही सूचना को चुनना होगा। कार्यक्रम में मंच का संचालन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. नीरज कर्ण सिंह ने किया व धन्यवाद ज्ञापन सहायक आचार्य व संगोष्ठी के संयोजक डॉ. सुरेंद्र कुमार ने प्रस्तुत

National Press Day celebrated at Central University of Haryana

CUH, Nov 16, 2022

On National Press Day, a one-day National seminar on the 'Discourse on Contemporary Media' was organised by the Department of Journalism and Mass Communication, Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh. In this seminar, the Honourable Vice-chancellor of the Central University of Haryana, Prof. Tankeshwar Kumar was invited as a Chief Guest. To do a discussion on the contemporary media, Mr. Ashok Srivastava, senior consulting editor, DD News; Mr. Mahesh Kumar, editor, Dainik Bhaskar; Mr. Abhishek Mahrotra, editor, Business World Hindi; Ms. Jyotsna Bedi, senior news anchor, were invited as speakers to share their thoughts and discuss contemporary media.

Prof. Tankeshwar Kumar stressed how advertisements are changing the narrative of the society. This is the influence of the advertisements that are guiding people on what to eat. People are facing health hazards due to these misguided advertisements. It is also the duty of the media to inform people about such advertisements. People need to become media literate to understand the content of the media. He said that media is a powerful instrument of social change and healthy democracy. Speaker Ashok Srivastava introduced various news agencies in the country. He also shared his experiences with fake news and reporting. Prof. Sunita Srivastava stressed on the importance of credible information sources in the present time. She said that due to the penetration of the internet and mobile phone, the reading hobbies of the coming generation are very poor. Their knowledge and understanding of the world are not appropriate. She advised the students that to become proficient media professionals they need to read the newspaper regularly.

Dr. Ashok Kumar, HoD welcomed the guest and said that the press day celebration is the symbol of a free and fair press in the country. Media is an important stakeholder of democracy and it is one of the important platforms to initiate dialogue, deliberation, and discussion in society. Mr. Mahesh Kumar addressed the audience and discussed how information was provided to the audience in the past. He also discussed the algorithms used by Google and social media along with the working techniques of the media. A question-answer session was also conducted to answer the questions of the students. Mr. Abhishek Mahrotra put his valuable thoughts on contemporary media. Later, Ms. Sangita Tanwar shared her thoughts and experience on contemporary media. The audience also got an opportunity to hear Ms. Jyotsna Bedi, senior news anchor at Time Now. University's registrar Prof Sunil Kumar appreciated the initiative taken by the department and considered it 'unparalleled.' Department teachers and students were present on this occasion.

2.3 संविधान दिवस मनाना हर नागरिक के लिए गर्व का क्षण - प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार

CUH, Nov 29, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के डॉ. अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र (डीएसीई) व अनुसूचित जातिध्अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ द्वारा संविधान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी (एनएलएसआईयू), बैंगलोर के प्रोफेसर जी हरगोपाल ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि संविधान दिवस मनाना प्रत्येक नागरिक के लिए गौरव का क्षण है। उन्होंने कहा कि भारत विविधताओं का देश है और हमें खुशी है कि हमारे विश्वविद्यालय में देश के लगभग सभी राज्यों के विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। उन्होंने बताया कि किस तरह से देश संविधान का पालन करते हुए प्रगति

के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने सभी को मौलिक अधिकारों व कर्तृतव्यों को जानने के लिए प्रेरित किया।

विश्वविद्यालय में डॉ. अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र के समन्वयक डॉ. अंतरेश कुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के महत्त्व से प्रतिभागियों को अवगत कराया। प्रो. जी हरगोपाल ने कहा कि संविधान पढ़ना डॉ. भीमराव अंबेडकर का सम्मान करने का सबसे अच्छा तरीका है। उन्होंने भारतीय संविधान का मसौदा तैयार करने पर डॉ. अंबेडकर के दृष्टिकोण पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि डॉ. अम्बेडकर की भूमिका न केवल आरक्षण के कार्यान्वयन की है, बल्कि उनकी प्रमुख भूमिका नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम की शुरुआत करके और प्रस्तावना के लिए महानतम मूल्यों को पेश करके सामाजिक परिवर्तन है। प्रो. हरगोपाल ने सामूहिक शांति और समृद्धि के लिए सामाजिक जिम्मेदारी के साथ स्वतंत्रता का उपयोग करने पर जोर दिया। कार्यक्रम में डॉ. अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र के विद्यार्थियों ने सक्रिय प्रतिभागिता की। केंद्र के विद्यार्थी केशव ने संविधान की प्रस्तावना का वर्णन किया। सुश्री अम्बिका और शक्ति ने मौलिक अधिकारों और कर्तृतव्यों का पाठ किया। इसी क्रम में सुश्री निशा, सुश्री रितु, सुश्री सुषमा, सुश्री असिन, सुश्री प्रियंका और बिरजू ने 'सी यू इन द कोर्ट' नामक नाटक का मंचन किया। सुश्री कुसुमलता और सुश्री असिन ने संविधान पर गीत गाए हैं। कार्यक्रम का संचालन सुश्री सिमरन एवं आशीष ने किया। इस अवसर पर प्रो. विकास बेनीवाल, प्रो. पवन कुमार मौर्य, डॉ. टी. लोंगकोई, राकेश मीणा, डॉ. शाहजहां, डॉ. मुलाका मारूति, डॉ. रविंदर सिंह, डॉ. दिनेश कुमार, डॉ. सुमित कुमार, डीएसीई के संकाय सदस्य, बिनय कृष्ण पाल, मोहिंदर पाल पुनिया और सोमनाथ मैती व प्रीति शर्मा सहित अन्य संकाय सदस्य व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

Constitution Day celebrated at CUH

CUH, Nov 29, 2022

Constitution day was celebrated by Dr. Ambedkar Centre of Excellence (DACE) and SC/ST Cell, Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh. Prof. G. Haragopal from National Law School of India University (NLSIU), Bangalore attended the programme as the Chief Guest. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor of the University stated that this is a proud moment for every citizen to celebrate Constitution Day and emphasized how the nation is progressing by following the constitution. He also mentioned that we are in a country of diversity, and students from all states of India are studying at Central University of Haryana. He said that in NEP-2020, 8 years of education must be spent on making the person learn "how to live", which is possible by knowing the rights and fundamental duties of the citizens.

Dr. Antresh Kumar, Coordinator, DACE and SC/ST Cell, welcomed and briefed about the program and its importance to the students. Prof. G. Haragopal said that the best way to respect Dr. B. R. Ambedkar is to read the Constitution. He also mentioned the perspective of Dr. B. R. Ambedkar on drafting the Indian constitution. Prof. Haragopal cited several articles from the constitution for the fundamental understanding of government functioning in the instrumentation of social justice. He also mentioned that Dr. Ambedkar's role is not only in the implementation of reservations, but his major role lies in social transformation by introducing the civil rights protection act and introducing the noblest values to the preamble. He also mentioned that the best way to abolish caste is to encourage inter-caste marriages and providing special privileges to the children of inter-caste couples. Prof. Gopal ended his talk with the words "We have to utilize freedom with social responsibility for collective peace and prosperity, otherwise, freedom is danger".

DACE students actively participated in the program with different roles. DACE students: Mr. Keshav described the Preamble of the constitution, Ms. Ambika and Mr. Shakti read fundamental rights and duties, and Ms. Nisha and the team (Ritu, Sushma, Asin, Prinyanka, and Birju) performed a skit named "See You in the Court" sensitizing the audience about the civil rights provided by the Constitution. Ms. Kusumlata and Ms. Asin sang songs on the Constitution. Ms. Simran and Mr. Ashish conducted the program. Prof. Vikas Beniwal, Prof. Pawan Kumar Maurya, Dr. T. Longkoi, Shri Rakesh Meena, Dr. Shahjahan, Dr. Mulaka Maruti, Dr. Ravinder Singh, Dr. Dinesh Kumar, Dr. Sumit Kumar, Faculty members of DACE, Binay Krishna Pal, Mohinder Pal Punia and Somnath Maity, Preeti Sharma and other staffs, and students were present on this occasion.

2.4 हकेवि में विश्व मधुमेह दिवस पर कार्यशाला आयोजित

CUH, Nov 29, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में मंगलवार 29 नवंबर को विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग द्वारा विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केंद्र के सहयोग से आयोजित कार्यशाला उद्घाटन करते हुए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मधुमेह प्रबंधन के महत्त्व और जीवन शैली में बदलाव करने पर जोर दिया। उन्होंने इस तरह का कार्यक्रम आयोजित करने के लिए फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग द्वारा की गई पहल की सराहना की। कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में मलेशिया से डॉ. रोहित कुमार वर्मा उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की डीन व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया और कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि भविष्य में इस तरह की कार्यशाला आयोजित करने की जाएगी। कार्यशाला में प्रतिष्ठित विशेषज्ञ वक्ता मलेशिया से डॉ. रोहित कुमार वर्मा ने मधुमेह से बचाव व उपचार पर जोर दिया। उन्होंने मधुमेह प्रबंधन के लिए एकीकृत दृष्टिकोण पर विस्तार से प्रकाश डाला। फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग के अध्यक्ष एवं कार्यक्रम के संयोजक डॉ. दिनेश कुमार ने मधुमेह की व्याप्कता से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के 200 से अधिक विद्यार्थियों, शोधार्थियों व शिक्षकों ने कार्यशाला में प्रतिभागिता कर मधुमेह के बारे में ज्ञान प्राप्त किया। कार्यक्रम के आयोजक एवं संचालक डॉ. तरुण कुमार, डॉ. रजत यादव एवं डॉ. मनीषा पाण्डेय थे। साथ ही टीम के सदस्यों के रूप में डॉ. हिना यादव, डॉ. सुमित कुमार एवं डॉ. अशोक जांगड़ा ने आयोजन में सक्रिय भागीदारी की। इस अवसर पर प्रो. पवन मौर्य, प्रो. विनोद कुमार, डॉ. अंतरेश कुमार, डॉ. रवि सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Workshop organised on “World Diabetes Day” at CUH

CUH, Nov 29, 2022

A workshop on “World Diabetes Day” was organised on 29th Nov. 2022 by the Department of Pharmaceutical Sciences, School of Interdisciplinary and Applied Sciences in collaboration with University Heath Center at Central University of Haryana, Mahendergarh. Prof. (Dr.) Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor of the University inaugurated the workshop and emphasized the importance of diabetes management and lifestyle modification. He appreciated the initiative taken by the Department of Pharmaceutical Sciences to conduct such a program.

The international speaker of this event Dr. Rohit Kumar Verma from Malaysia emphasized on prevention and treatment of diabetes. He also talked about the integrated approach for diabetes management. Prof. Neelam Sangwan, Chairperson, Dean SIAS, and Dean Research, delivered the welcome address and briefed about the workshop. She also informed that such a workshop would also be conducted in the future to give an opportunity to scholars to interact with eminent resource persons. Dr. Dinesh Kumar, Head, and Convener of the event informed the gathering about the prevalence of diabetes. He told that more than 200 research scholars and faculty members from CUH attended and gained the knowledge about diabetes. Dr. Tarun Kumar, Dr. Rajat Yadav, and Dr. Manisha Pandey were the organizers and moderator of the event. Additionally, Dr. Heena Yadav, Dr. Sumit Kumar, and Dr. Ashok Jangra supported as team members. On this occasion, Prof. Pavan Maurya, Prof. Vinod Kumar, Dr. Antresh Kumar, Dr. Ravi, etc., were also present.

3. Admissions 2022-23

3.1 हकेवि में स्नातकोतर कार्यक्रमों में दाखिले हेतु पंजीकरण शुरू

CUH, Oct 05, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए दाखिला प्रक्रिया के अंतर्गत विश्वविद्यालयीन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) 2022 के स्नातकोतर कार्यक्रमों

के नतीजे घोषित कर दिए गए हैं। शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा घोषित नतीजो के बाद विश्वविद्यालय में स्नातकोतर कार्यक्रमों में उपलब्ध 1322 सीटों पर दाखिले की प्रक्रिया अगले चरण में पहुँच गई है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए काउंसलिंग हेतु पंजीकरण शनिवार 01 अक्टूबर से शुरू हो चुके हैं। ऑनलाइन पंजीकरण की यह प्रक्रिया आगामी 08 अक्टूबर तक जारी रहेगी। पंजीकरण की इस प्रक्रिया के बाद मेरिट लिस्ट जारी होगी। इसके आधार पर दाखिले प्रदान किए जायेंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रवेश परीक्षा में सफल परीक्षार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

दाखिला प्रक्रिया के संबंध में विश्वविद्यालय के सीयूईटी के नोडल ऑफिसर प्रो. फूल सिंह ने बताया कि स्नातकोतर कार्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा के परिणाम घोषित होने के पश्चात विश्वविद्यालय में दाखिला लेने के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। उन्होंने बताया कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्नातकोतर कार्यक्रमों की कुल 1322 सीटें उपलब्ध हैं। जिनमें दाखिले के लिए ऑनलाइन पंजीकरण आगामी 08 अक्टूबर, 2022 तक करवाया जा सकता है। इसके पश्चात मेरिट लिस्ट 10 अक्टूबर विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध करवाई जाएगी तथा श्रेणीवार मेरिट लिस्ट व पहली काउंसलिंग 11 अक्टूबर को जारी होगी। डॉ. फूल सिंह ने कहा कि दाखिले इच्छुक आवेदक पंजीकरण, सीटों का विवरण, फीस व अन्य दिशा निर्देश आदि विश्वविद्यालय की वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं।

Registration for Admission to Postgraduate Programs at CUH

CUH, Oct 05, 2022

With the declaration of Common University Entrance Test (CUET) 2022 result for Postgraduate (UG) Programs by National Testing Agency (NTA), the process of admission to 1322 seats available in Postgraduate programs at the Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh reached the next stage. The registration for counselling for admission in Central University of Haryana started from Saturday, September 01. This process of online registration continued till October 08. Merit list was released after this process of registration. The Vice-Chancellor of the University Prof. Tankeshwar Kumar congratulated the successful candidates of the entrance examination and wished them a bright future.

Prof. Phool Singh, Nodal Officer, CUET-2022 said that after the declaration of the results of the entrance examination of Postgraduate programs, the process of online registration started for the candidates who wanted to take admission in the university. He informed that a total of 1322 seats are available in Central University of Haryana for Postgraduate programmes. Registration for admission was to be done till October 08, 2022. After this, the merit list was made available on the University website on 08 October while the first counselling and category wise merit list will be held on 11 October 2022. Dr. Phool Singh said that the applicants interested in admission can get any information related to registration, details of seats, fees, and other guidelines, etc. from the website of the University.

3.2 हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दाखिले का एक और अवसर

CUH, Oct 26, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेन्द्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए जारी दाखिले की प्रक्रिया के अंतर्गत विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर व इंटीग्रेटेड कार्यक्रमों में रिक्त सीटों के लिए ओपन काउंसलिंग का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आवेदकों का दाखिले के लिए स्वागत करते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि विश्वविद्यालय नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रयासरत है।

विश्वविद्यालय की ओर से विश्वविद्यालयीन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) 2022 के नोडल ऑफिसर डॉ. फूल सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय में विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर व इंटीग्रेटेड कार्यक्रमों में उपलब्ध रिक्त सीटों में दाखिले के लिए ओपन काउंसलिंग का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्नातक व इंटीग्रेटेड कार्यक्रमों में दाखिले के लिए 31 अक्टूबर को तथा स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए 03 नवंबर को ओपन काउंसलिंग का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ओपन काउंसलिंग के लिए विद्यार्थियों को दिए गए शिडयूल के अनुसार विश्वविद्यालय के संबंधित विभाग में उपस्थित होना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि संबंधित पाठ्यक्रम के लिए सीयूईटी परीक्षा न देने वाले व न्यूनतम पात्रता रखने वाले नए अभ्यर्थी भी ओपन काउंसलिंग में हिस्सा ले सकते हैं। साथ ही सीयूईटी परीक्षा देने वाले व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के लिए पंजीकरण न करने वाले अभ्यर्थी भी ओपन काउंसलिंग में

प्रतिभागिता कर सकते हैं किंतु हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए पंजीकरण करने वाले अभ्यर्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी। डॉ. फूल सिंह ने बताया कि ओपन काउंसलिंग का शिडयूल, रिक्त सीटों का विवरण व अन्य विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। विद्यार्थियों को अपने मूल दस्तोवजों के साथ ओपन काउंसलिंग के लिए आना है।

Open Counselling for vacant seats will start from 31 Oct at CUH

CUH, Oct 26, 2022

Open counselling will be conducted for vacant seats in various Undergraduate, Postgraduate, and integrated programs for the Academic Session 2022- 23 at Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh. While welcoming the applicants for admission, the Vice Chancellor of the University Prof. Tankeshwar Kumar wished for the bright future of the students and said that the University is striving for the all-round development of the students according to the new National Education Policy.

Dr. Phool Singh, the Nodal Officer Common University Entrance Test (CUET) 2022, on behalf of the University, informed that open counselling is being organised for admission to the vacant seats available in various Undergraduate, Postgraduate, and integrated programs in the University. He said that open counselling is being organised on October 31 for admission to Undergraduate and integrated programs and on November 03 for admission to Postgraduate programs. He said that it is mandatory for the students to appear in the concerned department of the University as per the schedule given for the open counselling. He said that new candidates who have not appeared for the CUET exam for the respective course and have minimum eligibility can also take part in the open counselling. Also, candidates who have appeared for the CUET exam and are not registered for Central University of Haryana can also participate in open counselling, but preference will be given to candidates who have registered for admission in Central University of Haryana. Dr. Phool Singh informed that the schedule of open counseling, details of vacant seats, and other detailed information are available on the website of the University. Students must come for the open counselling with their original documents.

4. Initiatives and Innovations

4.1 हकेवि में हुआ डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र का शुभारम्भ

CUH, Oct 01, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने हेतु सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्थापित डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र (डेस) का उद्घाटन शनिवार को सिरसा से माननीय सांसद श्रीमती सुनीता दुग्गल ने किया। विश्वविद्यालय में स्थापित इस केंद्र की शुरूआत के अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में सुश्री इरा सिंघल उपायुक्त राजस्व विभाग, नई दिल्ली भी उपस्थित रही। इस अवसर पर श्रीमती सुनीता दुग्गल ने इस केंद्र की शुरूआत को अहम बताते हुए कहा कि इसके माध्यम से अब उन अनुसूचित जाति के युवाओं के लिए यूपीएससी की राह आसान होगी जोकि कोचिंग के आभाव के चलते सफलता हासिल नहीं कर पा रहे थे। विश्वविद्यालय में स्थापित डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र की उद्घाटन के अवसर पर एक दिवसीय कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। उन्होंने इस मौके पर कहा कि अवश्य ही इस केंद्र के माध्यम से निर्धारित लक्ष्यों प्राप्ति सुनिश्चित की जाएगी और हमारे लिए यह गर्व की बात है कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा हरियाणा राज्य में इस केंद्र के संचालन की जिम्मेदारी हमारे विश्वविद्यालय को सौंपी गई है।

विश्वविद्यालय में इस केंद्र के उद्घाटन के अवसर पर श्रीमती सुनीता दुग्गल ने प्रतिभागियों से संवाद करते हुए कहा कि वे अपने अंदर आत्मविश्वास जगाएं। उन्होंने इस केंद्र में दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों को कहा कि उनका पद इस तरह का पद है जिस पर रहकर जमीनी स्तर पर आने वाली चुनौतियों का हर दिन सामना करना होता है। इसलिए उन्हें हर क्षेत्र की जानकारी होनी चाहिए। इस मौके पर श्रीमती दुग्गल ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्हीं के प्रयासों से

आज भारत का संविधान उपलब्ध है और उसके अंतर्गत हमें मतदान अधिकार मिल रहा है। उन्होंने इस केंद्र की परिकल्पना का भी उल्लेख किया और कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में निरंतर आखिरी पायदान पर खड़े वंचित वर्ग के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं और अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिए डेस की स्थापना भी ऐसा ही एक प्रत्यक्ष प्रमाण है। उन्होंने इस मौके पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व की भी सराहना की और कहा कि अवश्य ही यह केंद्र देश को कई प्रतिभावान प्रशासनिक सेवक उपलब्ध कराएगा। इससे पूर्व में आयोजन में विशिष्ट अतिथि सुश्री इरा सिंघल ने भी अपने संबोधन में यूपीएससी की परीक्षा और उससे जुड़े विषय पर प्रकाश डालते हुए कोचिंग का महत्व बताया। इरा सिंघल ने बताया कि देश की सर्वोच्च प्रशासनिक सेवा परीक्षा के लिए तैयारी भी खूब मेहनत से करनी होती है ऐसे में अवश्य ही इस केंद्र के माध्यम से विद्यार्थी लाभांवित होंगे। विश्वविद्यालय में आयोजित इस एक दिवसीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया और उनका आभार व्यक्त करते हुए भरोसा दिलाया कि अवश्य ही इस केंद्र के माध्यम से यूपीएससी की परीक्षा में अनुसूचित जाति के युवाओं की सफलता के ग्राफ में बढ़ोत्तरी का मार्ग प्रशस्त किया जाएगा। कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि किसी भी परीक्षा में सफलता के लिए मेहनत और सही ढ़ंग से तैयारी की भूमिका अहम होती है और यह केंद्र भी इसी के लिए प्रयासरत रहेगा। डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र के समन्वयक डॉ. अंतरेश कुमार बताया कि इस केंद्र में दाखिले के लिए 200 से अधिक आवेदन आए थे, जिसमें से परीक्षा परीक्षा के बाद 89 ने दाखिला लिया। जिनकी कक्षाएं 3 अक्टूबर से शुरू हो रही हैं। इस आयोजन में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, सेंटर फोर इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, डॉ. पायल चंदेल, डॉ. दिनेश कुमार, डॉ. रविंद्र, डॉ. रश्मि तंवर, डॉ. सुमित, डॉ. मुलाका मारूति, डॉ. विकास कुमार, डॉ. बिनय कुमार रे, डॉ. रवि कुमार, निशान सिंह, सुनील अग्रवाल व विश्वविद्यालय के अनुसूचित जाति-जनजाति प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों सहित भारी संख्या में शिक्षक, विद्यार्थी, शोद्यार्थी व इस केंद्र में पंजीकृत हुए परीक्षार्थी भी उपस्थित रहे।

Dr. B. R. Ambedkar Centre for Excellence Inaugurated at Central University of Haryana

CUH, Oct 01, 2022

Dr. B. R. Ambedkar Centre for Excellence (DACE) was inaugurated on 01 October 2022 at Central University of Haryana, Mahendergarh by the Member of Parliament Smt. Sunita Duggal, and IAS officer Ms. Ira Singhal. The Ambedkar Centre for Excellence is an initiative by Ministry of Social Justice and Empowerment, Government of India to empower the Scheduled Caste (SC) students by providing them high quality coaching for Civil Services Examination (Prelims and Mains) on free of cost. Honourable Vice-Chancellor Prof. Tankeshwar Kumar and the Centre Coordinator Dr. Antresh Kumar negotiated with the Ministry to get funds and start the Centre at Central University of Haryana campus. The Centre recruited faculty for teaching, and for availing free coaching for which more than 200 applications were received and 89 aspirants were admitted after conducting the entrance exam. Classes for the same will begin from 03 October.

The inauguration ceremony was attended by Smt. Sunita Duggal (MP, Sirsa), Ms. Ira Singhal (IAS, Commissioner, Revenue Department, New Delhi), Prof. Tankeshwar Kumar (VC, CUH), Prof. Sunil Kumar (Registrar, CUH), Dr. Antresh Kumar (Coordinator, DACE), Committee for DACE, Faculty members, students of the Centre and University, and parents of the Civil Services aspirants. The program started with floral tributes to Dr. B. R. Ambedkar statue. Later, Ms. Ira Singhal, who is the topper of 2014 Civil Services exam, interacted with the students, shared her experiences, gave valuable suggestions and guidance for the Civil Services Examination preparation. She motivated the students and filled confidence in the minds of the admitted students of the Centre. She highlighted the importance of self-belief and self-motivation, and to have a job to setup a level of career before preparing for the Civil Services exam. Vice Chancellor Prof. Tankeshwar Kumar interacted with the students, explained about the Centre for Excellence, and assured them for providing best facilities like library and hostel for women students. Smt. Sunita Duggal shared her experiences in clearing the Civil Services Examination and assured her support for the Centre. Parents of the Civil aspirants expressed their gratitude to Vice Chancellor for setting up the Centre. Faculty members Dr. Payal Chandel, Dr. Dinesh Kumar, Dr. Benay Roy, Dr. Vikas, Dr. Ravinder, Dr. Ravi, Dr. Maruthi, Dr. Rashmi Tanwar, Dr. Sumit, Mr. Sunil Aggarwal, Er. Nishan were present in the event.

4.2 हकेवि में स्थापित की गई भूकंप निगरानी प्रणाली

CUH, Dec 15, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ परिसर में सीएसआईआर-राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान (एनजीआरआई), हैदराबाद के सहयोग से भूगर्भ निगरानी प्रणाली स्थापित की गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रशासनिक खंड के समीप स्थित उद्यान में इस प्रणाली का उद्‌घाटन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार व शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा भी उपस्थित रहीं।

कुलपति ने इस अवसर पर कहा कि इस प्रणाली की मदद से भूकंप निगरानी सहित भूगर्भ से संबंधित विभिन्न परिवर्तनों पर केंद्रित शोध व अनुसंधान को बल मिलेगा। इस प्रणामी के माध्यम से विश्वविद्यालय व इसके आसपास के क्षेत्र में भूगर्भ में होने वाली विभिन्न गतिविधियों की निगरानी और उसके आंकड़ों का संग्रहण कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस प्रयास से शोध व अनुसंधान को लेकर भूगर्भीय आंकड़ों की उपलब्धता विद्यार्थियों, शिक्षकों व शोधार्थियों के लिए उपयोगी साबित होगा। यहां बता दें कि विश्वविद्यालय ने इस प्रणाली हेतु सीएसआईआर-एनजीआरआई, हैदराबाद के साथ समझौता किया है।

इस प्रणाली हेतु नोडल ऑफिसर भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. जितेंद्र कुमार ने बताया कि इस प्रणाली के माध्यम से सिर्फ भूगोल बल्कि सिविल इंजीनियरिंग आदि विभागों के लिए भी आवश्यक आंकड़ों के संग्रहण का कार्य सहज होगा। इस अवसर पर भूगोल विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मनीष कुमार, डॉ. खेराज, डॉ. सी.एम. मीणा, डॉ. संदीप राणा व डॉ. कपिल देव सहित विद्यार्थी, शोधार्थी व सीएसआईआर- (एनजीआरआई), हैदराबाद के विशेषज्ञ डॉ. राजीव कुमार व डॉ. विनीत कुमार गहलावत भी उपस्थित रहे।

Earthquake Monitoring System Installed at CUH

CUH, Dec 15, 2022

Ground monitoring system has been installed in Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh campus in collaboration with CSIR-National Geophysical Research Institute (NGRI), Hyderabad. The Vice Chancellor of the University Prof. Tankeshwar Kumar inaugurated this system on Wednesday in the garden located near the administrative block. On this occasion, the Registrar of the University Prof. Sunil Kumar, and Dean School of Education Prof. Sarika Sharma were also present.

The Vice Chancellor said that with the help of this system, research and innovation focused on various changes related to geology including earthquake monitoring will be strengthened. Through this system, the work of monitoring and collecting the data of various activities happening in the University and its surrounding area will be done. He said that with this effort, the availability of geological data regarding research and innovation will prove useful for students, teachers, and researchers. It may be mentioned here that the University has tied up with CSIR-NGRI, Hyderabad for this system.

Dr. Jitendra Kumar, Nodal Officer for this system and HoD, Department of Geography, said that through this system the work of collecting necessary data will be easy for not only Geography but also Civil Engineering departments. On this occasion, along with Assistant Professor of Geography Department Dr. Manish Kumar, Dr. Kheraj, Dr. C.M. Meena, Dr. Sandeep Rana, Dr. Kapil Dev, CSIR- (NHRI) Hyderabad experts Dr. Rajeev Kumar and Dr. Vineet Kumar Gehlawat were also present with students.

4.3 हकेवि का जैव उर्वरक फसलों के लिए वरदान

CUH, Dec 16, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के शोधार्थियों व शिक्षकों की टीम ने एक ऐसा जैव उर्वरक तैयार किया है जो कि फसलों के लिए वरदान साबित हो रहा है। इस उर्वरक के उपयोग से फसलों में प्रयोग होने वाले फर्टिलाइजर की माँग की आवश्यकता को कम करने में मदद मिल रही है। विश्वविद्यालय के गोद लिए गावं मालड़ा में इस जैव उर्वरक का सफल परीक्षण किया गया। इससे आए परिणामों के अवलोकन हेतु विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकश्वर कुमार ने शिक्षकों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों के साथ मालड़ा का दौरा किया। कुलपति ने इस तकनीक के परिणामों पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही इस प्रयास का लाभ ग्रामीणों को प्राप्त होगा और विश्वविद्यालय के सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग के इस प्रयास के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करते हुए प्राकृतिक खेती को बढ़ावा मिलेगा।

विश्वविद्यालय में इस परियोजना के प्रमुख प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि उनकी टीम स्थानीय कृषकों के सहयोग से इस प्रयास में बीते तीन सालों से कार्य कर रहे हैं। इस तकनीक के अंतर्गत नए सीजन में और अधिक कृषकों को जैव उर्वरक उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस तकनीक के अंतर्गत पोटाशियम और फासफोरस के संतुलन को स्थापित कर फसल उपयोगी बनाने में मदद मिली है और जिसके परिणाम स्वरूप 40 से 50 प्रतिशत कम रासायनिक खाद (डीएपी) का प्रयोग करके 5 से 10 प्रतिशत तक उपज में वृद्धि दर्ज की जा सकती है। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि स्थानीय किसानों की कृषि वर्षा की कमी के चलते निरंतर प्रभावित होती है। ऐसे में जैव उर्वरकों की मदद से उत्पादकता को बढ़ाने में सहयोग मिलेगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की टीम के द्वारा इस दिशा में किए गए प्रयास उल्लेखनीय परिणाम प्रदान कर रहे हैं और अवश्य ही इसका लाभ अन्य किसान भी उठाएंगे। विश्वविद्यालय कुलपति के साथ मालड़ा गाँव के दौरे पर प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. पवन कुमार मौर्य, डॉ. मोना शर्मा, उन्नत भारत अभियान के नोडल ऑफिसर प्रो. विकास बेनीवाल सहित इस परियोजना के जुड़ें सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग के विद्यार्थी व शोधार्थी स्थानीय ग्रामीणों के साथ उपस्थित रहे।

CUH developed Biofertilizer

CUH, Dec 16, 2022

Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh developed Biofertilizer for reducing chemical fertilizer for the productivity of the crop. This project was done under the Unnat Bharat Abhiyan lead by the team of Department of Microbiology. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor of the University visited the farmers' fields in Malra village and interacted with farmers on whose mustard farm CUH made biofertilizer formulation was applied. Farmers were very happy with the excellent crop growth leading to higher musturd productivity at reduced fertiliser use in saline soil.

Prof. Tankeshwar Kumar informed the farmers that CUH is working towards development and upliftment of farmers of nearby villages specially adopted villages. He appreciated the efforts of the research inventor team of Microbiology department for taking steps towards government missions like Atam Nirbhar Bharat and natural farming. The leader and inventor of the technology with package of practice, Professor Surender Singh informed the farmers that his team of scholars has been working for last 3 years to develop this. Biofertilizer will be made available to more farmers in coming season. He said that Potassium and phosphorus solublizing biofertilizers demonstrated in farmers field are giving encouraging results and will be able to improve mustard yield by 5-10 % besides saving some cost of chemical fertilizers.

Their team is also developing biocontrol agents against soil borne diseases of crop, especially cotton. Professor Dinesh Kumar, Dean Academics, told the farmers about the rising salinity due to less rain and declining water table adversely affecting crop. Use of such bio fertilizers can help to maintain the crop productivity in this challenging condition. Dean alumni Professor Pramod Kumar, Dean of Lifelong Learning Professor Pawan Kumar Maurya, Head of Environmental Sciences Department Dr.

Mona Sharma, Unnat Bharat Abhiyan Coordinator Professor Vikas Beniwal, were also present on this occasion. Students and scholars of Department of Microbiology were also present.

4.4 सिक्किम के महामहिम राज्यपाल श्री गंगा प्रसाद ने हकेवि में किया कल्पना चावला महिला छात्रावास का उद्घाटन

CUH, Dec 26, 2022

युवा पीढ़ी भारत का मान-सम्मान है और इस पीढ़ी के संकल्प से ही भारत पुनः अपनी पुरातन सांस्कृतिक पहचान को प्राप्त कर सकता है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू हुए भारत निर्माण के प्रयासों को चरितार्थ करने में आज की युवा पीढ़ी को दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ना होगा। यह विचार सिक्किम के महामहिम राज्यपाल माननीय श्री गंगा प्रसाद ने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में कल्पना चावला महिला छात्रावास के उद्घाटन के अवसर पर व्यक्त किए। उन्होंने भारत की बेटी कल्पना चावला का उल्लेख करते हुए कहा कि कल्पना चावला ने साबित किया है कि भारत को विश्व गुरु बनाने में महिलाओं की भूमिका महत्त्वपूर्ण है और हमें इसके लिए महिला शिक्षा व सशक्तिकरण पर विशेष जोर देना होगा। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की और इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव सहित विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद के सदस्य प्रो. पवन शर्मा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय में महिला छात्रावास के उद्घाटन व जी20 सम्मेलन के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए माननीय राज्यपाल ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास के पथ पर अग्रसर भारत की ख्याति का उल्लेख किया और कहा कि आज भारत समूचे विश्व के समक्ष मजबूती के साथ खड़ा नजर आ रहा है। प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भर भारत का जो संकल्प लिया है उसके परिणाम स्वरूप भारत को अपने पुरातन गौरव को पुनः प्राप्त करने का अवसर मिला है। भारत की संस्कृति बेहद प्राचीन है और समय-समय पर भारतीयों ने विश्व पटल पर अपनी अमिट छाप छोड़ी है। आज समय भारत को नई शिक्षा नीति के माध्यम से पुनः विश्व गुरु के रूप में स्थापित करने हेतु योगदान देने का है। जिसमें विद्यार्थियों व शिक्षकों की भूमिका सर्वाधिक महत्त्वपूण ि है। इसलिए गीता की धरती हरियाणा पर संकल्प लें युवा आगे बढ़ें और विश्व को शांति का संदेश देते हुए भारत निर्माण में सक्रिय योगदान दें। इस अवसर पर श्री गंगा प्रसाद ने सभी विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने का संकल्प लेने और महापुरूषों के जीवन से सीख लेकर आगे बढ़ने के लिए भी प्रेरित किया।

इससे पूर्व में विश्वविद्यालय कुलपति ने श्री गंगा प्रसाद जी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय उनका सदैव कृतज्ञ रहेगा। उन्होंने इस अवसर पर विश्वविद्यालय की शैक्षणि िक प्रगति का ब्यौरा प्रस्तुत किया और बताया कि किस तरह से नई शिक्षा नीति के अनुरूप अध्ययन-अध्यापन के लिए तैयार है। कुलपति ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को समाजोपयोगी शोध के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि हरियाणा का पावन धरती पर ही भगवान श्री कृष्ण ने गीता का उपदेश दिया। जिसने विश्व को जीने की राह दिखाई। कुलपति ने अपने संबोधन में वीर बाल दिवस का उल्लेख करते हुए उन बलिदानी वीरों के बलिदान का भी स्मरण कराया। कुलपति ने जी20 सम्मेलन को एक महत्त्वपूर्ण अवसर बताते हुए युवाओं को भारत में डिजिटल डिप्लोमेसी की दिशा में आगे बढ़ने और विश्व स्तर पर योगदान के लिए प्रेरित किया। विश्वविद्यालय में श्री गंगा प्रसाद द्वारा उद्घाटित नवनिर्मित छात्रावास पूरी तरह से दिव्यांगजन हितैषी व अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है। इसमें बने कुल 105 कमरों में छात्राओं के लिए बैड, टेबल, चेयर व अलमारी आदि की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। छात्रावास में 315 छात्राओं के रहने की व्यवस्था है। उन्होंने बताया कि लगभग 20 करोड़ रूपए की लागत से यह छात्रावास बनकर तैयार हुआ है। छात्रावास में छात्राओं के लिए लिफ्ट, जीम, अतिथि कक्ष आदि की सुविधा भी उपलब्ध है। इससे पूर्व में विश्वविद्यालय के प्रोफेसर मूलचंद शर्मा सभागार में आयोजित कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वंदना व दीप प्रज्जवलन के साथ हुई। इसके पश्चात विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सिक्किम के महामहिम राज्यपाल माननीय श्री गंगा प्रसाद का स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम में आयोजन के संयोजक डॉ. राजेश कुमार दुबे ने विश्वविद्यालय कुलपति व इंजीनियरिंग के छात्र अक्षत कांत ने राज्यपाल का परिचय कराया। कार्यक्रम के अंत में कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. नीलम सांगवान, प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. सुनील कुमार, प्रो. आनंद शर्मा, प्रो. सुरेंद्र सिंह, प्रो. नंद किशोर, प्रो. पायल चंदेल, डॉ. मोना शर्मा, डॉ. ए.पी. शर्मा सहित विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, विद्यार्थी, शोधार्थी आदि उपस्थित रहे।

Mr. Ganga Prasad, Governor of Sikkim, inaugurated Kalpana Chawla Girl's Hostel at CUH

CUH, Dec 26, 2022

"The young generation is the pride of India, and it is only with the resolve of this generation that India can regain its ancient cultural identity. Today's young generation will have to move ahead with determination in realizing the efforts of India building started under the leadership of Prime Minister Shri Narendra Modi." These views were expressed by the Hon'ble Governor of Sikkim Shri Ganga Prasad on the inauguration of Kalpana Chawla Girls' Hostel at Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh. Mentioning India's daughter Kalpana Chawla, he said that Haryana's daughter Kalpana Chawla has proved that the role of women is important in making India a world guru and for this we must lay special emphasis on women's education and empowerment. The program was presided over by the Vice Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar and the Registrar of the University Prof. Sunil Kumar, along with Prof. Sunita Srivastava and member of the Executive Council of the University Prof. Pawan Sharma were also present.

Addressing the program organised on the inauguration of girl's hostel in the University and the G20 conference, the Honourable Governor mentioned the fame of India marching on the path of development under the leadership of Prime Minister Shri Narendra Modi and said that today India stands at an important position in front of the whole world. He has taken the resolution of making India an Atmanirbhar Bharat to regain its ancient glory. India's culture is very ancient and from time-to-time Indians have left their indelible mark on the world stage. Today is the time to contribute to establish India as a Vishwa Guru again through the New Education Policy in which the role of students and teachers is most important. That is why the youth should take a pledge on Haryana, the land of Geeta, and actively contribute to building India while giving the message of peace to the world. On this occasion, Mr. Ganga Prasad also inspired all the students to take a pledge to stay away from drugs and move forward by learning from the lives of great men.

Earlier, the Vice-Chancellor of the University expressed his gratitude to Mr. Ganga Prasad and said that the University will always be grateful to him. On this occasion, he presented the details of the academic progress of the University and explained how it is ready for teaching- learning as per the new education policy. In his address, the Vice-Chancellor inspired the students for socially useful research. He said that on the land of Haryana, Lord Shri Krishna gave the essence of Gita that showed the world the way to live. Mentioning the occasion of Veer Bal Diwas in his address, the Vice-Chancellor also recalled the sacrifices of those heroes. Describing the G20 conference as an important occasion, the Vice Chancellor exhorted the youth to move forward towards digital diplomacy in India and contribute globally. The newly constructed hostel inaugurated by Shri Ganga Prasad in the University is fully Divyangjan friendly and equipped state-of-the-art facilities. In total 105 rooms made in this, facilities of bed, table, chair, and wardrobe etc. have also been made available for the girl students. The hostel has accommodation for 315 girl students. He informed that this hostel building, constructed at a cost of about Rs 20 crore, has got a green building three-star rating. The facility of lift, gym, guest room etc. is also available for the girl students in the hostel.

Earlier, the program organised in Professor Moolchand Sharma Auditorium of the University started with Saraswati Vandana and lamp lighting. After this, the Vice-Chancellor of the University Prof. Tankeshwar Kumar welcomed His Excellency the Governor of Sikkim, Honorable Shri Ganga Prasad by presenting him a memento. The coordinator of the event, Dr. Rajesh Kumar Dubey, University Vice-Chancellor, and engineering student Akshat Kant introduced the Governor. At the end of the program, Registrar Prof. Sunil Kumar presented the vote of thanks. On this occasion Prof. Sarika Sharma, Prof. Neelam Sangwan, Prof. Dinesh Kumar, Prof. Sunil Kumar, Prof. Anand Sharma, Prof. Surendra Singh, Prof. Nand Kishore, Prof. Payal Chandel, Dr. A.P. Sharma, Deans of various schools, Head of the Departments, teachers, officers, employees, students, research scholars were present.

5. Invited Lectures

5.1 हकेवि में विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

CUH, Oct 18, 2022

पर्यावरण व जल प्रकृति द्वारा प्रदान अमूल्य धरोहर है। इसका संरक्षण व विकास हर नागरिक का कर्तृतव्य है। मौजूदा समय में बदली परिस्थितियों के अनुरूप बेहद जरूरी है कि इस दिशा में वैज्ञानिक सोच के साथ व्यावहारिक प्रयासों को अंजाम दिया जाए। यदि तकनीक व पुरातन ज्ञान का मेल होता है मानव जाति के समक्ष उपस्थित जलवायु परिवर्तन व जल संकट के जैसी प्रमुख चुनौतियों का निदान कठिन नहीं है। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में टेक्सास एएंडएम यूनिवर्सिटी के प्रतिष्ठित प्रो. वी.पी. सिंह ने विद्यार्थियों व शिक्षकों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। विश्वविद्यालय में सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा इंडियन वाटर रिसोर्स सोसायटी व इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) के सहयोग से एन्वायर्मेंट एंड वाटर मैनेजमेंट विषय पर आयोजित इस विशेषज्ञ व्याख्यान की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

कुलपति ने इस अवसर पर अपने संबोधन में प्रो. वी.पी. सिंह की उपस्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में उनकी मौजूदगी विद्यार्थियों, शिक्षकों व शोधार्थियों को पर्यावरण व जल संरक्षण के क्षेत्र में जारी विभिन्न बदलावों को जानने-समझने में सहयोग प्रदान करेगी। कुलपति ने इस मौके पर कहा कि जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को देखते हुए जरूरी हो गया है कि पर्यावरण संरक्षण के लिए तकनीक का बेहतर इस्तेमाल सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने इसके लिए एन्वायर्मेंटल साइंस व इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट को संयुक्त प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। कुलपति ने कहा कि बदलते समय में चुनौतियां भी नित नए स्तर पर सामने आ रही हैं। ऐसे में इनका निदान समाजोपयोगी शोध के माध्यम से ही संभव है। इसके पश्चात विशेषज्ञ वक्ता प्रो. वी.पी. सिंह ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए इकोलॉजी, इको-सिस्टम, प्राकृतिक संसाधनों का प्रबंधन, जल संसाधनों का प्रबंधन, मानव जाति के लिए जल की उपयोगिता और विश्व समुदाय के समक्ष जल संरक्षण व पर्यावरण संरक्षण के संबंध में विस्तार से प्रकाश डाला और परिस्थितियों में सुधार हेतु आवश्यक विभिन्न प्रयासों का उल्लेख किया। कार्यक्रम के अंत में विशेष प्रश्नोत्तर सत्र का भी आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों व शिक्षकों ने अपनी विभिन्न शंकाओं का समाधान भी प्राप्त किया।

स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. विकास गर्ग ने विशेषज्ञ वक्ता का परिचय दिया जबकि विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अभिषेक जिंदल ने विश्वविद्यालय कुलपति का परिचय कराया। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में समन्वयक प्रो. अजय बंसल, प्रो. फूल सिंह, इंजीनियर दीपक राणा, डॉ. नीरज कुमार, डॉ. विकास कुमार, डॉ. रणबीर सिंह, डॉ. पिंकी अरोड़ा, इंजीनियर सुधीर व विद्यार्थी समन्वयक कुश सिन्हा, आकाश मानव, कौशल झा व शुभम चौधरी ने महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन सहायक आचार्य सन्नी तंवर ने प्रस्तुत किया।

Expert lecture organised at CUH

CUH, Oct 18, 2022

"Environment and water are invaluable heritage provided by nature. Its protection and development are the duty of every citizen. According to the changed circumstances in the present time, it is very important that practical efforts should be carried out in this direction with scientific attitude. If there is a combination of technology and ancient knowledge, it is not difficult to solve the major challenges faced by mankind like climate change and water crisis." These ideas were shared by eminent Prof. V.P. Singh of Texas A&M University at Central University of Haryana (CUH) Mahendergarh while addressing the students and teachers. The expert lecture on Environment and Water Management organised by the Department of Civil Engineering in the University in collaboration with Indian Water Resource Society and Indian Institute of Engineers (India) was presided over by the Vice Chancellor of the university, Prof. Tankeshwar Kumar.

The Vice Chancellor in his address said that Prof. V.P. Singh's presence in the university would help the students, teachers, and researchers to know and understand the various changes going on in the field of environment and water conservation. He further mentioned that in view of the impact of climate change, it has become necessary to ensure better use of technology for environmental protection. He inspired the Department of Environmental Science and Engineering to make a joint effort for this. The Vice Chancellor said that in the changing times, challenges are also emerging at a new level. In such a situation, their diagnosis is possible only through socially useful research.

Prof. V.P. Singh while addressing the participants threw light on ecology, eco-system, management of natural resources, management of water resources, utility of water for mankind and water

conservation, and environmental protection before the world community. He further mentioned the various efforts needed for improvement of the present circumstances. A special Q&A session was also organised at the end of the program in which students and teachers got their various doubts resolved.

The convener of the program, Prof. Vikas Garg, introduced the expert speaker while Dr. Abhishek Jindal, Assistant Professor of the department, introduced the Vice Chancellor of the University. In the successful organization of this program, the coordinator Prof. Ajay Bansal, Prof. Phool Singh, Engineer Deepak Rana, Dr. Neeraj Kumar, Dr. Vikas Kumar, Dr. Ranbir Singh, Dr. Pinki Arora, Engineer Sudhir and student coordinator Kush Sinha, Akash Manav, Kaushal Jha and Shubham Chaudhary made important contributions. At the end of the program, the vote of thanks was presented by Assistant Professor Sunny Tanwar.

5.2 अपशिष्ट प्रबंधन की दिशा में हकेवि प्रयासरत

CUH, Oct 21, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा शून्य अपशिष्ट परिसर पहल और प्लास्टिक-बढ़ती समस्या विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्वच्छ भारत मिशन, असम सरकार के सलाहकार व परामर्शदाता डॉ. संजय के गुप्ता विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। बता दें कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर को जीरो वेस्ट परिसर बनाना कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की प्रमुख पहलों में से एक है। विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि हमारी दैनिक गतिविधियों में अपशिष्ट की उत्पादकता बहुत बढ़ गई है। ऐसे में अपशिष्ट का प्रभावी प्रबंधन हमारे लिए चुनौती बन गया है। उन्होंने बताया कि इसी को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय में अपशिष्ट प्रबंधन के लिए एक समिति का गठन किया गया है। कुलपति ने कहा कि आज के विशेषज्ञ व्याख्यान के माध्यम से इस चुनौती से निपटने में बल मिलेगा।

कार्यक्रम में विशेष वक्ता डॉ. संजय के गुप्ता ने विश्वविद्यालय में कचरा उत्पन्न करने वाले विभिन्न स्थलों का दौरा किया। विश्वविद्यालय का निरीक्षण करने के बाद उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय जल्द ही अपने कचरे के प्रबंधन में आत्मनिर्भर होगा। उन्होंने कहा कि स्क्रैप को कबाड़ से जुगाड़ के रूप में पुनरूउपयोग किया जा सकता है, बायोडिग्रेडेबल कचरे को खाद में परिवर्तित किया जा सकता है। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर को आदर्श इकाई में बदलने पर जोर दिया। डॉ. गुप्ता ने बताया कि उत्पन्न कचरे का 90 प्रतिशत पुनरूउपयोग और पुनर्नवीनीकरण किया जाता है, और केवल 10 प्रतिशत या उससे कम डंपिंग के लिए छोड़ दिया जाता है। इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरुआत में स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड सांइसेज की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने उपस्थित प्रतिभागियों का स्वागत किया और कचरे के प्रबंधन के महत्त्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के संयोजक बायोकेमेस्ट्री विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. पवन कुमार मौर्य, पोषण जीवविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. कांति प्रकाश, पर्यावरण अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा तथा एक्सईएन डॉ. रणवीर सिंह ने बताया कि यह व्याख्यान शून्य अपशिष्ट से संबंधित रणनीतियां बनाने की दिशा में एक कदम है। डॉ. मोना शर्मा ने शून्य अपशिष्ट परिसर बनाने के लिए विभिन्न रणनीतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि विद्यार्थी किस तरह से कचरे के निपटान में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्रो. पवन कुमार मौर्य ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विभिन्न पीठों कि अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Expert Lecture on Waste Management at CUH

CUH, Oct 21, 2022

Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor, Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh has taken an initiative to make the university a zero waste campus. In this series, a lecture was organised by the Department of Environmental Studies at Central university of Haryana on the topic “A Zero Waste Campus Initiative and Plastics: The Burgeoning Problem”. The guest speaker for the lecture was Dr. Sanjay K Gupta. He is an advisor and consultant of Swachh Bharat Mission (SBM), Govt. of Assam. He has more than twenty years of experience in Integrated Waste Management, Recycling, and Livelihood.

In our day-to-day activities waste generation is inevitable. Its effective management is a challenging task to retain the aesthetic values of our surroundings and a sound environmental health. Honourable Vice-Chancellor Prof. Dr. Tankeshwar Kumar is very much concerned about the waste management in the University. So, he has constituted a committee for creating zero waste discharge on the CUH campus. Dr. Mona Sharma (HOD Environmental Studies) is the convener of that committee along with Prof. Pawan Kumar Maurya (HOD Biochemistry) and Prof. Kanti Prakash (HOD Nutrition Biology) and Dr. Ranvir Kumar (EXN). This lecture was an initiation of that committee for achieving and formulating zero waste discharge strategies. For fulfilling this dream, Dr. Gupta visited the different sites in the university and checked each point from where waste is generated. He told about the zero-waste concept and explained that 90 % of waste generated is reused and recycled, and only 10 % or less is left for dumping. After inspecting the university, he said that the university would soon be self-sufficient in managing its waste. He added scrap can be reutilised as “kabaad se jugaad”, biodegradable waste can be converted into compost. He emphasized on turning the CUH campus into a model unit. In the beginning of the program, Prof. Neelam Sangwan (Dean SIAS) welcomed the audience and mentioned about the importance of managing the waste at the point of source only. Prof. Tankeshwar Kumar, Hon’ble Vice Chancellor mentioned that this lecture is just the beginning of the Zero waste discharge project in CUH. Further, Dr. Mona Sharma (convenor) highlighted the various strategies for making the zero-waste campus. She also mentioned that students play a major role in contributing to the waste management; however, they can be role models for others in the neighborhood also. Prof. Kanti Prakash introduced the speaker and talked about the vast experience of Dr. Gupta. In the end, Prof. Pawan Kumar Maurya delivered the formal vote of thanks and said to take a pledge that we will not use plastic. Various HODs, Deans, and students also attended the programme.

5.3 हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विशेषज्ञ वार्ता आयोजित

CUH, Nov 8, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में पोषण जीव विज्ञान विभाग ने द्वारा विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डॉ. श्याम बंसल, सहायक आचार्य, फिजियोलॉजी और सेल बायोलॉजी विभाग, कॉलेज ऑफ मेडिसिन, ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए एक वक्ता के रूप में उपस्थित थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने वक्ता डॉ. श्याम बंसल का आभार व्यक्त करते हुए ऑफलाइन आमंत्रित वार्ता के महत्त्व और पाठ्यक्रम में इसके महत्त्व पर जोर दिया।

कार्यक्रम की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। डॉ. श्याम बंसल ने इस्केमिक हार्ट फेल्योर में टी सेल्स की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। डॉ बंसल ने हृदय गति रूकने के कारण ों बारे में बताया और रोग के विकास में टी सेल की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने सुझाव दिया कि ये कोशिकाएं हृदय गति रूकने में मददगार साबित हो सकती हैं। उन्होंने भारतीय छात्रों के लिए यूएसए में एमएससी और पीएचडी छात्रों के लिए उपलब्ध विभिन्न अवसरों के बारे में भी बताया। कार्यक्रम में प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान विशेषज्ञ ने प्रतिभागियों के सवालों के जवाब दिए। इससे पूर्व पोषण जीव विज्ञान विभाग की छात्रा सुश्री ईशा ने अतिथि का स्वागत किया और सुश्री महिमा ने विशेषज्ञ वक्ता का परिचय दिया। कार्यक्रम के अंत में सुश्री नीरू ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के दौरान प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. नीलम सांगवान, प्रो. कांति प्रकाश, प्रो. सुरेंद्र सिंह सहित विश्वविद्यालय के पोषण जीव विज्ञान और विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana organised an invited talk

CUH, Nov 8, 2022

The Department of Nutrition Biology, Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh

organised an invited talk. At the event, Dr. Shyam Bansal, Assistant Professor, Dept. of Physiology and Cell Biology, College of Medicine, Ohio State University, USA was present as a speaker. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor of the University showed gratitude to the speaker Dr. Shyam Bansal for coming to Central University of Haryana and emphasized the importance of offline invited talk and its significance in students' curriculum.

The event started with University Kulgeet. Dr. Shyam Bansal talked about the role of T Cells in Ischemic Heart Failure. Dr. Bansal explained the mechanism of Heart failure and focused on the role of T cells in developing the disease. He suggested that these cells can be a target to develop medicines for heart failure. He also talked about various opportunities available to MSc and Ph.D. students in the USA for Indian students. The talk was followed by a question-and-answer session. Ms. Isha, a student of the Dept. of Nutrition Biology welcomed the guest and Ms. Mahima introduced the speaker to the gathering. Ms. Neeru proposed a vote of thanks. During the event, Prof. Sunita Srivastava, Prof. Neelam Sangwan, Prof. Kanti Prakash, and Prof. Surender Singh, were present along with students and faculty members of Nutrition Biology and other departments of the University.

5.4 हकेवि में विज्ञान और अनुसंधान के परिप्रेक्ष्य में नैतिकता पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

CUH, Dec 5, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा अनुसंधान और प्रकाशन नैतिकता पाठ्यक्रम के तहत विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। विज्ञान और अनुसंधान के परिप्रेक्ष्य में नैतिकता विषय पर आधारित इस व्याख्यान में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। कुलपति ने अनुसंधान नैतिकता, मेट्रिक्स, वैज्ञानिक आचरण और प्रकाशन कदाचार से संबंधित विभिन्न अवधारणाओं पर विस्तार से चर्चा की।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड चार में आयोजित इस विशेषज्ञ व्याख्यान में प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अनुसंधान नैतिकता में आने वाली समस्याओं का विश्लेषण करने और उनका समाधान करने के लिए अपनाएं जाने वाले तरीकों से शोधार्थियों को अवगत कराया। साथ ही उन्होंने शोध में नैतिकता के महत्त्व पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अनुसंधान कार्य में विभिन्न विषयों और संस्थानों के लोगों के बीच सहयोग और समन्वय शामिल होता है, इसलिए नैतिक मानक उन मूल्यों को बढ़ावा देते हैं जो सहयोगी कार्य निष्पक्षता के लिए आवश्यक हैं। नैतिक मानदंड शोधकर्ता की जवाबदेही सुनिश्चित करते हैं। कुलपति ने शोधार्थियों के प्रश्नों के जवाब देकर उनकी शंकाओं का समाधान किया।

विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सी.एच. ने प्रो. टंकेश्वर कुमार का परिचय प्रस्तुत करते हुए पाठ्यक्रम की विशेषताओं से प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यक्रम का समन्वयक एवं सूचना वैज्ञानिक डॉ. विनीता मलिक ने बताया कि अनुसंधान में नैतिकता की कमी किस तरह से आमजन के लिए नुकसानदेह साबित हो सकती है। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय के उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। विशेषज्ञ व्याख्यान में विभिन्न विभागों के 150 शोधार्थियों ने सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षो, शिक्षकों, अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

A special lecture on ethics with respect to science and research at CUH

CUH, Dec 5, 2022

Pandit Deendayal Upadhyaya Central Library, Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh organised a special invited lecture on ethics with respect to science and research under the Research and Publication Ethics course. The invited lecture was delivered by the Vice Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar. Prof. Tankeshwar Kumar covered various concepts related to research ethics, metrics, scientific conduct, and publication misconduct. He said that the research ethics are the methods, procedures, or perspectives for deciding how to act and how to analyse the complex problems and issues. Ethics are important to signify the credibility of the researcher, knowledge expansion, collaboration, and building trust and respect among the research community. There are several reasons why it is important to adhere to ethical norms in research. He told the PhD scholars that the research norms promote the aims of the research, such as knowledge, truth, and avoidance of error. Since research often involves a great deal of cooperation and coordination among different types of people in different disciplines and institutions, ethical

standards promote the values that are essential to collaborative work fairness. Ethical norms ensure that researchers can be held accountable to the public.

The University Librarian and coordinator of the RPE Course, Dr. Santosh Hulagabali, gave a brief introduction of the Vice-Chancellor to the University students and the salient features of the course. The Program was also coordinated by Dr. Vinita Malik Information Scientist, CUH who also stressed how ethical lapses in research can significantly harm human and animal subjects, students, and the public. The Deputy Librarian, Dr. Rajeev Vashistha proposed the vote of thanks to the chair for delivering the lecture under RPE Course. More than 150 PhD scholars participated from various University departments.

6. National Educational Policy

6.1 हकेवि प्रदान करेगा ड्यूल डिग्री योजना के अवसर

CUH, Oct 07, 2022

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन हेतु हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ निरंतर अग्रसर है। विश्वविद्यालय ने इस दिशा में अब अपने यहाँ विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा प्रस्तुत ड्यूल डिग्री प्रोग्राम, अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी व एकेडमिक क्रेडिट बैंक योजना को लागू कर दिया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय की शैक्षणिक परिषद् ने यूजीसी की ओर से प्रस्तुत इन तीनों ही योजनाओं को विश्वविद्यालय में लागू करने पर सहमति दे दी है। इसके परिणाम स्वरूप जल्द ही विश्वविद्यालय के सहभागी लाभांवित होंगे।

यहां बता दें कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से प्रस्तुत ये योजनाएँ शिक्षा को अधिक अनुभवनात्मक, समग्र, एकीकृत, अनुसंधान-उन्मुख, शिक्षार्थी केंद्रित, लचीला, सतत और नई सोच विकसित कर राष्ट्रीय शिक्षा नीति की परिकल्पना को साकार करने में मददगार साबित होगी। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के स्तर पर निरंतर अग्रण ी भूमिका में कार्य कर रहा है। नए पाठ्यक्रमों के निर्माण और उनके सफलतम संचालन विश्वविद्यालय में शुरू हो चुका है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का कहना है कि एकेडमिक क्रेडिट बैंक की व्यवस्था को शैक्षणिक परिषद् की मंजूरी पहले ही मिल चुकी है। इसके साथ अब ड्यूल डिग्री प्रोग्राम व अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी को भी शैक्षणिक परिषद् द्वारा सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया है। कुलपति ने कहा कि अब इन योजनाओं के अनुरूप शैक्षणिक स्तर पर आवश्यक नियमों का निर्धारण कर इनका क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा और अवश्य ही इसके माध्यम से सहभागी लाभांवित होंगे।

CUH will provide opportunities for Dual Degree Scheme

CUH, Oct 07, 2022

Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh is continuously marching ahead in the successful implementation of the National Education Policy (NEP) 2020. In this direction, the University has now implemented the Dual Degree Program, International Partnership, and Academic Credit Bank initiative of the University Grants Commission (UGC). The Vice Chancellor of the University Prof. Tankeshwar Kumar said that the academic council of the University has consented to implement all these three schemes initiated by the UGC in the University. As a result, students at the University will have a lot of options.

Let us inform here that these schemes presented by the University Grants Commission will prove to be helpful in realizing the vision of the National Education Policy by developing a more experiential, holistic, integrated, research-oriented, learner-centered, flexible, sustainable, and innovative approach to education. The Central University of Haryana is continuously playing a leading role at the level of implementation of the National Education Policy. The creation of new courses and their successful operation as per the mandate of NEP 2020 has already started in the University. The Vice Chancellor of the University Prof. Tankeshwar Kumar says that the Academic Bank of Credit, dual degree programs have already been approved by the Academic Council. With this, the Dual Degree Program and International Partnership have also been unanimously accepted by the Academic Council. The Vice-Chancellor of the University said that with the approval of the scheme by the Academic Council, the University will soon make them operational and implement these in letter and spirit for the larger interest of the students and all other stakeholders. The University will have the option to open with other partner institutes in India and abroad.

7. New Programs

7.1 हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में एमएससी जियोइंफोर्मेटिक्स के लिए दाखिला प्रक्रिया शुरू

CUH, Oct 13, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ अब एमएससी जियोइंफोर्मेटिक्स का अध्ययन भी कराएगा। विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के अंतर्गत दो वर्षीय इस पाठ्यक्रम के लिए ऑनलाइन पंजीकरण आगामी 27 अक्टूबर तक होंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भूगोल विभाग में इस नए पाठ्यक्रम की शुरूआत को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि जियोइंफोर्मेटिक्स यानि भूसूचना विज्ञान के अध्ययन ने जटिल सामाजिक एवं पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान करने में अवश्य मदद मिलेगी।

भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. जितेंद्र कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय शैक्षणिक वर्ष 2022-23 से एमएससी जियोइंफोर्मेटिक्स पाठ्यक्रम की पढ़ाई आरंभ करने जा रहा है। इस पाठ्यक्रम में 20 सीटें निर्धारित की गई हैं। जिनमें दाखिले हेतु ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है जो आगामी 27 अक्टूबर तक चलेगी। उन्होंने बताया कि पंजीकरण हेतु लिंक व अन्य विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। उन्होंने पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार का आभार व्यक्त किया और विभाग के शिक्षकों के योगदान की भी सराहना की।

CUH Launches M.Sc. in Geoinformatics

CUH, Oct 13, 2022

Central University of Haryana (CUH) Mahendergarh will nowonward also provide a degree in M.Sc. Geoinformatics. Online registration for this two-year program will be held till October 27. The Vice Chancellor of the University Prof. Tankeshwar Kumar described the introduction of this new program in the Department of Geography as important and said that the study of Geoinformatics would certainly help in solving complex social and environmental challenges.

Dr. Jitendra Kumar, Head, of the Department of Geography said that the University is going to start the program of M.Sc. Geoinformatics from the Academic Year 2022-23. 20 seats have been earmarked for this course. He thanked the Vice-Chancellor of the University Prof. Tankeshwar Kumar and Registrar Prof. Sunil Kumar for starting this course and appreciated the contribution of the faculty member of the department.

7.2 हकेवि में होगी हिंदी अनुवाद की पढ़ाई -दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू, 4 नवंबर तक कर सकते है ऑनलाइन आवेदन

CUH, Oct 21, 2022

हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ वर्तमान शैक्षणिक सत्र से हिंदी अनुवाद की पढ़ाई शुरू करवाने जा रहा है। इसके लिए विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा दो वर्षीय एम. ए. (हिंदी अनुवाद) कार्यक्रम का आरंभ वर्तमान शिक्षण सत्र से किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में प्रवेश हेतु समस्त विवरण और लिंक विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। समस्त इच्छुक आवेदक वेबसाइट पर दिए गए लिंक के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। इस कार्यक्रम में प्रवेश के लिए पंजीकरण प्रक्रिया शुरू हो गई है। आवेदन की अंतिम तिथि 4 नवंबर, 2022 है। इस कार्यक्रम के आरंभ होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि हिंदी विभाग द्वारा प्रस्तावित यह कार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति को क्रियान्वित करने में सहयोगी सिद्ध होगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने की संकल्पना और प्रतिबद्धता दर्शायी गयी है। अनुवाद केंद्रित इस कार्यक्रम में भारतीय भाषाओं और बोलियों के बीच संवाद को बढ़ाने में सहायता मिलेगी।

हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ. वी.एन. यादव ने बताया कि एम. ए. (हिंदी अनुवाद) में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को भविष्य में रोजगार के अधिक अवसर मिलेंगे क्योंकि अनुवाद में रोजगार के अवसरों में निरंतर वृद्धि होने वाली है। अनुवाद रोजगार के साथ-साथ रचनात्मक पहचान भी देता है। नई शिक्षा नीति में भी अनुवाद को बढ़ाने और विद्यार्थियों को इसमें कौशल संपन्न करने का ध्येय निहित है, जिससे इस क्षेत्र में सकारात्मक भविष्य को लक्षित किया जा सकता है।

CUH launched MA Hindi Translation

CUH, Oct 21, 2022

Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh is going to start a new program in Hindi translation from the current academic session. The two-year M.A. (Hindi Translation) program is going to start from the current academic session by the Hindi Department of the University. All the details and links for admission to this program are available on the University website. Interested applicants can apply through the link given on the website. The admission process for this program

started on October 21, 2022, and the last date for application is November 4, 2022. While expressing happiness on the commencement of this program, the Vice Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar said that this program proposed by the Hindi Department would prove helpful in implementing the National Education Policy. The concept and commitment to promoting Indian languages are reflected in the National Policy on Education. This translation-focused program will help in enhancing the dialogue between Indian languages and dialects.

Dr. V. N. Yadav, HoD, Department of Hindi said that students taking admission in M.A. (Hindi translation) will get more employment opportunities in the future because employment opportunities in translation are going to increase continuously. Translation gives employment as well as creative recognition. The New Education Policy also envisages enhancing translation and making students skillful in it, thereby targeting a positive future in this field.

7.3 हकेवि में शोधार्थियों के लिए शोध एवं प्रकाशन नैतिकता पाठ्यक्रम का शुरू

CUH, Nov 26, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा शैक्षणिक सत्र 2022-23 के पीएच.डी. शोधार्थियों के लिए शोध एवं प्रकाशन नैतिकता पाठ्यक्रम का ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से आयोजन को शोधार्थियों के लिए उपयोगी बताया और कहा कि अवश्य ही इसमें विशेषज्ञों से प्राप्त ज्ञान से प्रतिभागी लाभांवित होंगे। विश्वविद्यालय में केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा संचालित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के 120 पीएच.डी. के शोधार्थियों ने हिस्सा लिया। विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सी एच ने बताया कि रिसर्च एंड पब्लिकेशन एथिक्स का यह पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा अनुमोदित दो क्रेडिट का अनिवार्य पाठ्यक्रम है। विश्वविद्यालय में केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा संचालित इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत दो बैच सफलता पूर्वक पूर्ण हो चुके हैं और यह तीसरा बैच चल रहा है।

शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने दीक्षांरभ कार्यक्रम के अंतर्गत दर्शनशास्त्र का परिचय कराते हुए शुक्रवार को पहला व्याख्यान दिया। प्रो. सारिका शर्मा ने अपने संबोधन में शोध के प्रकारों, विधियों सहित विषय से जुड़ें विभिन्न पक्षों पर विस्तार से प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय की सूचना वैज्ञानिक डॉ. विनीता मलिक ने बताया कि शोध नैतिकता शोधकर्ता की विश्वसनीयता, ज्ञान विस्तार, सहयोग, विश्वास के लिए महत्त्वपूर्ण है। शोध की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए वैज्ञानिक आचरण, मानकों और प्रक्रियाओं का पालन करना आवश्यक है। उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ ने भी शोधार्थियों को समाज की बेहतरी के लिए विश्वसनीय व गुणवत्तापूर्ण शोध करने के लिए प्रोत्साहित किया। इसी क्रम में सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार ने कहा कि अच्छा शोध सामाजिक और नैतिक मूल्यों का समर्थन करता है और बताया कि अच्छा शोध किस तरह से आमजन में विश्वास पैदा कर सकता है। सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष श्री नरेश कुमार धन्यवाद ज्ञापित करते हुए शोधार्थियों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

Research and Publication Ethics course for research students begins at CUH

CUH, Nov 26, 2022

Pandit Deendayal Upadhyaya Central Library, Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh conducted an orientation program for the Research and Publication Ethics course for the Ph.D. students of the batch 2022-2023. Around 120 Ph.D. research students from 31 departments joined the course and attended Orientation Programme. Research and Publication Ethics course is a UGC approved 2 credits mandatory course introduced by UGC in 2019-20 to instill ethical values and encourage ethical research practices among the researchers. Central University of Haryana implemented the Course in 2020 and so far completed two batches of 2020-21 and 2021-22. Pandit Deendayal Upadhyaya Central Library conducts the course centrally for the researchers of all Departments.

Prof. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor of Central University of Haryana appreciated the library team for organising the Course for various Departments and organising the orientation programme. The University Librarian Dr. Santosh C. H. oriented the students about the salient features of the course. He informed the students about the course structure, various modules and learning outcomes of the programme. He also motivated the students to best utilize the library resources for the research work. The Information Scientist, Dr. Vinita Malik shared that the research ethics are important to signify the credibility of researcher, knowledge expansion, collaboration, and building trust and respect among the research community. The scientific conduct, standards, and procedures are required to be followed to ensure the research quality. At the end of the programme, research scholars cleared their doubts about the course by asking questions. Dr. Vinod Kumar, Assistant Librarian, and Mr. Naresh Kumar, Assistant Librarian were present in the programme. Library volunteers Ms. Manju and Ms. Divya from the Department of Psychology assisted the library team to smoothly organise the programme. Mr. Naresh Kumar proposed a vote of thanks.

8. Seminars, Conferences, Workshops, and Events

8.1 हकेवि में रोजगार कौशल में वृद्धि पर छह दिवसीय कार्यशाला आयोजित

CUH, Oct 3, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में अध्ययनरत छात्राओं के लिए रोजगार कौशल में वृद्धि पर आधारित छह दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ द्वारा महिंद्रा प्राइड क्लासरूम (नंदी फाउंडेशन) के सहयोग से यह कार्यशाला आयोजित की गई। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यशाला का उद्घाटन किया। उन्होंने इस अवसर पर कॉर्पोरेट जगत में रोजगार कौशल और इन कौशलों के महत्त्व पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया।

कुलपति ने प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ के निदेशक डॉ. विकास गर्ग, डॉ. दिव्या और डॉ. तरुण उपनिदेशक टी एंड पी, डॉ. विकास कुमार, डॉ. अजय कुमार बंसल नोडल अधिकारी सीएसआर की इस कार्यशाला के आयोजन के लिए सराहना की। कार्यशाला में नंदी ग्रुप के कॉरपोरेट ट्रेनर संतोख सिंह विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। कार्यशाला में विशेषज्ञ ने विद्यार्थियों को संचार कौशल, प्रस्तुतिकरण, साक्षात्कार, बायोडेटा बनाना, रोजगार कौशल सहित विभिन्न सॉफ्ट स्किल्स से जुड़े विभिन्न पक्षों से गतिविधियों व व्याख्यान के माध्यम से अवगत कराया। कार्यशाला में एमबीए की छात्रा ऐश्वर्या जोशी और कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग की छात्रा जसलीन कौर को सर्वश्रेष्ठ परफॉर्मर तथा बी.वॉक. की सची, एम.एससी. सांख्यिकी की रिंकू पूनिया को रनरअप घोषित किया गया। कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए बी.टेक. इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की छात्रा सृष्टि को सर्वश्रेष्ठ समन्यवक का पुरस्कार प्रदान किया गया।

Workshop on Enhancement of Employability Skills organised at CUH

CUH, Oct 3, 2022

Training and Placement Cell, Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh organised a six-day workshop on Enhancement of Employability Skills with Mahindra Pride Classroom (Naandi Foundation) for the final year girl students. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor, CUH inaugurated the workshop with his motivating words, and encouraged students to focus on employability skills and the importance of these skills in corporate world. Then he praised the Training and Placement Cell Director Dr. Vikas Garg, Dr. Divya, and Dr. Tarun Deputy Director T&P, Dr. Vikas Kumar, Dr. Ajay Kumar Bansal Nodal officer CSR for conducting this workshop and encouraging students to participate in these trainings.

The workshop was carried out by Mr. Santokh Singh, Corporate Trainer Naandi Group. There were many activities and lectures related to soft skills including communication skills, CV (CURRICULUM VITAE) making, Presentation skills, Role play, interview training, employability skills, etc. At the end of the training, students were rewarded with the prizes. The best performer award was given to Aishwarya Joshi (MBA) and Jasleen Kaur (CSE). The runner ups were Sachchee (Bvoc) and Rinku Poonia (Msc. Stats). Srishti (B.Tech. EE) was provided with the best coordinator for successfully conducting this workshop.

8.2 हकेवि में संचार कौशल एवं व्यक्तित्व विकास पर पाठ्यक्रम आयोजित

CUH, Oct 6, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय ने विद्यार्थियों, शोधार्थियों व प्रोफेशनल्स के लिए संचार कौशल एवं व्यक्तित्व विकास (सीएसपीडी) पाठ्यक्रम आयोजित किया। विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सी. एच., उपपुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ की उपस्थिति में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सात सप्ताह के इस पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। इस अवसर पर कुलपति ने पाठ्यक्रम के सफल आयोजन हेतु समन्वयक श्री नरेश कुमार और पुस्तकालय टीम के प्रयासों की सराहना की।

कार्यक्रम समन्वयक एवं विशेषज्ञ श्री नरेश कुमार, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष ने कहा कि विश्वविद्यालय कुलपति के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में इस पाठ्यक्रम के पांच बैच पूरे किए जा चुके हैं। इस पाठ्यक्रम के लिए कुल 38 प्रतिभागियों ने आवेदन किया। अंत में 26 प्रतिभागियों ने 10 विशेषज्ञों द्वारा आयोजित 24 प्रशिक्षण सत्रों में भाग लेकर इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया। इस अवसर विश्वविद्यालय के पुस्तकालय के अधिकारी, कर्मचारी, शिक्षक व शिक्षणेतर कर्मचारी उपस्थित रहे।

CSPDCourseEnhancesCommunication Skills of CUH Students

CUH, Oct 6, 2022

Pandit Deendayal Upadhyaya Central Library, Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh conducted Communication Skills & Personality Development (CSPD) course of seven weeks for students, scholars and professional, whose certificates were distributed by the hands of the Vice Chancellor Prof. Tankeshwar Kumar to the qualified students in presence of Prof. Sunil Kumar, Registrar, University Librarian, Dr. Santosh C. H., Deputy Librarian Dr. Rajeev Vashistha, all library officers, library staff and many teaching and non-teaching staff. The vice chancellor appreciated the efforts of coordinator of the course Mr. Naresh Kumar and library team for making all possible efforts for conducting the course.

The coordinator and one of the experts, Mr. Naresh Kumar, Assistant Librarian said that five batches of this course had been completed. A total of 38 students and professionals from the Central University of Haryana and across the country applied for this course and finally, 26 participants successfully completed this course by attending 24 training sessions conducted by 10 experts.

8.3 आजादी के 75 वषरू स्थिरता के लिए महिला उद्यमिता विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ समापन

CUH, Oct 11, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ आर्थिक विकास के आजादी के 75 वषरू स्थिरता के लिए महिला उद्यामिता विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का मंगलवार को समापन हुआ। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर) के आर्थिक सहयोग से, अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (एबीआरएसएम) व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित संगोष्ठी के समापन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत की संस्कृति में पुरातन काल से ही महिलाओं की भूमिका महत्त्वपूर्ण रही है और अब जबकि हम अमृतकाल परिकल्पना साकार करने में जुटे हैं, ऐसे में महिलाओं का योगदान महत्त्वपूर्ण हो जाता है। कुलपति ने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में महिलाओं की भूमिका महत्त्वपूर्ण रहेगी। कार्यक्रम में जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. शांतिश्री धूलिपुड़ी पंडित मुख्य अतिथि तथा महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह व इंदिरा गाँधी विश्वविद्यालय, मीरपुर के कुलपति प्रो. जे.पी. यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रो. शांतिश्री ने अपने संबोधन में इस आयोजन के लिए विश्वविद्यालय कुलपति व आयोजन समिति को बधाई दी। उन्होंने भारतीय संस्कृति और वेद, उपनिषदों में महिलाओं की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय सभ्यता सदैव से ही महिला केंद्रित सभ्यता रही है। प्रो. शांतिश्री ने द्रौपदी, सीता का उल्लेख करते हुए महिला शक्ति के महत्त्व

से अवगत कराया। उन्होंने भारत के विकास में महिलाओं की भूमिका को महत्त्वपूर्ण बताया। इसी क्रम में कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि प्रो. राजबीर सिंह ने महिला उद्यमिता विकास को विकसित व विकासशील देशों के लिए महत्त्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि आंकड़ें इस बात को साबित करते हैं कि विभिन्न मजबूत अर्थव्यवस्थाओं के निर्माण में महिलाओं की भूमिका महत्त्वपूर्ण रही है। भारत के संदर्भ में उन्होंने माइक्रो एंटरप्रिन्योर सेक्टर का उल्लेख करते हुए उसमें महिलाओं की भागीदारी पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस दिशा में उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त करने हेतु महिलाओं के अधिकाधिक प्रोत्साहन की भी बात की। कार्यक्रम में शामिल विशिष्ट अतिथि प्रो. जे.पी. यादव ने अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर आयोजित समापन सत्र से अपनी बात शुरू करते हुए भारतीय महिला शक्ति का उल्लेख किया और बताया कि किस तरह से महिलाएं खेलकूद के क्षेत्र से लेकर आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान दे रही हैं। उन्होंने सतत विकास में महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला और कहा कि राष्ट्र के विकास में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए। कार्यक्रम के अंत में संगोष्ठी के आयोजन सचिव डॉ. मनीष कुमार ने विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। धन्यवाद ज्ञापन संगोष्ठी की समन्वयक डॉ. दिव्या ने प्रस्तुत दिया। मंच का संचालन डॉ. अभिरंजन ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. नंद किशोर सहित भारी संख्या विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक प्रभारी, शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी, विद्यार्थी, शोद्यार्थी व प्रतिभागी सम्मिलित हुए।

Two-day National Seminar on '75 Years of Independence: Women Entrepreneurship for Sustainability' concludes

CUH, Oct 11, 2022

The Two-day National Seminar on the theme of '75 Years of Independence of Economic Development: Women Entrepreneurship for Sustainability' concluded on Tuesday at Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh. While addressing the concluding session of the seminar organised under the joint aegis of All India National Educational Federation (ABRSM) and Central University of Haryana, with the financial support of Indian Council of Social Science Research (ICSSR), Vice Chancellor of the University Prof. Tankeshwar Kumar said that the role of women has been important in the culture of India since ancient times and now that we are busy in realizing the vision of Amritkal, the contribution of women becomes important. The Vice Chancellor said that the role of women will be important in making India a developed nation. The Vice Chancellor of Jawaharlal Nehru University, Prof. Shantishree Dhulipudi Pandit was the Chief Guest while the Vice Chancellor of Maharishi Dayanand University, Rohtak Prof. Rajbir Singh and Vice Chancellor of Indira Gandhi University, Mirpur Prof. JP Yadav was present as the special guests.

The Chief Guest of the program Prof. Shantishree congratulated the Vice Chancellor of the University and the organizing committee for this event. Referring to Indian culture and the role of women in Vedas, and Upanishads, she said that Indian civilization has always been a women-centric civilization. Prof. Shantashree, while mentioning Draupadi, Sita, made aware of the importance of female power. She described the role of women's importance in the development of India. In this sequence, the Guest of Honour of the program Prof. Rajbir Singh described women's entrepreneurship development as important for developed and developing countries. He said that the data proves that the role of women has been important in building strong economies. In the context of India, he highlighted the participation of women in the micro-entrepreneur sector. He also talked about increased encouragement of women to achieve remarkable results in this direction. The Guest of Honour of the program, Prof. J.P. Yadav, while starting his talk from the concluding session organised on International Girl Child Day, referred to Indian women power and told how women are contributing from the field of sports to the creation of self-reliant India. He highlighted the role of women in sustainable development and said that the participation of women in the development of the nation should be ensured. At the end of the program, the organizing secretary of the seminar, Dr. Manish Kumar presented a detailed report. The vote of thanks was presented by the coordinator of the seminar, Dr. Divya. Dr. Abhiranjan conducted the stage. On this occasion, the Registrar of the University Prof. Sunil Kumar, Prof. Sunita Srivastava, Prof. Sarika Sharma, Prof. Nand Kishore, heads of departments, teachers in-charge, teachers, non-teaching staff, students, researchers, and large number of participants participated in large numbers.

8.4 हकेवि में फार्माकोविजिलेंस पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

CUH, Oct 12, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में औषधि विज्ञान विभाग द्वारा फार्माकोविजिलेंस विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यशाला के आयोजन के लिए विभाग को बधाई दी और कहा कि इस तरह की कार्यशाला विद्यार्थियों में कौशल और विशेषज्ञता को बढ़ावा देने के अवसर प्रदान करती है। कार्यक्रम की अध्यक्ष व स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने स्वागत भाषण व कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि कार्यशाला रोगी सुरक्षा और फार्माकोविजिलेंस के क्षेत्र से जुड़े शोधार्थियों के लिए उपयोगी साबित होगी।

कार्यशाला में पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ की प्रो. बिकाश मेधी ने दवा की गुणवत्ता और रोगी सुरक्षा की पहचान करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने प्रतिभागियों को भारत के फार्माकोविजिलेंस प्रोग्राम (पीवीपीआइ) के बारे में विस्तार से अवगत कराया। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में भारतीय भेषज आयोग (आईपीसी) के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी डॉ. विवेकानंदन कलाइसेलवन ने दवा और चिकित्सा उपकरण सुरक्षा में फार्माकोविजिलेंस के महत्व पर प्रकाश डाला। औषधि विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष एवं कार्यशाला संयोजक डॉ. दिनेश कुमार ने बताया कि संदिग्ध प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं की स्वैच्छिक रिपोर्टिंग फार्माकोविजिलेंस गतिविधियों के लिए सूचना का एक महत्वपूर्ण स्रोत हैय ताकि फार्मास्यूटिकल्स की सुरक्षा और प्रभावकारिता के प्रोफाइल का सही आंकलन किया जा सके।

विभाग में सहायक आचार्य व कार्यक्रम की मॉडरेटर डॉ. मनीषा पांडे ने बताया कि फार्माकोविजिलेंस सुरक्षा मुद्दों पर सूचनाओं का विश्वसनीय और समय पर आदान-प्रदान सुनिश्चित करके दवाओं और टीकों की सुरक्षा प्रदान करता है। आयोजन सचिव डॉ. अशोक जांगड़ा ने बताया कि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार और बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ के शोधार्थियों और संकाय सदस्य भी कार्यशाला में सम्मिलित हुए। अंत में डॉ. सुमित कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में डॉ. तरुण कुमार, डॉ. सुरेंद्र वर्मा और डॉ. रणधीर सिंह भी उपस्थित थे।

National Workshop on "Pharmacovigilance" conducted at CUH

CUH, Oct 12, 2022

National Workshop on "Pharmacovigilance" was organised by the Department of Pharmaceutical Sciences at Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor congratulated the department for organizing the workshop and emphasized that such a workshop gives opportunities to the learners to boost their skills and expertise. Prof. Neelam Sangwan, Chairperson of the event, Dean SIAS, and Dean Research delivered the welcome address and briefed about the workshop program. She also informed that such workshops would enlighten the scholars in the field of patient safety and pharmacovigilance.

In the workshop, Prof. Bikash Medhi, Professor, PGIMER, Chandigarh, emphasized the significance of identifying medication errors, medicine quality, and patient safety. Further, Prof. Medhi enlightens the participants about the Pharmacovigilance Program of India (PVPI). In the second session, Dr. Vivekanandan Kalaiselvan, Senior Principal Scientific Officer, of Indian Pharmacopoeia Commission (IPC) highlighted the importance of pharmacovigilance in drug and medical device safety.

Dr. Dinesh Kumar, Head & Associate Professor and Convener of the workshop informed that voluntary reporting of suspected adverse reactions makes up an important source of information for pharmacovigilance activities to correctly assess the profile of the safety and efficacy of pharmaceuticals. Dr. Manisha Pandey, Assistant professor, was the moderator of the event and informed that Pharmacovigilance assures the safety of medicines and vaccines by ensuring reliable and timely exchange of information on safety issues. Dr. Ashok Jangra, organizing secretary of the workshop informed that research scholars and faculty members from Indira Gandhi National Tribal University, Amarkantak, Kurukshetra University, Kurukshetra, Guru Jambheshwar University of Science and Technology, Hisar, and Babasaheb Bhimrao Ambedkar University,

Lucknow also attended the workshop and gained the knowledge about various aspects of PVPI and reporting of adverse drug reaction. At the end, Dr. Sumit Kumar concluded the event and gave a vote of Thanks in the workshop. Dr. Tarun Kumar, Dr. Surender Verma, and Dr. Randhir Singh also attended the event.

8.5 हकेवि में अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष के तहत प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित

CUH, Oct 20, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में पोषण जीव विज्ञान विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष 2023 के तहत कार्यक्रमों की शृंखला में चौथे कार्यक्रम का आयोजन किया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि इस आयोजन के माध्यम से प्रतिभागियों में पोषक अनाज के प्रति जागरूकता बढ़ेगी।

बता दें कि कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की पहल पर संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष घोषित किया है। इससे मोटे अनाज के उत्पादन को प्रोत्साहन देने में मदद मिलेगी। इसके तहत हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में पोषक अनाज के प्रति जागरूकता हेतु प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में शिक्षक शिक्षा, भौतिकी और खगोल भौतिकी, भूगोल, यात्रा और होटल प्रबंधन के साथ-साथ पोषण जीव विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की। प्रतियोगिता में न्यूट्रिशन बायोलॉजी की सुश्री लाभी जैन और भूगोल की सुश्री राजश्री ने पहला स्थान हासिल किया। न्यूट्रीशन बायोलॉजी की सुश्री स्नेहा कुल्लू, सुश्री शिवानी ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। तीसरा स्थान शिक्षक शिक्षा के श्री निरंजन थापा और श्री प्रशांत कुमार ने प्राप्त किया। कार्यक्रम के आयोजक सुश्री आरजू, सुश्री आयुषी, ए मल्लेश, बी रोहित कुमार, आनंद सहित भारी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

International Year of Millets 2023 organised at CUH Haryana

CUH, Oct 20, 2022

The Department of Nutrition Biology at Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh organised the fourth event of the International Year of Millets-2023 celebration under the guidance and mentorship of Hon'ble Prof. Tankeshwar Kumar. In the series of events, a quiz competition was organised on various aspects of Millet to generate awareness among society through question-answer sessions. Students from other departments of the university as Teacher Education, Physics and Astrophysics, Geography, Travel, and Hotel Management along with the Department of Nutrition Biology participated in the event. The event included two rounds. A total of 32 students registered in 16 teams. Among the 16 teams, 8 teams participated on the day. Ms. Labhdi Jain of Nutrition Biology and Ms. Rajshree of Geography secured the first position. Ms. Sneha Kullu and Ms. Shiwani of Nutrition Biology got second positions. The third position was obtained by Mr. Niranjan Thapa and Mr. Prashant Kumar of Teacher Education. Ms. Arzoo, Ms. Ayushi, Mr. A Mallesh, Mr. B Rohit Kumar, and Mr. Anand were the organizers of the event.

8.6 हकेवि में सांख्यिकीय डेटा विश्लेषण पर राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित

CUH, Oct 27, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में सांख्यिकीय डेटा विश्लेषण पर आधारित एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा जैवरसायन विज्ञान विभाग के सहयोग से आयोजित इस वेबिनार को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय कुलपति व वेबिनार के मुख्य संरक्षक प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विविध क्षेत्रों में विभिन्न सांख्यिकीय उपकरणों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि किसी भी शोध क्षेत्र के बावजूद किसी भी अध्ययन का कोई मतलब नहीं है जब तक कि इसे सांख्यिकीय उपकरणों द्वारा मान्य नहीं किया जाता है। उन्होंने उत्कृष्टता की दिशा में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए अभिनव पहल करने के लिए जैव रसायन विभाग की सराहना की। वेबिनार में जेएमपी, ग्लोबल टीम के एकेडमिक एम्बेस्डर डॉ. मुरलीधर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

डॉ. मुरलीधर ने सांख्यिकीय उपकरणों और सॉफ्टवेयर के महत्त्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने जीवन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, बैंकिंग और उद्योगों के आंकड़ों के विश्लेषण में सांख्यिकी के महत्व पर जोर दिया। मुख्य वक्ता ने सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर का उपयोग करके कोविड-19 महामारी के दौरान डेटा विश्लेषण की भूमिका पर चर्चा की। सवाल-जवाब सत्र के दौरान प्रतिभागियों ने मुख्य वक्ता के साथ संवाद कर विभिन्न सांख्यिकीय उपकरणों का ज्ञान प्राप्त किया जिन्हें संबंधित अनुसंधान क्षेत्र में लागू किया जा सकता है। अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ की निदेशक व स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ के उद्देश्यों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने प्रतिभागियों को सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर के बारे में भी जानकारी दी। जैव रसायन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. पवन कुमार मौर्य ने स्वागत भाषण दिया। इस राष्ट्रीय वेबिनार का संयोजन जैव रसायन विभाग के डॉ. सौरभ चंद्र सक्सेना और डॉ. नीलम ने किया है। डॉ. सक्सेना ने मुख्य वक्ता वक्ता का परिचय कराया। डॉ. नीलम ने सभी अतिथियों, वक्ताओं और प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया। इस राष्ट्रीय वेबिनार में शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षकों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने प्रतिभागिता की। वेबिनार के आयोजन में जैव रसायन विभाग के संकाय सदस्यों डॉ. अंतरेश कुमार, डॉ. उषा नागराजन और डॉ. मुलका मारुति ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

Webinar organised on Statistical Data Analysis at CUH

CUH, Oct 27, 2022

A one-day national webinar on "Statistical Data Analysis" was organised by the Research and Development Cell at the Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh, in collaboration with the Department of Biochemistry. Professor Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor of the University, graced the webinar as the chief patron. He addressed the participants and emphasized the importance of various statistical tools in diverse fields. He said in his inspiring address that any study irrespective of any research domain has no meaning until it is validated by statistical tools. He lauded the Department of Biochemistry for taking innovative initiatives to promote research toward excellence. Dr. Muralidhara, Academic Ambassador, JMP, Global Team, was the keynote speaker of this national webinar.

Dr. Muralidhara elaborated on the importance of statistical tools and software. In his keynote address, he emphasized the significance of statistics in analysing the data from life sciences, physical sciences, banking, and industries as well. He also emphasized the role of data analysis during the COVID-19 pandemic using statistical software. Professor Neelam Sangwan, Director, of the Research & Development Cell and Dean of the School of Interdisciplinary and Applied Sciences, introduced the Research and Development Cell. She also informed the participants about statistical software. Professor Pawan Kumar Maurya, Head of the Department of Biochemistry, delivered the welcome address. Dr. Saurabh Chandra Saxena and Dr. Neelam of the Department of Biochemistry organised this national webinar. Dr. Saxena introduced the esteemed speaker. A vote of thanks to all guests, speakers and participants was given by Dr. Neelam. Dean Academic Affairs Professor Dinesh Kumar, Directors, Deans, Heads, and students from various departments participated in this national webinar. Faculty members of the Department of Biochemistry Dr. Antresh Kumar, Dr. Usha Nagarajan, and Dr. Mulaka Maruthi helped in organizing this webinar. Students interacted with the speaker. Participants gained knowledge of various statistical tools that can be applied to their respective research areas.

8.7 हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में कंठस्थ टूल पर हिन्दी कार्यशाला आयोजित

CUH, Nov 3, 2022

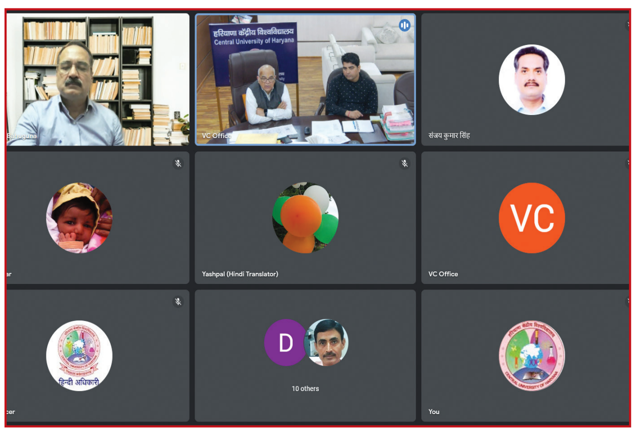

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में राजभाषा अनुभाग व नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की ओर से कंठस्थ टूल पर आधारित कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में गृह मंत्रालय, भारत

सरकार के सहायक निदेशक (राजभाषा) डॉ. मोहन चंद्र बहुगुणा विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार को लेकर गंभीरता के साथ प्रयास कर रहा है। राजभाषा हिन्दी के कार्यालयीन प्रयोग के लिए हिन्दी का प्रशिक्षण आवश्यक है। कुलपति ने कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से अवश्य ही प्रतिभागियों को हिंदी अनुवाद करने में सहायता मिलेगी। उन्होंने कार्यशाला के विशेषज्ञ का भी आभार व्यक्त किया।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यशाला के संबंध में कहा कि इसका उद्देश्य कार्यालयीन कार्य में हिंदी के प्रयोग में आ रही कठिनाई को दूर करना है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में हिंदी का प्रयोग शैक्षणिक व शिक्षणेतर कर्मचारियों द्वारा कार्यालय प्रयोग में लगातार बढ़ रहा है। कुलपति ने इस अवसर पर कहा कि आज के समय में अनुवाद का महत्व बढ़ा है और नई शिक्षा नीति भी मातृभाषा में शिक्षा को उपलब्ध कराने की बात करती है ऐसे में इस तरह की कार्यशाला अवश्य ही विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों व कर्मचारियों के लिए फायदेमंद साबित होगी। कुलपति ने कहा कि अनुवाद के महत्व को समझते हुए ही विश्वविद्यालय ने अपने यहाँ एम.ए. (हिंदी अनुवाद) का पाठ्यक्रम शुरू किया है जिसके अंतर्गत दाखिले की प्रक्रिया जारी है।

इस ऑनलाइन कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित मोहन चंद्र बहुगुणा ने कंठस्थ टूल के विषय में बताते हुए कहा कि ट्रांसलेशन मेमोरी पर आधारित यह सिस्टम भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अधीन राजभाषा विभाग के लिए विकसित किया गया है। इस सिस्टम के माध्यम से अंग्रेजी से हिंदी तथा हिंदी से अंग्रेजी में अनुवाद संभव है। उन्होंने बताया कि ट्रांसलेशन मेमोरी पर आधारित इस सिस्टम की मुख्य विशेषता यह है कि इसमें अनुवादक पूर्व में किए गए अनुवाद को किसी नई फाइल के अनुवाद के लिए पुनःप्रयोग कर सकता है। डॉ. बहुगुणा ने कंठस्थ टूल में अनुवाद करने की प्रक्रिया, अनुवाद कार्य को व्यवस्थित रखने की प्रक्रिया व भविष्य में उसके फिर से प्रयोग करने की प्रक्रिया के बारे में प्रतिभागियों को व्यावहारिक जानकारी विस्तार से उपलब्ध कराई। कार्यशाला का आरम्भ विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुआ। तत्पश्चात विश्वविद्यालय के हिन्दी अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने विशेषज्ञ वक्ता का परिचय व धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यशाला में विभिन्न विभागों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्षों, प्रभारी, शिक्षकों व कर्मचारियों ने ऑनलाइन माध्यम से प्रतिभागिता की।

Workshop on 'Kanthasth 2.0' organised at Central University of Haryana

CUH, Nov 3, 2022

A workshop based on Anuvaad Tool 'Kanthasth2.0' was organised by the Official Language Section and Town Official Language Implementation Committee (TOLIC) at Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh. Dr. Mohan Chandra Bahuguna, Assistant Director (Official Language), Ministry of Home Affairs, Government of India was present as an expert in this workshop. On this occasion the Vice Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar said that the University is making serious efforts for the promotion of Hindi, the official language. Training of Hindi is necessary for official use. The Vice Chancellor said that through this workshop, participants will get help in Hindi translation. He also thanked the experts of the workshop.

Prof. Kumar said that its aim is to remove the difficulty in the use of Hindi in official work. He also mentioned that the importance of translation has increased in today's time and the New Education Policy also talks about making education available in mother tongue, so such a workshop must prove beneficial for the students, research scholars, teachers, and employees. The Vice-Chancellor said that realising the importance of translation, the University has instituted M.A. (Hindi Translation) programme under which the admission process is going on.

Dr. Mohan Chandra Bahuguna, present as a subject expert in this online workshop, talked about the memorisation tool and said that the system based on translation memory has been developed for the Department of Official Language, Ministry of Home Affairs, Government of India. Through this system translation from English to Hindi and from Hindi to English is possible. Also, the translator can reuse the earlier translation for translation of a new file. Dr. Bahuguna provided detailed practical information to the participants about the process of translation into memorised tool, the process of keeping the translation work organised and the process of using it again in future. The workshop started with the Kulgeet of the University. After that Shailender Singh, Hindi officer of the

University presented the introduction of expert speaker and vote of thanks. Dean, HoD.s, TICs, faculty members and employees joined the online workshop.

8.8 हकेवि में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

CUH, Nov 9, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेन्द्रगढ़ में स्मार्ट एंड सस्टेनेबल टेक्नोलॉजी इन एनर्जी एंड पावर सिस्टम विषय पर केंद्रित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अंतर्गत आने वाले इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एनआईटी कुरूक्षेत्र से डीन शैक्षणिक अधिष्ठता प्रो. सथहंस मुख्य अतिथि व वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में स्मार्ट और सस्टेनेबल टेक्नोलॉजी की एनर्जी व पावर के क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं और चुनौतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

विश्वविद्यालय में आयोजित इस सम्मेलन में समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने पर्यावरण और ऊर्जा के क्षेत्र में जारी बदलावों के साथ-साथ तकनीकी विकास से हो रहे सुधार व नुकसान की ओर ध्यान आकर्षित किया। विश्वविद्यालय की प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने ऊर्जा, संसाधनों के विकास में प्रौद्योगिकी के सकारात्मक उपयोग व विकास पर जोर दिया। आयोजन में मुख्य वक्ता प्रो. सथहंस ने अपने संबोधन में अपने अनुभवों के आधार पर नई तकनीक के माध्यम से इस क्षेत्र में सतत विकास की विभिन्न संभावनाओं को प्रदर्शित किया। पीठ के अधिष्ठाता प्रो. फूल सिंह ने इस आयोजन के माध्यम से इस दिशा में शुरू प्रयास की सराहना की और कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होगा। आयोजन के संबंध में जानकारी देते हुए इलेक्ट्रिल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार दुबे ने बताया कि इस सम्मेलन के लिए कुल 173 शोधपत्र प्राप्त हुए। जिनमें से 82 शोधपत्र प्रस्तुतिकरण के लिए चुने गए। इस आयोजन में आईआईटी, एनआईटी और विश्वविद्यालयों से संबद्ध विशेषज्ञों ने विशेष संबोधन प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के आयोजन में डॉ. मुरलीधर नायक, जी.हेमाकुमार रेड्डी, डॉ. मनीष कुमार, डॉ. सुमीत सैनी सहित विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की। आयोजन के अंत में विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार दुबे ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

International Conference held in CUH

CUH, Nov 9, 2022

An international conference focused on ‘Smart and Sustainable Technology in Energy and Power System’ was organised at Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh. Organised by the Department of Electrical Engineering, School of Engineering and Technology, CUH, the conference had Dean Academics, NIT Kurukshetra Prof. Sathans as the Chief Guest and speaker. On this occasion the Vice Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar elaborated on the possibilities and challenges available in the field of energy and power of smart and sustainable technology.

Prof. Sushma Yadav, Pro-Vice Chancellor, CUH drew attention to the ongoing changes in the field of environment and energy as well as the improvements and disadvantages caused by technological development. Prof. Sunita Srivastava emphasized on the positive use and development of technology in the development of energy resources. The keynote speaker, Prof. Sathans, displayed various possibilities of sustainable development in this area through new technology. Prof. Phool Singh, Dean appreciated the efforts made in this direction through this event and said that surely through this the way would be paved for the achievement of the set goals. Giving information about the event, Dr. Rajesh Kumar Dubey, HoD, Department of Electrical Engineering said that a total of 173 research papers were received for this conference. Out of which 82 papers were selected for presentation. Experts from IITs, NITs and universities presented special addresses at the event. Students of various departments including Dr. Muralidhar Nayak, G. Hemakumar Reddy, Dr. Manish Kumar, Dr. Sumeet Saini played an important role in organizing the programme. At the end of the event, the Head of the Department, Dr. Rajesh Kumar Dubey presented the vote of thanks.

8.9 हकेवि राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह के अंतर्गत बुकमार्क प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

CUH, Nov 16, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय ने राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह के अंतर्गत बुधवार को बुकमार्क प्रतियोगिता का आयोजन किया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के निर्देशन में आयोजित इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय शोधार्थियों, शिक्षकों व शिक्षणेतर कर्मचारियों ने उत्साह के साथ प्रतिभागिता की।

विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सी एच ने विद्यार्थियों को जीवन में सफल होने के लिए अपनी रचनात्मकता का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की समन्वयक व सूचना वैज्ञानिक ने बताया कि इस बुकमार्क प्रतियोगिता में लगभग 35 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि कैसे रचनात्मकता को ज्ञान लाभ से जोड़ा जा सकता है। शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका अदा की तथा प्रतिभागियों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र भी प्रदान किए। विश्वविद्यालय के उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ ने सभी प्रतिभागियों को प्रतियोगिता के नियम साझा किए। सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष श्री नरेश ने भी बुकमार्क के महत्त्व से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

Bookmark Competition organised at CUH

CUH, Nov 16, 2022

Pandit Deendayal Upadhyaya Central Library, Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh conducted a Bookmark Competition on Wednesday under National Library Week with the blessings and direction of the Vice Chancellor Prof. Tankeshwar Kumar. Around 35 PhD Scholars from various University Departments and Non-Teaching Staff members participated in the event. The University Librarian Dr. Santosh Hulagabali motivated the students to use their creativity to be successful in life. The coordinator of the event, Information Scientist, Dr. Vinita Malik, also stressed upon how creativity can be connected to the knowledge gain.

The Deputy Librarian, Dr. Rajeev Vashistha shared the rules of the competition to all the participants. Mr. Naresh, Assistant librarian also shared his viewpoint regarding the importance of motivating bookmarks. The prizes and certificates were also awarded by the judge of the event, Dean, Education Prof. Sarika Sharma. It was a joyous and wonderful event.

8.10 हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में रंगोली प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

CUH, Nov 17, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय ने वीरवार को राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह के तहत रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस तरह के आयोजनों को विद्यार्थियों की रचनात्मकता के विकास के लिए महत्त्वपूर्ण बताया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सी एच ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि कैसे रंग जीवन को व्यवस्थित करने में मददगार होते हैं। कार्यक्रम की समन्वयक व विश्वविद्यालय की सूचना वैज्ञानिक डॉ. विनीता मलिक ने भी मनोदशा और भावनाओं को व्यक्त करने के लिए रंगों की शक्ति के महत्त्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि रंग परिवेश के प्रति प्रतिक्रिया पैदा करने में मदद करते हैं और हमारे दृष्टिकोण और इंद्रियों को प्रभावित कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि रंगोली प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से 19 टीमों ने भाग लिया। विश्वविद्यालय के उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव

वशिष्ठ ने प्रतिभागियों से प्रतियोगिता के नियम साझा किए। सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष श्री नरेश ने भी जीवन में रंगों के महत्व के बारे में अपने विचार साझा किए। इस प्रतियोगिता में डॉ. आरती यादव व श्री दिलीप पटेल ने निर्णायक मंडल की भूमिका अदा की और प्रतिभागियों को पुरस्कार व प्रमाण पत्र प्रदान किए।

Rangoli Competition organised at Central University of Haryana

CUH, Nov 17, 2022

Pandit Deendayal Upadhyaya Central Library, Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh conducted a Rangoli Competition under National Library Week with the blessings and direction of the Vice Chancellor Prof. Tankeshwar Kumar. 19 teams having 2 members each from various University Departments participated in the event. The University Librarian Dr. Santosh Hulagabali motivated the students and told how colours help in organizing the life and to keep life in order. The coordinator of the event, Information Scientist, Dr. Vinita Malik, also stressed upon the power of colours to convey moods and feelings. The colours help in creating response towards surroundings and can influence our perspective and senses.

The Deputy Librarian, Dr. Rajeev Vashistha shared the rules of the competition to all the participants. Mr. Naresh, Assistant librarian also shared his viewpoint regarding the importance of colours in life. The prizes and certificates were also awarded for motivation by the judge of the event, Head Group of Promotion of Arts, Culture and Heritage Dr. Aarti Yadav and Mr. Dilip Patel.

8.11 हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में पुस्तक कवर डिजाइन प्रतियोगिता का आयोजन

CUH, Nov 18, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह के तहत शुक्रवार को पुस्तक कवर डिजाइन प्रतियोगिता आयोजित आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के मार्गदर्शन से आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सी एच ने प्रतिभागियों को प्रेरित करते हुए बताया कि कैसे किताब और रंग जीवन को व्यवस्थित करने और जीवन को व्यवस्थित रखने में मदद करते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि लोग किताबों को उसके कवर से आंकते हैं। किताब के कवर का महत्त्व इसी से पता चलता है कि किताब की पहली चीज जो उनका ध्यान आकर्षित करती है, वह है किताब का कवर का चित्र, उसका रंग और फोंट।

आयोजन की समन्वयक एवं सूचना वैज्ञानिक डॉ. विनीता मलिक ने कहा कि पुस्तक का कवर केवल सजावट का तरीका नहीं है। इसमें पुस्तक की कहानी का सारांश भी होता है। पुस्तक का कवर पाठकों को आकर्षित करने में बहुत मददगार होता है। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के 42 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। विश्वविद्यालय के उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ ने सभी प्रतिभागियों को प्रतियोगिता के नियम साझा किए। सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष श्री नरेश कुमार ने भी पुस्तक कवर के महत्त्व से प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यक्रम में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. अजय कुमार बंसल व हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ अमित कुमार ने निर्णायक की भूमिका निभाई। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को पुरस्कार व प्रमाणपत्र भी प्रदान किए गए।

Book Cover Design Competition organised at CUH

CUH, Nov 18, 2022

Pandit Deendayal Upadhyaya Central Library conducted a Book Cover Design Competition at Central University of Haryana, Mahendergarh under National Library Week with the blessings and direction of the Vice Chancellor Prof. Tankeshwar Kumar. 42 students from various University Departments participated in the event. The University Librarian Dr. Santosh Hulagabali motivated the students and told how book and colours help in organizing the life and to keep life in order. He also told that people judge the books by its cover. Whether they are browsing options online or in a brick-and-mortar store, the first thing that catches their attention is the images and fonts on the front, which means that you need to make

sure you have a darn good book cover design.

The coordinator of the event, Information Scientist, Dr. Vinita Malik, informed that the book covers are the book's billboard, and even without the reader or author knowing, it causes expectation. The Deputy Librarian, Dr. Rajeev Vashistha shared the rules of the competition to all the participants. Mr. Naresh Kumar Assistant librarian also shared his viewpoint regarding the importance of book covers. The prizes and certificates were also awarded for motivation by the judge of the event, Prof. Ajay Kumar Bansal, Dept. of Electrical Engineering and Dr. Amit Kumar, Dept. of Hindi.

8.12 हकेवि में एस.टी.ई.एम. में महिलाओं की भूमिका पर केंद्रित राष्ट्रीय सम्मेलन का हुआ आयोजन

CUH, Nov 21, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ द्वारा विज्ञान, तकनीक, अभियांत्रिकी एवं गणित (एस-टी-ई-एम) में महिलाओं की भूमिका विषय पर सोमवार को राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य युवाओं के समक्ष उपस्थित चुनौतियों के निदान व अवसरों पर संवाद स्थापित करना था। एसटीईएम में महिलाओं की भूमिका विषय पर केंद्रित इस एक दिवसीय सम्मेलन में एसटीईएम के विभिन्न क्षेत्रों में नेतृत्व की स्थिति में काम करने वाली प्रख्यात महिला वैज्ञानिकों को युवा पीढ़ी, विशेष रूप से लड़की, को उनकी सक्रिय भागीदारी और अकादमिक और करियर के अनुसरण के लिए प्रेरित करने के लिए आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि महिलाओं का अस्तित्व सुंदर जीवन का आधार है और हम सभी को देश की प्रगति में महिलाओं के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें सम्मान देना चाहिए। कुलपति ने इस अवसर पर तकनीक के महत्त्व का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके प्रभाव से महिलाओं के लिए अवसरों में इजाफा हुआ है और वे अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन कर पा रहीं हैं।

इस सम्मेलन का आयोजन महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ द्वारा विद्यालयों, महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों की छात्राओं के लिए किया गया। आयोजन की मुख्य अतिथि सीएसआईआर-राष्ट्रीय विज्ञान संचार और नीति अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर), नई दिल्ली की निदेशक प्रो. रंजना अग्रवाल ने लड़कियों के संदर्भ में एसटीईएम में शिक्षा की आवश्यकता और विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित और मैपिंग करियर के विभिन्न क्षेत्रों में उनकी सक्रिय भागीदारी पर बल दिया।एबीबीसी, अजमेर, राजस्थान की सहायक निदेशक प्रो. मोनिका भटनागर ने ऑनलाइन माध्यम से विषय पर अपने विचार रखे। विश्वविद्यालय की शोध अधिष्ठाता व स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान व विख्यात भौतिक विज्ञानी प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने भी एसटीईएम में महिलाओं की भूमिका के बारे में प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यक्रम संयोजक व महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. रेणु यादव एवं समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह एवं अनीता कुमारी ने कार्यक्रम के आयोजन में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। विश्वविद्यालय की पोषणजीव विज्ञान विभाग की छात्रा महिमा, तोशी, ईशा और मंजीतय शिक्षा पीठ की शोधार्थी मधुसमिता बेहरा ने छात्र समन्वयक के रूप में काम किया। इस सम्मेलन में नेशनल मॉडल स्कूल की छात्राओं व शिक्षकों सहित विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्षों, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों ने प्रतिभागिता की।

National Conclave on Women in STEM organised at CUH

CUH, Nov 21, 2022

Women Empowerment Cell, Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh organised National Conclave on Women in STEM on 21st November 2022. The conclave was organised for the young generation specifically girls of the nearby schools, colleges, and university students. The purpose of organizing conclave is to explore contextual challenges, significance of mentoring and opportunities for young aspirant. To increase awareness on role of women in STEM, eminent women scientists working in leadership positions in different fields of STEM were invited to motivate young generation (specifically girl) for their active participation and pursuance of academics and career. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor of the University said that "the existence of women is the base of beautiful life" and we all should encourage, respect, and appreciate the efforts of

women in progress of country. Chief Guest of the programme Prof. Ranjana Aggarwal, Director, CSIR-National Institute of Science Communication and Policy Research (CSIR-NIScPR), New Delhi emphasised the need of education with special reference to girls and their active involvement in various fields of Science, Technology, engineering and Mathematics and Mapping career in STEM. Prof. Monica Bhatnagar, Assistant Director, ABBC, Ajmer, Rajasthan delivered talk via online mode whereas Prof. Neelam Sangwan, Dean Research, SIAS; Prof. Sunita Srivastava, eminent physicist also sensitized academia about role of women in STEM and motivated young aspirants for active involvement and pursuance of STEM as academics and career. The Programme convener, Dr. Renu Yadav and Co-ordinators Prof. Surender Singh and Anita Kumari were actively involved in organizing the event in a systematic way. University students Mahima, Toshi, Isha and Manjeet, Department of Nutrition Biology; Madhusamitha Behra, Ph. D Scholar, School of Education acted as a student co-ordinators. Dean of the schools, head of the departments, teaching and non-teaching fraternity, outstation participants and students were also present.

8.13 रोजगार तलाशने नहीं, देने वाले बनें - प्रो. के. जी. सुरेश

CUH, Nov 22, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा दो दिवसीय दीक्षांरभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल के कुलपति प्रो. के. जी. सुरेश मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे जबकि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह पत्रकारिता का युग है। उन्होंने प्रतिभागियों को पत्रकारिता और जनसंचार के महत्त्व से अवगत कराया और उन्हें शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रो. के.जी. सुरेश ने अपने संबोधन में कहा कि आजकल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, वर्चुअल रियलिटी के क्षेत्र में प्रोफेशनल्स की भारी मांग है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ग्राहकों को उनकी रुचि के अनुसार सामग्री प्रदान की जा रही है। भविष्य में, मुक्त पत्रकारिता का युग होगा। इसी क्रम में आयोजन में सम्मिलित राज्यसभा टीवी के वरिष्ठ एंकर श्री मनोज वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि केवल चिल्लाना व शोर मचाना ही पत्रकारिता नहीं है। चर्चा के दौरान सभी पैनलिस्टों से बहुत विनम्र तरीके से प्रश्न पूछे जाने चाहिए। मीडिया को निष्पक्ष होना चाहिए और सभी लोगों को समान रूप से महत्व देना चाहिए।

दीक्षारंभ कार्यक्रम में विद्यार्थियों को कॉपीराइट और संबंधित कानूनों के बारे में जानकारी उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेज (ओईआर) कक्षा का भी आयोजन किया गया। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग के सहआचार्य डॉ. श्रीराम पांडे ने क्रिएटिव कॉमन्स के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम में प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों के प्रश्नों के उत्तर दिए। विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने अतिथियों का स्वागत किया और कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य मीडिया के छात्रों को मीडिया उद्योग और पेशे के अनुसार ट्यून करना है ताकि वे अपने क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित कर सकें। दीक्षारंभ कार्यक्रम में संयोजक डॉक्टर नीरज करन सिंह सहित विभाग के शिक्षक डॉ. सरेंद्र कुमार, डॉ. पंकज कुमार, डॉ. आलेख, डॉ. भारती बत्रा व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

Induction Program organised at CUH

CUH, Nov 22, 2022

A Two-Day induction program was organised by Department of Journalism and Mass Communication, Central University of Haryana (CUH) Mahendergarh. Vice-Chancellor of Makhanlal Chaturvedi National University of Journalism and Communication, Bhopal Prof. K.G. Suresh was present as the Chief Guest. Vice-chancellor, Central University of Haryana, Prof. Tankeshwar Kumar said that this is the era of journalism. He spoke about the importance of journalism and mass communication in present times.

Prof. K.G. Suresh said that nowadays there is a huge demand for those who have mastery in artificial intelligence, virtual reality, and all. Customized content is being provided to the customers over social media platforms according to their interests. In the future, the era of free journalism will come. Senior Anchor of Rajya Sabha Mr. Manoj Verma also interacted with the students. Not only shouting is journalism. Questions should be asked in a very polite manner to all the panellists. Media must be impartial and give importance to all the people equally. During this very interactive, interesting,

and informative induction program, a class for open educational resources (OER) was also there to inform the students about copyright and related laws. Senior and very well experienced faculty of the Department of Library and Information Sciences, Central University of Haryana spoke about creative commons in detail. Questions were also asked during this induction program, which were answered by the concerned speaker. Head of the Department Dr. Ashok Kumar welcomed the guests and said that the objective of the programme was to tune the media students according to the media industry and profession so they could focus on their field.

8.14 हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 24 से

CUH, Nov 23, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की शुरूआत वीरवार 24 नवम्बर से होने जा रही है। इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन (आईजीयू) के सहयोग व (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित आयोजित इस सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.पी. तिवारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के प्रथम अध्यक्ष प्रो. नथाली लेमचंद व इस्ताम्बुल विश्वविद्यालय, तुर्की के भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष व इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के महासचिव प्रो. बारबारोस गोनेन्गिल उपस्थित रहेंगे जबकि विशेष अतिथि के रूप में राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर के पूर्व कुलपति प्रो. जे. पी. सिंघल, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), नई दिल्ली के कुलपति प्रो. नागेश्वर राव व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की समकलपति प्रो. सुषमा यादव की कार्यक्रम गौरवमयी उपस्थिति रहेगी।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस आयोजन को विद्यार्थियों, शोधार्थियों सहित देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों से जुड़ने वाले प्रतिभागियों के लिए महत्त्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि अवश्य ही आईजीयू के सहयोग से आयोजित यह सम्मेलन भूगोल के क्षेत्र में जारी विभिन्न नए बदलावों को जानने-समझने में मददगार साबित होगा। विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग द्वारा आयोजित इस दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के संयोजक डॉ. मनीष कुमार, आयोजन सचिव डॉ. पंकज कुमार व भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. जितेंद्र कुमार ने बताया कि दो दिवसीय सम्मेलन में विभिन्न सत्रों का आयोजन किया जाएगा। जिनमें देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों से विशेषज्ञ व प्रतिभागी सम्मिलित होंगे। उन्होंने बताया कि सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के अध्यक्ष प्रो. माइकल मीडोज का वीडियो संदेश संबोधित करेंगे। डॉ. मनीष कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय स्तर पर डॉ. खेराज, डॉ. सी.एम. मीणा, डॉ. संदीप राणा व डॉ. कपिल देव के सहयोग से इस आयोजन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और अवश्य ही यह आयोजन प्रतिभागियों के लिए उपयोगी साबित होगा।

Two-day IGU International Conference at Central University of Haryana

CUH, Nov 23, 2022

The two-day international conference is going to start from Thursday, November 24, at Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh. In the inaugural session of this conference, to be organised in collaboration with the International Geographical Union (IGU) and sponsored by Indian Council of Social Science Research (ICSSR), the Vice-Chancellor of the Central University of Punjab, Prof. R.P. Tiwari will be present as the chief guest and the first president of the International Geographical Union, Prof. Nathalie Lemarchand and Head of Department of Geography, Istanbul University, Turkey and Secretary General of International Geographical Union Prof. Barbaros Gonengil will be present as Guest of Honour while former Vice Chancellor of Rajasthan University, Jaipur Prof. J. P. Singhal, Vice Chancellor of Indira Gandhi National Open University (IGNOU), New Delhi Prof. Nageshwar Rao and Pro Vice Chancellor of Central University of Haryana, Prof. Sushma Yadav will be the Special Guest.

The Vice Chancellor of the University Prof. Tankeshwar Kumar described that the event is important for the participants joining from

various educational institutions of the country including students and researchers. He said that this conference, organised in collaboration with IGU, would be helpful in knowing and understanding the various new changes going on in the field of geography. The coordinator of this two-day international conference organised by University's Geography Department, Dr. Manish Kumar, Organizing Secretary Dr. Pankaj Kumar, and Head of the Department of Geography, Dr. Jitendra Kumar said that various sessions will be organised in the two-day conference in which experts and participants from various educational institutions of the country will be included. He said that the inaugural session of the conference will be addressed by the President of the International Geographical Union, Prof. Michael Meadows through a video message. Dr. Manish Kumar said that all the preparations for this event have been completed with the help of Dr. Kheraj, Dr. C.M. Meena, Dr. Sandeep Rana and Dr. Kapil Dev, and this event will prove to be useful for the participants.

8.15 प्रकृति के समक्ष उपस्थित चुनौतियों के निदान में शिक्षण संस्थानों की भूमिका महत्त्वपूर्ण- प्रो. आर. पी. तिवारी

CUH, Nov 24, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में सतत विकास, भविष्य, पृथ्वी और मानविकीः अवसर व चुनौतियां विषय पर केंद्रित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की शुरूआत हो गई। इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन (आईजीयू) के सहयोग व (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित इस सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.पी. तिवारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के प्रथम अध्यक्ष प्रो. नथाली लेमचंद व इस्ताम्बुल विश्वविद्यालय, तुर्की के भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष व इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के महासचिव प्रो. बारबारोस गोनेन्गिल शामिल हुए। आयोजन में विशेष अतिथि के रूप में राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर के पूर्व कुलपति प्रो. जे.पी. सिंघल व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की समकलपति प्रो. सुषमा यादव ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रो. आर. पी. तिवारी ने कहा कि आज के समय में मानवजाति के समक्ष सबसे बड़ी चुनौति जलवायु परिवर्तन है। इसके निदान के लिए आवश्यक है कि सभी मिलकर सतत विकास को केंद्र में रखते हुए विस्तृत कार्ययोजना के तहत प्रयास करें। प्रो. तिवारी ने भारतीय संस्कृति के विकास और वोकल फॉर लोकल के उदाहरण प्रस्तुत करते हुए बदलावों के लिए प्रयास करने पर जोर दिया। प्रो. तिवारी ने इस दिशा में विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों व शिक्षण संस्थानों की भूमिका को महत्त्वपूर्ण बताते हुए कहा कि अवश्य ही इस तरह के आयोजनों के माध्यम से समस्त मानवजाति के समक्ष उपस्थित जलावायु परिवर्तन की समस्या का निदान संभव होगा। इसी क्रम में अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आयोजन में सम्मिलित राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय विद्वानों व विशेषज्ञों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह विषय आज के समय में बेहद महत्त्वपूर्ण है और इसका निदान सतत विकास और सामूहिक प्रयास से ही संभव है। कुलपति ने कहा कि इस आयोजन में विभिन्न स्तर पर होने वाली चर्चा अवश्य ही जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने में मददगार सबित होगी। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस आयोजन के लिए इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के पदाधिकारियों सहित विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के सहयोगियों की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में इस तरह के आयोजन चुनौतियों के निदान हेतु विचार-विमर्श का साझा मंच प्रदान करते हैं।

राजस्थान विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति व अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (एबीआरएसएम) के अध्यक्ष प्रो. जे.पी. सिंघल ने विषय को महत्त्वपूर्ण बताते हुए कहा कि सतत विकास के माध्यम से हम पर्यावरणीय चुनौतियों का निदान पा सकते हैं। उन्होंने इस दिशा में जारी प्रयासों को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आईजीयू के प्रयासों से आयोजित यह भव्य आयोजन इस दिशा में नए बदलावों का मार्ग प्रशस्त करेगा। हकेवि की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने आयोजन को महत्त्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यदि हम पर्यावरण के समक्ष उपस्थित चुनौतियों का आकलन कर निदान के लिए प्रयास करेंगे तो अवश्य ही अवसर विकसित होंगे। प्रो. सुषमा यादव ने पृथ्वी को भारतीय संस्कृति में प्रदान किए गए मातृशक्ति के पद का उल्लेख करते हुए कहा कि हमें वासुदैव कुटुम्बकम की अवधारणा का अनुसरण करते हुए मानवजाति के कल्याण के लिए कार्य करने चाहिए। उन्होंने जलवायु परिवर्तन को एक महत्त्वूपर्ण चुनौती बताते हुए इसके समाधान हेतु ठोस प्रयासों पर जोर दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग की प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा प्रमुख रूप से उपस्थित रहीं।

इससे पूर्व में उद्घाटन सत्र को इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के अध्यक्ष प्रो. माइकल मीडोज का वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित किया। इसी क्रम में इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन

के प्रथम अध्यक्ष प्रो. नथाली लेमचंद व इस्ताम्बुल विश्वविद्यालय, तुर्की के भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष व इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के महासचिव प्रो. बारबारोस गोनेन्गिल ने भी आयोजन के महत्त्व व इसमें होने वाली चर्चा पर विस्तार से अपनी बात रखी। कार्यक्रम की शुरूआत में स्वागत भाषण सम्मेलन के संयोजक डॉ. मनीष कुमार ने प्रस्तुत किया जबकि आयोजन सचिव डॉ. पंकज कुमार ने दो दिवसीय आयोजन की रूपरेखा प्रतिभागियों के समक्ष प्रस्तुत की। आयोजन में अतिथियों ने आयोजन की स्मारिका व प्रो. महताब सिंह राणा की पुस्तक का विमोचन भी किया। कार्यक्रम में मंच का संचालन डॉ. अभिरंजन कुमार व डॉ. रितु ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन भूगोल विभाग के डॉ. खेराज ने प्रस्तुत किया। डॉ. मनीष कुमार ने बताया कि आयोजन में देश-विदेश से 600 प्रतिभागी पंजीकृत हुए हैं और इस दो दिवसीय कार्यक्रम के आयोजन में विभाग के अध्यक्ष डॉ. जितेंद्र कुमार व शिक्षक डॉ. सी.एम. मीणा, डॉ. संदीप राणा व डॉ. कपिल देव सहित आयोजन समिति के सदस्य महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

Two-day international conference started at Central University of Haryana

CUH, Nov 24, 2022

A two-day international conference focused on the theme 'Sustainability, Future, Earth and Humanities: Opportunities and Challenges' was inaugurated at Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh. The conference was sponsored by ICSSR in collaboration with International Geographical Union (IGU). The Vice-Chancellor of Central University of Punjab, Prof. R.P. Tiwari was the Chief Guest, while the first president of the International Geographical Union, Prof. Nathalie Lemarchand and Head of Department of Geography, Istanbul University, Turkey, and Secretary General of International Geographical Union Prof. Barbaros Gonengil joined in as a Guest of Honour. Former Vice Chancellor of Rajasthan University, Jaipur, Prof. J.P. Singhal and Pro-Vice Chancellor of Central University of Haryana, Prof. Sushma Yadav addressed the participants as Special Guests at the event. The program was presided over by the Vice Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar.

Prof. R.P. Tiwari said that in today's time, the biggest challenge before mankind is climate change. To solve this, it is necessary that everyone should work together under a detailed action plan keeping sustainable development at the center. Prof. Tiwari emphasized on the development of Indian culture and efforts for changes by presenting examples of Vocal for Local. Describing the role of students, researchers, teachers, and educational institutions important in this direction, Prof. Tiwari said that through such events it would be possible to solve the problem of climate change faced by the entire human race. While expressing gratitude to the national, international scholars and experts involved in the event, Prof. Tankeshwar Kumar said that this topic is very important in today's time and its diagnosis is possible only through continuous development and collective efforts. The Vice-Chancellor said that discussions at various levels in this event would certainly prove helpful in tackling the challenge of climate change. Prof. Tankeshwar Kumar, while appreciating the teachers of the Geography Department of the University including the office bearers of the International Geographical Union for organizing this event, said that such events in the University provide a common platform for discussion to solve the challenges.

While describing the subject as important, Former Vice Chancellor of Rajasthan University and President of ABRSM Prof. J.P. Singhal said that through sustainable development, we can find solutions to environmental challenges. He described the ongoing efforts in this direction important and said that this grand event organised by the efforts of IGU in Central University of Haryana will pave the way for new changes in this direction. Describing the event important, Pro-Vice Chancellor of CUH Prof. Sushma Yadav said that if we assess the challenges faced by the environment and try to solve them, then definitely opportunities will develop. Prof. Sushma Yadav, referring to the position of mother power given to Earth in Indian culture, said that we should work for the welfare of mankind by following the concept of 'Vasudhaiva Kutumbakam.' Describing climate change as an important challenge, she emphasized on concerted efforts to solve it. On this occasion, Prof. Sunita Srivastava of Physics Department of the University and Dean of School of Education Prof. Sarika Sharma were prominently present.

The inaugural session was addressed by the President of the International Geographical Union, Prof. Michael Meadows via video message. In this sequence, the first president of the International Geographical Union, Prof. Nathalie Lemarchand and Head of Department of Geography, Istanbul University, Turkey, and Secretary General of International Geographical Union Prof. Barbaros Gonengil also spoke in detail on the importance of the event and the discussions that took place in it. At the beginning of the program, Dr. Manish Kumar, the Convener of the conference, presented the welcome speech, while Dr. Pankaj Kumar, the organizing secretary, presented the outline of the two-day event to the participants. In the event, the guests presented the souvenir of the event and released the book of Prof. Mahtab Singh Rana. Dr. Abhiranjan Kumar and Dr. Ritu conducted the stage in the programme, while the vote of thanks was presented by Dr. Kheraj of Geography Department. Dr. Manish Kumar said that 600 participants from India and abroad have been registered in the event and in organizing this two-day program along with the members of the organizing committee, the Head of the department Dr. Jitendra Kumar and other teachers Dr. C.M. Meena, Dr. Sandeep Rana and Dr. Kapil Dev are playing an important role.

8.16 पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग व गूगल न्यूज के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

CUH, Nov 26, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा गूगल न्यूज इनिशिएटिव के संयुक्तत्वाधान में डेटा वेरीफिकेशन पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजन किया गया। कार्यशाला में संचार प्रबंधन एवं तकनीकी विभाग, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के प्रो. उमेश आर्य विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह कार्यशाला प्रामाणिक व विश्वसनीय डाटा उपलब्ध करवाने के संदर्भ में उपयोगी साबित होगी।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए विशेषज्ञ वक्ता प्रो. उमेश आर्य ने कहा कि इंटरनेट पर सही सामग्री खोजने के लिए सही सवाल पूछना जरूरी है। उन्होंने कहा कि आज के समय में डाटा बायोग्राफी को समझना अत्यंत आवश्यक है। डाटा बायोग्राफी से अभिप्राय है उस डाटा का उद्देश्य, उसे किसने एकत्रित किया है, क्यों उपलब्ध कराया जा रहा है, किस समय का है, और किस संदर्भ में है। किसी भी डाटा की जाँच के लिए क्या, क्यों कहाँ, कब और कैसे इन सवालों का उत्तर जरूर ढूंढे। तथ्यात्मक डाटा के लिए अपने डाटा के उद्देश्य को परिभाषित करें उसके अनुसार खोजें। प्रो. आर्य ने कहा कि वर्तमान समय में डाटा जर्नलिज्म के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं और करियर के अवसर है। उन्होंने प्रतिभागियों को लाभदायी टूल्स के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि वर्तमान दौर में पत्रकारिता करने के लिए हर पत्रकार को डाटा को समझना आवश्यक है। पत्रकारिता एवं जनसंचार के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने कहा वर्तमान समय में डाटा लिट्रेसी और डाटा सेंस सभी के लिए आवश्यक है। इस कार्यशाला से विद्यार्थियों और शोधार्थियों की डिजिटल लिटरेसी के बारे में जागरूकता बढ़ी है। उन्होंने कहा कि भविष्य के पत्रकारों के लिए डाटा पत्रकारिता 21वीं सदी का स्किल है। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक डॉ. पंकज कुमार, डॉ. सुरेंद्र कुमार. डॉ. नीरज कर्ण सिंह, आलेख नायक व भारती बत्रा सहित भारी संख्या में विद्यार्थी मौजूद थे।

One-Day Workshop on 'Fact Check and Data Analysis'

CUH, Nov 26, 2022

Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh organised a one-day Workshop in collaboration with Google News initiative on 'Fact Check and Data Analysis' in the Department of Journalism and Mass Communication. Professor Umesh Arya from Guru Jambheshwar University of Science and Technology (GJU), Hissar, shared valuable insights with the students on the importance of data and fact check in research. He talked about the importance of developing a data frame of mind, collecting data in a disciplined and scientific way. He throws light on terms like Data Biography, Data Pipeline and Pinpoint. In

today's age of information overload, it is crucial for researchers to make sense of data.

Prof. Arya directed not to believe in data if it does not have a bibliography. 5Ws and 1H of Data should to be kept in mind while scrutinizing data. Putting emphasis on the scientific way of searching, he familiarised scholars with Pinpoint, multipurpose application, where data is stored up to 100 GB and gets transcribed in all formats HTML, JPEG, PNG. Head of the Department, Associate Professor Dr. Ashok Kumar expressed gratitude on the behalf of the department. He said such workshops help students to understand the importance of data in day-to-day story making. He said data journalism is a new and growing branch of journalism, and students need to learn data verification skills. All faculty members and students of the department were present in the workshop.

8.17 हकेवि में भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय के सहयोग से तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला की हुई शुरूआत

CUH, Nov 29, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में मंगलवार 29 नवम्बर को भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संपोषित तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। भारतीय भाषाओं में शोध एवं अकादमिक लेखन विषय पर केंद्रित इस कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि गुणवत्तापरक शोध के लिए निज भाषा का उपयोग महत्त्वपूर्ण है। कुलपति ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति विशेष रूप से मातृभाषा में शिक्षा की पक्षधर है और अवश्य ही भारतीय भाषा समिति के सहयोग से विश्वविद्यालय में आयोजित यह कार्यशाला इस दिशा में जारी प्रयासों को बल प्रदान करेगी।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में प्रमुख रूप से विषय विशेषज्ञ के रूप में हरियाणा ग्रंथ अकादमी के पूर्व निदेशक डॉ. विजय दत्त शर्मा ने विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला। इससे पूर्व में कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्जवलन के साथ हुई। विश्वविद्यालय में शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता व कार्यशाला की संयोजक प्रो. सारिका शर्मा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया और तीन दिनों तक चलने वाली इस कार्यशाला के विभिन्न सत्रों व उसमें उपस्थित रहने वाले विशेषज्ञों का स्वागत किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विषय की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भाषा ही वह माध्यम है जो कि किसी भी देश के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भारतीय भाषाओं में शोध के पीछे का उद्देश्य यही है कि हम अपने ज्ञान को विस्तृत रूप से प्रसारित कर सकें। आदमी जिस भाषा में सोचता है उसी में विचारों की अभिव्यक्ति सदैव ही उपयोगी साबित होती है। यदि दस विकसित देशों के नाम सामने रखें तो इनमें नौ ऐसे देश होंगे जोकि अपनी ही भाषा को अपनाकर आगे बढ़े हैं। कुलपति ने मौलिक शोध के लिए भाषा के महत्त्व का उल्लेख करते हुए निज भाषा के प्रयोग पर जोर दिया।

आयोजन के पहले दिन डॉ. विजय दत्त शर्मा के पश्चात द्वितीय सत्र में जम्मू विश्वविद्यालय के डॉ. जसपाल सिंह ने उच्च शिक्षा के स्तर में भारतीय भाषाओं में शोध प्रविधियों एवं शिक्षण के सम्मुख आने वाली चुनौतियों के विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। इसी क्रम में तीसरे सत्र में डॉ. बाबू राम, पूर्व प्रोफेसर कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय ने निवासी भारतीय भाषाओं में ज्ञानसर्जन के अवसर और चौथे सत्र में डॉ. जगदीश प्रसाद ने भारतीय भाषाओं के शोध अंतर्जाल की उपयोगिता विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मंच का संचालन शिक्षा पीठ के प्रो. नंद किशोर ने किया और धन्यवाद ज्ञापन सहायक आचार्य डॉ. आरती यादव ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता, प्रो. दिनेश चहल, प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. गौरव, प्रो. रविंद्रपाल अहलावत सहित भारी संख्या में शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Three-Day National Workshop on Research in Indian Languages and Academic Writing organised in CUH

CUH, Nov 29, 2022

On the second day of the three-day National Workshop, sponsored by the Indian Language Committee, Ministry of Education, Government of India, and held at Haryana Central University (HAKVI), Mahendergarh, participants were provided with practical training by experts in four sessions. The second day of this workshop,

organised in four sections in the academic section of the university, was attended by subject matter experts such as Dr. Jagdish Prasad, STCI's Chief Executive Officer, Rajbhasha; Professor Ashok Kumar of Punjab University, Chandigarh; and Dr. Jaspal Singh, Deputy Acharya of Jammu University.

The workshop's second day began with Director Prof. Nand Kishore's remarks. He highlighted the importance of hands-on experience, along with introducing the participants to the experts. Prof. Nand Kishore informed the participants about the usefulness of practical training for research and academic writing in Indian languages. In the first session of the subsequent day's workshop, Dr. Jagdish Prasad provided training based on hands-on experience for concise and effortless expression in writing. He made the participants aware of difficult words, the purity of word usage, and the importance of meanings in his speech.

Similarly, in the same sequence, Prof. Jaspal Singh provided the participants with a critical analysis of research papers, interpretation, and reporting of the research paper.

8.18 हकेवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की हुई शुरूआत

CUH, Dec 13, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में मंगलवार को धारा 370 के पहले व उसके खत्म होने के बाद जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख में आए विभिन्न सामाजिक, राजनैतिक बदलावों पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की शुरूआत हुई। विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित इस राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केंद्र के ट्रस्टी व हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. के.सी. अग्निहोत्री उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्जवलन व विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए विभाग के सहआचार्य डॉ. शांतेश कुमार ने विषय की रूपरेखा प्रस्तुत की और बताया कि अंडरस्टेंडिंग जम्मू, कश्मीर एंड लद्दाखः आर्टिकल 370 एंड आफ्टर विषय निर्धारित करने के पीछे का उद्देश्य मुख्य रूप से इस परिवर्तन से आए बदलावों का मूल्यांकन करना है। उन्होंने कहा कि अवश्य ही इस आयोजन में सम्मिलित विशेषज्ञों व शोधार्थियो के माध्यम से सेमिनार के उद्देश्य को प्राप्त किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो. के.सी. अग्निहोत्री ने अपने संबोधन में विभिन्न विषयों को लेकर बनने वाले दृष्टिकोण के निर्धारण में शब्दावली के उपयोग को महत्त्वपूर्ण बताया। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के संदर्भ में इसके भौगोलिक महत्त्व के साथ-साथ सांस्कृतिक विकास पर भी विस्तार से प्रकाश डाला और भारत के संदर्भ मे क्षेत्र विशेष की महत्ता को स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख से लगे गिलगित, बाल्टिस्तान क्षेत्र के माध्यम से भारत के लिए मध्य एशिया का रास्ता खुलता है और यहां बनी परिस्थितियां भारत के लिए महत्त्वपूर्ण हैं। प्रो. अग्निहोत्री ने महाराजा रणजीत सिंह, हरि सिंह के योगदान का उल्लेख करने के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर के भारत में विलय और उस प्रक्रिया में जवाहर लाल नेहरू, सरदार पटेल, महात्मा गांधी से लेकर लॉर्ड माऊंट बेटन, शेख अब्बदुल्ला तक की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने प्रमाणों के आधार पर उस समय की परिस्थितियों और उसके चलते जम्मू-कश्मीर में धारा 370 के लागू होने और उससे मूल निवासियों को हुए नुकसान का उल्लेख करते हुए मौजूदा परिस्थितियों में इसके हटने से आए बदलावों का उल्लेख किया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि इस विषय में प्रो. अग्निहोत्री का उद्बोधन अवश्य ही विद्यार्थियों व शोधार्थियों को विचार-विमर्श के नए अवसर प्रदान करेगा। उन्होंने इस दो दिवसीय आयोजन में होने वाले मंथन को धारा 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर में बदली परिस्थितियों के मूल्यांकन में मददगार बताया और कहा कि अवश्य ही इस विषय में शोध कर रहे विद्यार्थियों को इस आयोजन से लाभ मिलेगा। कार्यक्रम के अंतिम चरण में सवाल-जवाब सत्र का भी आयोजन किया गया। इस सत्र का संचालन सेमिनार के संयोजक डॉ. राजीव कुमार सिंह ने किया। जिसमें प्रो. अग्निहोत्री ने विद्यार्थियो के सवालों के जवाब दिए। उद्घाटन सत्र के अंत में विभाग की सहायक आचार्य सुश्री श्वेता सोहल ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. मनीष कुमार सहित विश्वविद्यालय में प्रो. बी.पी. सिंह, प्रो. नंद

किशोर, प्रो. रणबीर सिंह सहित भारी संख्या में विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षक उपस्थित रहे। उद्घाटन सत्र के पश्चात तकनीकी सत्रों का आयोजन हुआ। जिनमें विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने हिस्सा लिया।

Two-day National Seminar "Jammu-Kashmir and Ladakh Before and After the Article 370" started at CUH

CUH, Dec 13, 2022

A two-day National Seminar focused on various social, political changes in Jammu-Kashmir and Ladakh before and after the Article 370 began at Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh on Tuesday. In the inaugural session of the seminar organised by the Department of Political Science of the University, Trustee of Indira Gandhi National Center for the Arts, New Delhi, and former Vice Chancellor of Central University of Himachal Pradesh Prof. K.C. Agnihotri were present as the Chief Guests. The program was presided over by the Vice Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar.

Dr. Ramesh Kumar, HoD, Department of Political Science presented the welcome speech. Dr. Shantesh Kumar, Associate Professor of the Department, presented the outline of the topic and told that the purpose behind setting the topic 'Understanding Jammu, Kashmir and Ladakh: Article 370 and After' is mainly to evaluate the changes brought about by this change. He said that the objective of the seminar will be achieved through the experts and researchers involved in this event. Prof. K.C. Agnihotri in his address described the use of terminology important in determining the attitude to be formed on various subjects. Along with its geographical importance in the context of Jammu-Kashmir, he also elaborated on its cultural development and clarified the importance of the region in the context of India. He said that the way to Central Asia opens for India through Gilgit, Baltistan region adjacent to Jammu-Kashmir and Ladakh and the conditions created here are important for India. Prof. Agnihotri highlighted the contribution of Maharaja Ranjit Singh as well as the merger of Jammu and Kashmir with India and the role played by Jawaharlal Nehru, Sardar Patel, Mahatma Gandhi to Lord Mountbatten, Sheikh Abdullah in that process. Based on evidence, he mentioned the circumstances of that time and the changes brought about by its removal in the present circumstances, while mentioning the implementation of Article 370 in Jammu and Kashmir and the loss it caused to the natives.

Prof. Tankeshwar Kumar said that Prof. Agnihotri's address will certainly provide new opportunities for discussion to the students and researchers. He described the brainstorming in this two-day event helpful in evaluating the changed situation in Jammu and Kashmir after the abrogation of Article 370 and said that the students doing research on this subject will get benefited from this event. A question-answer session was also organised at the end of the program in which Prof. Agnihotri answered the questions of the students. The session was moderated by Dr. Rajeev Kumar Singh, the convener of the seminar. At the end of the inaugural session, Ms. Shweta Sohal, Assistant Professor of the Department, presented the vote of thanks. On this occasion, along with Prof. Manish Kumar of Gujarat Central University, Prof. B.P. Singh, Prof. Nand Kishore, Prof. Ranbir Singh, many students, researchers, and teachers were present.

8.19 विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए फिल्म एप्रिसिएशन जैसे पाठ्यक्रम जरूरीः कुलपति

CUH, Dec 14, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में फिल्म एवं टेलिविजन इंस्टीटयूट ऑफ इंडिया, पुणे के संयुक्त तत्वावधान में पांच दिवसीय फिल्म एप्रिसिएशन पाठ्यक्रम की बुधवार को शुरूआत हुई। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में अध्ययनरत अनुसूचित जाति एवं पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध इस पाठ्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने किया इस अवसर पर कुलसचिव

प्रोफेसर सुनील कुमार भी विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। विश्वविद्यालय कुलपति ने इस अवसर पर कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए फिल्म ऐप्रिसिएशन जैसे पाठयक्रमों का समय-समय पर आयोजन बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि ऐसे पाठयक्रमों से विद्यार्थी फिल्म निर्माण की बारीकियों को सीखने के साथ-साथ फिल्म उद्योग के लिए जरूरी कौशल को भी जान समझ पायेंगे और इसके परिणामस्वरूप वे भविष्य में अच्छे फिल्म लेखक एवं फिल्म निर्माता भी बन सकते हैं।

कुलपति ने इस पाठ्यक्रम के आयोजन में सहयोगी फिल्म एवं टेलिविजन इंस्टीटयूट ऑफ इंडिया (एफटीआईआई), पुणे का भी आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही उनके अनुभव का लाभ हमारे विद्यार्थियों को इस पाठ्यक्रम में उनकी सहभागिता से प्राप्त होगा। कुलपति ने कहा कि फिल्म वर्तमान दौर का सबसे प्रभावी माध्यम है। फिल्म निर्माण के क्षेत्र में रोजगार की आपार संभावनाएं है। ऐसे में इस तरह के पाठयक्रम युवाओं के लिए बहुत ही जरूरी है। इस अवसर पर उपस्थित फिल्म निर्माता एवं निर्देशक अविनाश राय ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों का उदेश्य युवाओं में फिल्म व उसके निर्माण के बारे में जागरूकता फैलाना है ताकि देश के युवा इस दिशा में भी अपना कॅरियर बना सकें। ऐसे पाठयक्रम विद्यार्थियों में फिल्म देखने का नजरिया तो बदलते ही हैं साथ ही समाज को देखने का दृष्टिकोण भी बदलते हैं। उन्होंने बताया कि कोर्स के दौरान विद्यार्थियों को फिल्म निर्माण की बुनियादी जानकारियां दी जा रही हैं ताकि वे अपने कॅरियर व जीवन में इनका उपयोग कर सकें। कोर्स की ट्रेनर एवं फिल्म निर्माण जैसमीन कौर राय ने अपने उदबोधन में कैमरा की विभिन्न तकनीक, स्क्रीन प्ले राइटिंग, प्रोडक्शन की तकनीक पर विस्तार से चर्चा की।

इस मौके पर विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि फिल्म एवं टेलिविजन इंस्टीटयूट ऑफ इंडिया, पुणे के सहयोग से फिल्म ऐप्रिसिएशन पाठयक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के लिए सम्मान की बात है। इस पाठयक्रम के पांच दिनों तक विद्यार्थी फिल्म निर्माण की विभिन्न तकनीक व फिल्म उद्योग के बारे में जान सकेंगे जिसका फायदा भविष्य में विभाग एवं विश्वविद्यालय को होगा। उन्होंने कहा कि कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित किए जा रहे ऐसे पाठयक्रम रोजगार एवं कौशल विकास के नजरिए से काफी फायदेमंद साबित होंगे। इस मौके पर कोर्स के संयोजक एवं विभाग के शिक्षक डॉ. पंकज कुमार ने कहा कि विभाग का उद्देश्य विद्यार्थियों को अच्छा कंटेंट देना है ताकि उसका प्रयोग वे अपने जीवन में कर सकें। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी इस तरह के कई पाठयक्रम विभाग में विश्वविद्यालय के लिए विद्यार्थियों के लिए आयोजित कराए जाएंगे। विभाग के शिक्षक डॉ. नीरज कुमार ने मंच का संचालन किया। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक डॉ. सुरेंद्र कुमार, श्री आलेख एस नायक, डॉ. भारती बत्रा, शोद्यार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें।

Five-day Film Appreciation course inaugurated at CUH

CUH, Dec 14, 2022

Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh organised a five-day film appreciation course in collaboration with Film and Television Institute of India (FTII), Pune. The course was exclusively organised for the scheduled tribe students and students of the department of Journalism and Mass Communication. On the third day of the film appreciation course Vice-Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar was the chief guest of the event. Prof. Tankeshwar Kumar said that for holistic development, knowledge of various fields is necessary for the students. They need to learn different type of skills and knowledge to become an efficient professional and a good citizen.

Prof. Tankeshwar Kumar said the films are a very effective medium of communication. People are fond of films, which is also one of the reasons that the Indian film industry is producing more than one thousand films in a year. He said that due to the advancement of technology the medium is changing. Now people have more interest in realistic cinema. People are watching web series and documentary films. He said that students must learn skills related to the film industry to become an effective communicator and filmmaker. He appreciated the efforts of the department for organizing such activities for the students. Young people are producing films through mobile phones. The Vice Chancellor motivated the students to make films on social and developmental issues to create awareness in the society. Registrar Prof. Sunil Kumar also appreciated the efforts of the department.

Dr. Ashok Kumar, Head department of Journalism and Mass Communication welcomed the guests and said that such courses are important to give new direction to the energy of the youth in the campus. He said that during the course students would learn the grammar of film and various techniques of film production. This course would

prove to be a lifelong learning experience for the students. National award winners and Director, Avinash Roy and Jasmine Kaur Roy, alumni of the FTII taught film appreciation to the students of the various departments of the university. They discussed various aspects of film appreciation, for example, fundamentals of film, various rules of filmmaking, etc. They showed various short movies to the students and discussed those movies with the students critically. They explained why and how different types of angles, shots and cuts are useful while making a movie. The entire workshop was interactive. Students were asking the question to the resource persons and faculties were answering the questions simultaneously. They also discussed various prominent directors of Bollywood and Hollywood with their film direction techniques. They also discussed various movements of cinemas. Dr. Pankaj Kumar, Coordinator of the course said that the purpose of this course is to give content to the students so that they can become good film writers, producers, and filmmakers in future. All faculty members of the department and the students were present on this occasion.

8.20 खाद्य सुरक्षा के प्रति हकेवि ने किया स्कूली विद्यार्थियों को जागरूक

CUH, Dec 15, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ द्वारा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, पाली, महेंद्रगढ़ के स्कूली बच्चों के लिए उन्नत भारत अभियान (यूबीए) के तहत विज्ञान और प्रौद्योगिकी के उभरते क्षेत्रों में खाद्य सुरक्षा और करियर विकल्पों पर एक दिवसीय व्याख्यान व प्रस्तुतिकरण का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को खाद्य सुरक्षा, खाद्य प्रबंधन, स्वच्छता, मिलावट की जाँच आदि महत्त्वपूर्ण विषयों के प्रति जागरूक करना था। इस मौके पर विद्यार्थियों को माध्यमिक स्तर की पढ़ाई के बाद उपलब्ध रोजगार व उच्च शिक्षा के अवसरों से भी अवगत कराया गया।

उन्नत भारत अभियान के नोडल ऑफिसर व सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग के प्रो. विकास बेनीवाल ने अपने संबोधन में ग्रामीण विकास के संदर्भ में उन्नत भारत अभियान के मिशन के महत्त्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रतिभागियों को खाद्य अपमिश्रण से भी अवगत कराया। इसी क्रम में पोषण जीव विज्ञान विभाग के सह आचार्य व उन्नत भारत अभियान के सदस्य डॉ. उमेश कुमार ने खाद्य सुरक्षा व स्वच्छता के महत्त्व पर प्रकाश डाला जबकि वाणिज्य विभाग की सहायक आचार्य यूबीए की सदस्य डॉ. सुमन ने विद्यार्थियों को शिक्षा की आवश्यकता के प्रति जागरूक किया और इससे प्राप्त होने वाले उज्ज्वल भविष्य की संभावनाओं से अवगत कराया।

प्रस्तुतिकरण की श्रृंखला में पोषण जीव विज्ञान विभाग में सहायक आचार्य व यूबीए की सदस्य डॉ. अनीता कुमारी ने घरेलू स्तर पर खाद्य नमूनों में मिलावट का पता लगाने की तकनीक से अवगत कराया। इस अवसर पर स्कूल की ओर से श्री ईश्वर सिंह, श्री देवेंद्र और अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे और इस विषय पर अपने विचार साझा किए। स्कूल स्टाफ ने इस आयोजन के लिए यूबीए टीम और हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

CUH organised one-day programme on Food Safety

CUH, Dec 15, 2022

Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh organised one-day lecture cum demonstration on Food Safety and career options in emerging areas of Science and Technology under UNNAT BHARAT ABHIYAN (UBA) for school children of Government Senior Secondary School, Pali, Mahendergarh. The purpose of organizing this event was to sensitize and aware the students about food safety, in terms of food handling, hygiene, detection of adulterants etc. The students were also motivated in context of career opportunities after completing secondary class. First, Prof. Vikas Beniwal, Professor, Department of Microbiology and Convener UBA addressed the gathering and emphasized on the mission of UBA in context to rural development, followed by series of lectures and demonstration on food adulteration. Dr. Umesh Kumar, Associate Professor, Department of Nutrition Biology, and member, UBA delivered talk on importance of food hygiene

while Dr. Suman, Assistant Professor, Department of Commerce, and member, UBA sensitized and motivated the students regarding the need of education with multiple career opportunities. Dr. Anita Kumari, Assistant Professor, Department of Nutrition Biology and Member, UBA demonstrated and motivated young aspirants for detection of adulterants in food samples at household level. The school staff Mr. Ishwar Singh, Mr. Devender and other teachers also attended the programme and shared their thoughts on the theme. The school staff thanked UBA team and Central University of Haryana for conducting this event.

8.21 गूगल के सहयोग से क्लाइमेट वेरीफेकेशन पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

CUH, Dec 19, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, पर्यावरण अध्ययन विभाग एवं गूगल न्यूज इनिशिएटिव एवं डाटा लीडस के संयुक्त तत्वाधान में क्लाइमेट वेरीफिकेशन विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में विद्यार्थियों को मौसम एवं पर्यावरण से जुड़े झूठे समाचारों की परख कैसे की जाए इसके बारे में विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों के लिए बेहद लाभप्रद होते हैं।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए गूगल ट्रेनर एवं पर्यावरण पत्रकार मयंक अग्रवाल ने कहा कि दुनिया भर में गलत व भ्रमित करने वाली सूचनाओं की सुनामी है। डिजिटल मीडिया के प्रसार के कारण आज सूचनाओं का अंबार है। डिजिटल माध्यमों से झूठ भी फैलाया जा सकता है व इन्हीं माध्यमों से हम सही व गुणवत्तापूर्ण सूचनाएं लोगों को भेज सकते हैं। उन्होंने कहा कि पत्रकारों एवं पर्यावरण अध्ययन के विद्यार्थियों की यह जिम्मेवारी है कि वे इन गलत सूचनाओं को मुकाबला तथ्यों के साथ-साथ विज्ञान के साथ करें। उन्होंने कहा कि विज्ञान व उसके प्रमाणों के आधार पर ही झूठ को बेनकाब किया जा सकता है। उन्होंने वेरीफिकेशन की महत्ता बताते हुए वेरीफिकेशन के साधन भी बताए। मयंक अग्रवाल ने कहा कि आज के समय में क्लाइमेट एक ऐसा विषय है जो अनेक विषयों से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि हमें किसी भी सूचना पर विश्वास करने से पहले उसकी सत्यता जाँच लेनी चाहिए। सूचना एवं खबरों की सत्यता जाँचने के लिए उन्होंने विभिन्न वैज्ञानिक सूचना स्रोत एवं संस्थाओं के बारे में अवगत करवाया जहाँ से तथ्यपरक सूचनाएँ प्राप्त की जा सकती है।

जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने कहा गलत व झूठी सूचनाएं किसी समाज व दुनिया के लिए खतरा है। डिजिटल माध्यमों के प्रसार के कारण हम सूचनाओं के विस्फोट के दौर में पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा कि जरूरत इस बात की है कि सत्य एवं गुणवतापूर्ण समाचार लोगों तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि भावी पत्रकारों को इसके लिए खुद को तैयार करने की जरूरत है। पर्यावरण विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा ने कहा किसी भी विषय में संचार अति महत्वपूर्ण है। विद्यार्थी पर्यावरण अध्ययन के साथ साथ पर्यावरण जर्नलिस्ट के रूप में भी समाज में अपना योगदान दे सकते हैं। क्लाइमेट वेरीफिकेशन विषय पर आयोजित इस कार्यशाला से पर्यावरण विभाग के विद्यार्थी सटीक सूचनाओं को प्राप्त एवं प्रसारित करने के बारे में अवगत हुए। कार्यशाला के संयोजक श्री आलेख एस नायक ने मंच का संचालन किया व कार्यशाला के महत्व के बारे में बताया। इस कार्यशाला के दौरान पत्रकारिता एवं जनसंचार तथा पर्यावरण अध्ययन विभाग के सभी शिक्षक एवं विद्यार्थी इस कार्यशाला से लाभान्वित हुए।

Workshop on Climate Verification organised at CUH

CUH, Dec 19, 2022

A workshop on Climate Verification was held in conjunction with the Google News Initiative by the departments of Journalism and Mass Communication and Environmental Studies at Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh. According to Google News Initiative Trainer Mayank Agarwal, the main obstacles to addressing climate change are misinformation and disinformation. He exhorted environmental science and journalism students to gain a better understanding of the fundamental ideas underlying climate change. He also addressed some common misconceptions about the subject and provided evidence to support them.

Mayank Agarwal stated that some people and organisations spread false information and manufactured news about climate change on purpose. As a result, there is polarisation, which makes it harder to address the problems and dilutes the goal of combating climate change. By challenging and presenting facts with supporting evidence, these myths could be dispelled. According to Dr. Ashok Kumar, HOD, DJMC, environmental journalism is a brand-new, ethical profession. “Just as journalism students should learn about environmental science, so should environmental

science students learn about journalism." This is how these two disciplines can be combined, and inter-disciplinary contributions made, according to Dr. Mona Sharma, Head of the Department of Environmental Sciences. She placed a focus on interdisciplinary research. The workshop was concluded with the national anthem and a vote of thanks from Dr. Mona Sharma.

8. 22 राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर हकेवि में होगा अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस का आयोजन

CUH, Dec 20, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में आगामी 22 दिसंबर से दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस का आयोजन होने जा रहा है। राष्ट्रीय गणित दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस कांफ्रेंस के उद्घाटन सत्र में शांति स्वरूप भटनागर अवार्डी प्रोफेसर मैथलीशरण तथा प्रोफेसर केहर सिंह की उपस्थिति रहेगी। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि यह आयोजन विश्वविद्यालय द्वारा सतत विकास के लिए जारी प्रयासों और समाजोपयोगी शोध को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।

विश्वविद्यालय के गणित विभाग द्वारा आयोजित इस कांफ्रेंस के संदर्भ में कुलपति ने कहा कि दो दिनों के इस आयोजन में भारत सहित 10 देशों के वैज्ञानिक व शिक्षाविद् शामिल होने जा रहे हैं। कुलपति ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर होने वाला यह विमर्श अवश्य ही सकारात्मक परिणाम प्रदान करने वाला होगा। आयोजन के समापन सत्र में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (एआईसीटी) के मेंबर सेक्रेटरी प्रोफेसर राजीव कुमार जुड़ेंगे। सम्मेलन के संयोजक तथा गणित विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राजेश कुमार गुप्ता ने बताया कि इस कांफ्रेंस में लगभग 10 देशों से 100 से अधिक वैज्ञानिक, विशेषज्ञ व प्रतिभागी शामिल होने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह कांफ्रेंस फियाम के सहयोग से आयोजित की जा रही है। फियाम मुख्यतः एक गणितज्ञों का ग्रुप है जो कि विभिन्न जगह पर गणित विभाग के वैज्ञानिक काम कर रहे है। उन्होंने कहा कि इस कांफ्रेंस के अंतर्गत विश्वविद्यालय में तीन स्थानों पर समानांतर सत्रों का आयोजन किया जाएगा। प्रो. गुप्ता ने कहा कि फियाम संगठन ने तकनीकी उन्नति तथा शोध में देश में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है। यह संगठन सन 2018 से लगातार देश में विभिन्न जगह पर ऐसी कांफ्रेंस आयोजित कर रहा है जोकि गणित से जुड़ी समस्याओं का समाधान उपलब्ध करवाने में मददगार हो रही हैं। प्रो. गुप्ता ने बताया कि रक्षा, अनुसंधान एवं विकास संगठन भारत सरकार तथा विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड भारत सरकार भी इस कांफ्रेंस में उनका सहयोग कर रहे है।

International conference will be organised in CUH on National Mathematics Day

CUH, Dec 20, 2022

A two-day international conference is going to be organised at Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh from December 22 by the Department of Mathematics. Shanti Swarup Bhatnagar Awardee Professor Maithlisharan and Professor Kehar Singh will be present in the inaugural session of this conference organised on National Mathematics Day. The Vice Chancellor of the University Prof. Tankeshwar Kumar said that this event is an important step in the ongoing efforts of the University for sustainable development and promotion of socially useful research.

Prof. Tankeshwar Kumar said that scientists and educationists from 10 countries including India are going to participate in this two-day event. He further stated that this discussion to be held at the international level would yield positive results. All India Council for Technical Education (AICTE) member secretary Prof. Rajeev Kumar will join the concluding session of the event. The Convener of the Conference and Head of Department of Mathematics Prof. Rajesh Kumar Gupta told that more than 100 scientists, experts, and participants from about 10 countries are going to participate in this conference. He said that this conference is being organised in collaboration with FIAM. FIAM is mainly a group of mathematicians who are doing scientific work in the Department of Mathematics at different places. He said that under this conference, parallel sessions would

be organised at three places in the University. Prof. Gupta said that FIAM organization has made significant contribution in the country in technological advancement and research. Since 2018, this organization is continuously organizing such conferences at various places in the country, which are helpful in providing solutions to problems related to mathematics. Prof. Gupta said that Defence Research and Development Organization, Government of India and Science and Engineering Research Board, Government of India are also supporting him in this conference.

8.23 हकेवि में फियाम 2022 दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस की हुई शुरूआत

CUH, Dec 22, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में वीरवार को फ्रंटियर्स इन इंडस्ट्रीयल एंड एप्लाइड मैथेमेटिक्स (फियाम)-2022 नामक दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस की शुरूआत हुई। राष्ट्रीय गणित दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस कांफ्रेंस के उद्घाटन सत्र में शांति स्वरूप भटनागर अवार्डी प्रोफेसर मैथिलीशरण तथा प्रोफेसर केहर सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। दो दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में देश-विदेश के 100 से अधिक गणितज्ञ, विशेषज्ञ प्रतिभागिता कर रहे हैं।

विश्वविद्यालय के गणित विभाग द्वारा रक्षा अनुसंधान तथा विकास संगठन, भारत सरकार व विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड से सहयोग से आयोजित इस कांफ्रेंस के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आयोजको की सराहना करते हुए कहा कि आज के समय में गणितीय टूल्स का महत्त्व हर क्षेत्र में देखने को मिलता है। जरूरत है कि इस दिशा में होने वाले प्रयास समाजोपयोगी व उससे संबंधित समस्याओं के निदान पर केंद्रित हों। कुलपति ने इस आयोजन को इस दिशा में जारी प्रयासों को बल प्रदान करने वाला बताया और कहा कि आत्मनिर्भर भारत अभियान की सफलता में समाजोपयोगी शोध की यही सोच निर्णायक भूमिका अदा करेगी। कुलपति ने इस आयोजन में सम्मिलित हुए विशेषज्ञों का भी आभार व्यक्त किया और कहा कि अवश्य ही उनके ज्ञान का लाभ प्रतिभागियों को प्राप्त होगा। आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल प्रो. मैथिलीशरण ने विभिन्न क्षेत्रों में गणित और उसके व्यावहारिक प्रयोग पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य, अंतरिक्ष विज्ञान, मौसम विज्ञान, परिवहन आदि विभिन्न क्षेत्रों में गणित का प्रयोग देखने को मिलता है। इसलिए आज के समय में इसकी व्यावहारिक उपयोगिता सर्वाधिक है और इसमें उपलब्ध संभावनाओं का अधिकतम लाभ उठाना होगा। इसी क्रम में आयोजन के दूसरे मुख्य अतिथि प्रो. केहर सिंह ने विभिन्न स्तर पर जारी विकास और उससे संबंधित गतिविधियों में गणित के प्रयोग और उसकी महत्ता पर प्रकाश डाला और बताया कि किस तरह से इसके बिना हमारे लिए किसी भी स्तर पर आगे बढ़ पाना संभव नहीं है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि प्रो. के. आर. परदशनी ने कहा कि जीवन और समाज में गणित का महत्त्व बहुत अधिक है। उन्होंने बताया कि फियाम पिछले पाँच वर्षों से गणित के क्षेत्र में कार्य कर रहा है और इस बार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में इस क्षेत्र से जुड़े विद्वान एकत्र हो रहे हैं। इसी क्रम में जर्मनी से ऑनलाइन माध्यम से जुड़े प्रो. ए.सी. बेनम ने विषय पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए विभिन्न स्तर पर गणित के उपयोग व उपयोगिता को स्पष्ट किया और इसके लिए योजनाबद्ध ढ़ंग से शोध व नवाचार पर जोर दिया।

कार्यक्रम की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात गणित विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राजेश गुप्ता ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए बताया कि आयोजन में देश-विदेश के 100 से अधिक प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। उन्होंने दो दिनों तक चलने वाले इस आयोजन की रूपरेखा भी प्रस्तुत की। इस अवसर पर फियाम के सचिव डॉ. राजेश कुमार शर्मा ने इस आयोजन और इसके पीछे के उद्देश्य से प्रतिभागियों को अवगत कराया। इसके पश्चात कांफ्रेस की स्मारिका का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में मंच का संचालन सहायक आचार्य डॉ. पिंकी व डॉ. प्रीति ने किया जबकि कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में धन्यवाद ज्ञापित करते हुए प्रो. ए.के. यादव ने किया और विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राजेश गुप्ता ने इस आयोजन की सफलता के लिए प्रो. अनिल यादव, प्रो. फूल सिंह, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार और सांख्यिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. कपिल कुमार का आभार व्यक्त किया।

FIAM 2022 Two-day International Conference begins at CUH

CUH, Dec 22, 2022

A two-day international conference titled 'Frontiers in Industrial and Applied Mathematics (FIAM)-2022' began on Thursday at Central University of

Haryana (CUH), Mahendergarh. Shanti Swarup Bhatnagar Awardee Professor Maithilisharan as well as Professor Kehar Singh attended the inaugural session of the conference organised on National Mathematics Day. The program was presided over by the Vice Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar. More than 100 mathematicians and experts from India and abroad are participating in this two-day event. Conference is organised by the Department of Mathematics of the University in collaboration with Defence Research and Development Organisation, Government of India and Science and Engineering Research Board.

Prof. Tankeshwar Kumar appreciated the organizers and said that in today's time the importance of mathematical tools is seen in every field. It is necessary that the efforts in this direction should be focused on the solution of social utility and its related problems. The Vice-Chancellor described this event as strengthening the ongoing efforts in this direction and said that this thinking of socially useful research will play a decisive role in the success of the Atmanirbhar Bharat campaign. He also expressed gratitude to the experts who had participated in the event and said that the participants will get benefit of their knowledge. Prof. Maithilisharan who attended the event as the chief guest discussed in detail about mathematics and its practical application in various fields. He said that the use of mathematics is seen in various fields like health, space science, meteorology, transport etc. That is why in today's time its practical utility is maximum and the possibilities available in it will have to be taken maximum advantage of. In this sequence, the second chief guest of the event, Prof. Kehar Singh highlighted the use and importance of mathematics in ongoing development and related activities at various levels and how without it is not possible for us to move forward at any level. Special guest in the program Prof. K. R. Pardasani said that the importance of mathematics in life and society is very high. He said that FIAM has been working in the field of mathematics for the last five years and this time scholars associated with this field are gathering at Central University of Haryana. In this sequence, Prof. A.C. Benim connected through online medium from Germany. While highlighting the subject in detail he clarified the use and usefulness of mathematics at various levels and for this systematically emphasized research and innovation.

Prof. Rajesh Gupta, HoD, Department of Mathematics presenting the welcome speech said that more than 100 participants from India and abroad are participating in the event. He also presented the outline of the two-day event. On this occasion, FIAM Secretary Dr. Rajesh Kumar Sharma apprised the participants about the event and the purpose behind it. After this the souvenir of the conference was released. The stage was conducted by Assistant Professor Dr. Pinky and Dr. Preeti, while in the inaugural session of the program, Prof. A.K. Yadav gave the vote of thanks. The head of the Mathematics Department, Prof. Rajesh Gupta expressed his gratitude to Prof. Anil Yadav, Prof. Phool Singh, Dean Academics Prof. Dinesh Kumar and Head of Department of Statistics, Dr. Kapil Kumar for making the event successful.

8.24 हकेवि में ट्रांसजेंडर पर्सन्स एक्ट केंद्रित कार्यशाला आयोजित

CUH, Dec 27, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल डिफेंस (एनआईएसडी) के सहयोग से ट्रांसजेंडर पर्सन्स एक्ट पर केंद्रित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यशाला का शुभारंभ एनआईएसडी के निदेशक डॉ. आर. गिरि राज ने ऑनलाइन माध्यम से किया। कार्यशाला

में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में एनआईएसडी के श्री संजय पंवार उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस कार्यशाला को संबोधित करते हुए ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के संदर्भ में समाज में फैली विभिन्न भ्रांतियों का उल्लेख करते हुए उनके निवारण पर जोर दिया और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए विशेष प्रयास करने की बात कही।

एनआईएसडी के निदेशक डॉ. आर. गिरि राज ने ट्रांसजेंडर पर्सन्स एक्ट 2019 पर प्रकाश डालते हुए इसमें वर्णित विभिन्न पक्षों पर विस्तार से ध्यानाकर्षित किया। एनआईएसडी प्रतिनिधि संजय पवार ने एनआईएसडी की भूमिका और यह कैसे सामाजिक रक्षा के लिए काम करता है, के विषय में प्रतिभागियों को बताया। समाजशास्त्र विभाग की रिसर्च फेलो कश्मीरा खानम ने उद्घाटन सत्र में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों और लिंग-तटस्थ उच्चारण के महत्व पर एक संक्षिप्त नोट भी प्रस्तुत किया। आयोजन के दूसरे तकनीकी सत्र का संचालन नजरिया फाउंडेशन के कार्यक्रम समन्वयक जायन ने किया। उन्होंने स्वयं के उदाहरण से सत्र की शुरुआत की। उन्होंने ब्रिटिश काल के दौरान और स्वतंत्रता के बाद ट्रांसजेंडर व्यक्तियों की स्थिति को इंगित किया। उन्होंने अधिनियम के लागू होने के बाद भी समाज में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों की स्थिति पर चर्चा की। जायन ने ट्रांसजेंडर एक्ट 2019 के विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक पहलुओं और ट्रांसजेंडर की परिभाषा पर चर्चा की। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला है कि नीति-निर्माण में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को शामिल करने की आवश्यकता है। इसी क्रम में सुश्री साई स्टॉप किलर रोबोट्स में रिसर्चर ने ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के कानूनी इतिहास पर चर्चा की। उन्होंने ने यह भी बताया कि एक ट्रांसजेंडर व्यक्ति के लिए कोई स्वर्ण युग नहीं है। अपने व्याख्यान के अंत में उन्होंने अपील की कि समाज में सबके लिए एक समान व्यवस्था होनी चाहिए जिसमें सब मिलजुल कर अपना जीवन व्यतीत कर सकें। उन्होंने ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के प्रति संवेदनशीलता की भावना जगाने की भी अपील की। कार्यशाला में स्वागत भाषण समाजशास्त्र विभाग की सहायक आचार्य सुश्री तन्वर भाटी ने दिया। कार्यक्रम के अंत में समाजशास्त्र विभाग के एम.ए. के विद्यार्थियों ने लघु नाटक प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में इतिहास और पुरातत्व विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अभिरंजन कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यशाला के आयोजन में विभाग की सहायक आचार्य डॉ. टी. लांग्कोई, डॉ. युद्धवीर, डॉ. रीमा गिल ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के 180 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

One-day workshop on Social Security and Awareness of Transgender Persons Act 2019 & Rules 2020 organised at CUH

CUH, Dec 27, 2022

A one-day workshop on Discourse on Social Security and Awareness of Transgender Persons Act 2019 & Rules 2020 was organised at Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh in association with National Institute of Social Defence (NISD). This workshop, organised by the Department of Sociology of the University, was inaugurated by Dr. R. Giri Raj through online mode. Mr. Sanjay Panwar of NISD was present as an expert speaker in the workshop. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor, CUH while addressing this workshop, mentioned the various misconceptions spread in the society regarding transgender persons and emphasized on making special efforts to connect transgender persons with the mainstream.

The workshop session began with a welcome address and program introduction by Ms. Tanvi Bhati, Assistant Professor, Department of Sociology. Prof. Tankeshwar Kumar talked about how to remove the misconceptions that are spread in society about Transgender Persons and gave many suggestions to bring them into the mainstream of society. Dr. R. Giri Raj, Director of NISD, inaugurated the program online and spoke about the provisions of the Transgender Persons (Protection of Rights) Act, 2019. Sanjay Pawar, the NISD representative talked about the role of NISD and how it works for social defence. The inaugural session ended with a brief note on Transgender Persons and the importance of gender-neutral pronounce, elaborated by Kashmira Khanam, Research Fellow, Department of Sociology. Dr. Abhiranjan Kumar, Assistant Professor, Department of History and Archaeology, Central University of Haryana, concluded the session with a formal vote of thanks. The workshop was attended by 180 participants from various departments of the University.

8.25 हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

CUH, Dec 29, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पोषण जीव विज्ञान विभाग और जैव रसायन विभाग द्वारा चिकित्सा लेखन में करियरः उद्योग में एक आशाजनक पथ विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इंडिजीन प्राइवेट लिमिटेड, बैंगलोर के वरिष्ठ वैज्ञानिक लेखक डॉ. शंकर नारायण संगोष्ठी में विशेषज्ञ के रूप में शामिल हुए।

डॉ. शंकर नारायण अपने व्याख्यान में नैदानिक अनुसंधान और औषधि विकास के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञ लेखकों के महत्त्व के बारे में बताया है। उन्होंने विद्यार्थियों को दवा कंपनियों द्वारा चिकित्सा और वैज्ञानिक लेखकों की भर्ती प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकार दी। कार्यक्रम डॉ. विद्युलता और डॉ. मुलाका मारूति के संयोजन में आयोजित किया गया। संगोष्ठी में पोषण जीव विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. कांति प्रकाश शर्मा, प्रो. पवन कुमार मौर्य, समन्वयक डॉ. उमेश कुमार, डॉ. सौरभ सक्सेना, डॉ. अंतरेश कुमार, डॉ. उषा सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

National Seminar on Medical Writing as career organised at CUH

CUH, Dec 29, 2022

A National seminar on "Careers in Medical Writing: A promising path in Industry" was organised by the Department of Nutrition Biology and Department of Biochemistry at Central University of Haryana. Dr. Shankar Narayana, Senior Scientific writer from Indegene Pvt Ltd, Bangalore has delivered the expert lecture. Dr. Shankar has explained about the importance of expert writers in different fields of clinical research and drug development. Dr. Shankar has elaborated and guided the students about the path and process of Medical and Scientific writers' recruitment process by the pharmaceutical companies. Dr. Vidyullatha and Dr. Maruthi organised this event as conveners. Head of the Departments Prof. Kanti Prakash Sharma and Prof. Pawan Kumar Maurya, and coordinators Dr. Umesh Kumar, Dr. Saurabh Saxena, Dr. Antresh Kumar, and Dr. Usha attended this event.

9. Skill Enhancement

9.1 हकेवि में एक्सेल और वित्तीय साक्षरता पर व्यावहारिक प्रशिक्षण

CUH, Oct 19, 2022

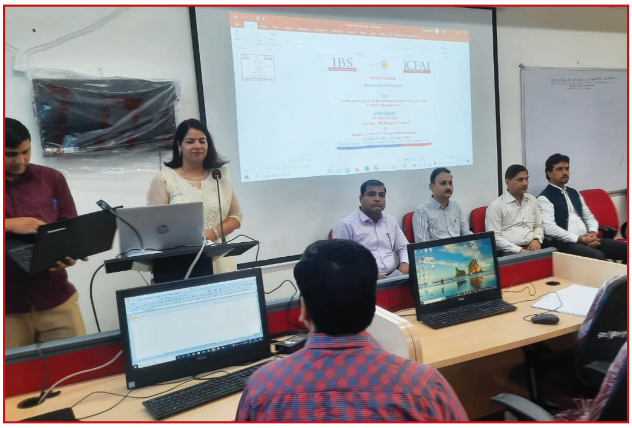

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा एक्सेल और वित्तीय सहायता पर आधारित व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक बताया। कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने किया। उन्होंने कौशल सुधार के लिए केंद्रीय पुस्तकालय की इस पहल की सराहना की। कुलसचिव ने कहा कि वित्तीय साक्षरता वित्त, ऋण, निवेश और बचत के प्रबंधन का ज्ञान है। यह शिक्षा हमें सूचित निर्णय लेने में सक्षम बनाती है, जिसका हमारी वित्तीय स्थिरता से सीधा संबंध है।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में आईसीएफएआई बिजनेस स्कूल, गुरुग्राम के प्रोग्राम लीड प्रो. विपिन खुराना विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने एक्सेल, एसपीएसएस, आर प्रोग्रामिंग, डेटा रिग्रेशन और वित्तीय प्रबंधन का उपयोग करके डेटा एनालिटिक्स पर विस्तार से प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सी.एच. ने कहा कि आज के परिदृश्य में डेटा हैंडलिंग और संगठन काफी महत्वपूर्ण है। फिर चाहे वह अंकगणितीय समाधानों की खोज हो, डेटा स्वरूपण, चार्ट द्वारा डेटा विश्लेषण या मानव संसाधन नियोजन हो। उन्होंने कहा कि एक्सेल व्यवसाय, वित्त और दैनिक जीवन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विश्वविद्यालय के उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ ने बताया कि विश्वविद्यालय के हितधारक होने के नाते, हमें वित्तीय साक्षरता के बारे में पता होना चाहिए जो कि किसी भी व्यक्तिगत वित्तीय विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. विनीता मलिक, सूचना वैज्ञानिकय श्री नरेश, डॉ. विनोद और पुस्तकालय टीम के सदस्यों के सहयोग से किया। उन्होंने बताया कि आईसीएफएआई बिजनेस स्कूल के समन्वय से आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रबंधन अध्ययन, वाणिज्य, इंजीनियरिंग और शिक्षा जैसे विभिन्न विश्वविद्यालय विभागों के लगभग 110 विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की।

Hands on Training on Excel and Financial Literacy at CUH

CUH, Oct 19, 2022

Pandit Deendayal Upadhyaya Central Library conducted Hands on Training on Excel and Financial Literacy for University Students of Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh with the blessings and direction of the Vice Chancellor Prof. Tankeshwar Kumar. The Registrar, Prof. Sunil Kumar inaugurated the program and applaud the library staff for this initiative to improve the skills of university students. He added that financial literacy is the knowledge of managing finances, debt, investment, and savings. This education enables us to make informed decisions, which have a direct relation to our financial stability.

The training sessions were given by Prof. Vipin Khurana, Program leader at ICFAI Business School, Gurugram. He covered the topics like data analytics using Excel, SPSS, R programming, Data Regression and Financial management. The University Librarian, Dr. Santosh C. H. said in today's scenarios data handling and organization is quite important. Whether it is the finding of arithmetic solutions, data formatting, data analysis by charts or human resource planning, Excel plays a great role in business, finance and in daily lives. The Deputy Librarian, Dr. Rajeev Vashistha told that being a university stakeholder, we must be aware about the financial literacy which is very important for any individual financial growth.

The program was coordinated by Dr. Vinita Malik, Information Scientist with the due support of Mr. Naresh, Dr. Vinod, and Library team members. Around 110 university students from various departments like Management Studies, Commerce, Engineering and Education actively participated in the event. The training program was conducted in coordination with ICFAI Business School covering the aspects related to Microsoft Excel and financial literacy which proved very beneficial to each participant.

9.2 हकेवि में आईबीएम के विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को दिया प्रशिक्षण

CUH, Nov 23, 2022

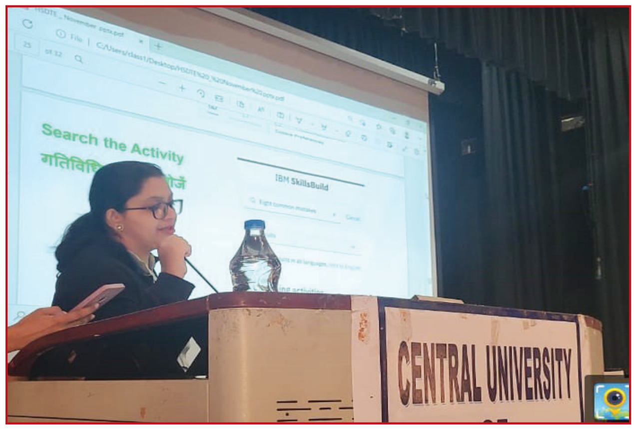

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा आईबीएम सीएसआरबॉक्स के सहयोग से कौशल विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दो दिवसीय इस कार्यक्रम में आईबीएम स्किल बिल्डिंग प्रोग्राम से संबंद्ध विशेषज्ञों ने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को रोजगार के लिए आवश्यक विभिन्न प्रकार के कौशल का प्रशिक्षण दिया। जिसमें बायोडाटा तैयार करना व साक्षात्कार हेतु तैयारी करना प्रमुख रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के इस आयोजन को महत्त्वपूर्ण बताते हुए कहा कि अवश्य ही इस दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम से पढ़ाई के बाद रोजगार के क्षेत्र में सफलता पाने में मदद मिलेगी।

ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. विकास गर्ग ने बताया कि दो दिवसीय इस आयोजन में आईबीएम सीएसआरबॉक्स की ओर से स्वधा राय व इशु यादव ने विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया और उनकी विभिन्न जिज्ञासाओं का निदान भी किया। प्रो. गर्ग ने बताया कि दो दिनों में आयोजित विभिन्न सत्रों में तकनीकी प्रशिक्षण के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान भी प्रतिभागियों को उपलब्ध कराया गया और इस आयोजन में डॉ. तरूण, डॉ. ए.पी. शर्मा व सुश्री प्रीति ने महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की।

Skill Training Session organised at CUH

CUH, Nov 23, 2022

Central University of Haryana, Mahendergarh organised a Two-Day Skill Training Session for students. This session was organised by the Training & Placement Cell of the University in collaboration with IBM CSRBOX. In this programme, four training sessions were delivered by CSRBOX team. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor of the University said that these sessions will be helpful for students.

Prof. Vikas Garg, Director, Training & Placement Cell said that a potential resource team member from the CSRBOX team Svadha Rai Sr. Engagement Associate and Ms. Ishu Yadav Sr. Project Associate visited our campus and delivered all the sessions to students. Dr. Tarun and Dr. AP Sharma, Ms. Preeti were also present in this training session.

10. Social Awareness

10.1 पुस्तकालय जागरूकता शिविर आयोजित

CUH, Nov 15, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पण्डित दीन दयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह के अंतर्गत मंगलवार को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जांट में पुस्तकालय जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर के निर्देशन व मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में 150 से अधिक स्कूली विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की ओर से नुक्कड़ नाटक के माध्यम से पुस्तकालय व किताबों के महत्त्व पर प्रकाश डाला गया।

विद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सी एच ने सफल जीवन हेतु पुस्तकालयों एवं उसमें उपलब्ध संसाधनों के उपयोग पर जोर दिया। कार्यक्रम की संयोजक सूचना वैज्ञानिक डॉ. विनीता मलिक ने सकारात्मक जीवन के निर्माण में पुस्तकों की भूमिका को महत्त्वपूर्ण बताया। इस अवसर पर उपपुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ ने अपने जीवन के अनुभव विद्यार्थियों से साझा किए। इस अवसर पर मनोविज्ञान विभाग की दिव्या व मंजु ने मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य हेतु किताबों के महत्त्व से विद्यार्थियों को अवगत कराया। कार्यक्रम में सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष श्री नरेश ने भी प्रतिभागी विद्यार्थियों को संबोधित किया। इस अवसर पर पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

Library Awareness Camp organised at Govt. School, Jant

CUH, Nov 15, 2022

Pandit Deendayal Upadhyaya Central Library, Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh conducted a library awareness camp at Govt. Senior Secondary School, Jant Mahendergarh on Tuesday under National Library Week. Around 150 school students participated in the event. Various events like Nukkad Natak and musical play were conducted by the University students to spread awareness about the library and books. They also portrayed through their performances how books can save one from negativity.

The University Librarian Dr. Santosh Hulagabali motivated the students to utilize the library resources maximum for being successful and creative in life. The coordinator of the event, Information Scientist, Dr. Vinita Malik, also stressed upon the usage of books to stay positive in life. The Deputy Librarian, Dr. Rajeev Vashistha shared his own life experiences with the school kids. Mr. Naresh, Assistant librarian also shared his viewpoint regarding the importance of books. The scholars from Psychology department Ms. Divya and Ms. Manju delivered lectures on how books help in mental health improvement. The poster making competition was also organised for

the school students and prizes were distributed for motivation

10.2 हकेवि के विद्यार्थियों ने किया औद्योगिक भ्रमण

CUH, Oct 20, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के वाणिज्य विभाग द्वारा एक दिवसीय औद्योगिक भ्रमण का आयोजन किया गया। विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सुमन एवं डॉ. भूषण सिंह के नेतृत्व में एम.कॉम. के विद्यार्थियों ने कोसली, महेंद्रगढ़ स्थित विसाका इंडस्ट्रीज लिमिटेड का भ्रमण किया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस प्रकार की शैक्षणिक यात्राओं को विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान के लिए लाभप्रद बताया।

वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद मीणा ने कहा कि विद्यार्थियों के कौशल विकास के लिए यह औद्योगिक भ्रमण अहम साबित होगा। उन्होंने इस आयोजन के लिए विभाग के विद्यार्थियों व संकाय सदस्यों को बधाई दी। डॉ. सुमन ने बताया कि औद्योगिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को कॉर्पोरेट क्षेत्र की कार्यप्रणाली और निर्माण प्रक्रिया के व्यावहारिक पक्षों को जानने-समझने का अवसर मिला। उन्होंने बताया कि यह इकाई प्रसिद्ध विसाका उद्योगों के कुल 14 विनिर्माण संयंत्रों में से एक है, जिसकी स्थापना 1981 में डॉ. जी. विवेकानंद द्वारा की गई थी। विसाका इंडस्ट्रीज लिमिटेड के पास कई उत्पाद पोर्टफोलियो हैं, जिनमें नालीदार सीमेंट शीट और फाइबर सीमेंट बोर्ड से लेकर हाइब्रिड सोलर रूफ और मानव निर्मित फाइबर यार्न शामिल हैं। औद्योगिक भ्रमण के दौरान प्लांट हेड श्रीनिवासन राव ने कच्चे माल से लेकर तैयार उत्पादों तक की पूरी निर्माण प्रक्रिया के बारे में विद्यार्थियों को विस्तार से अवगत कराया। उन्होंने विद्यार्थियों को गुणवत्ता नियंत्रण प्रक्रिया के बारे में भी विद्यार्थियों को बताया। डॉ. भूषण सिंह ने अकाउंट्स, ह्यूमन रिसोर्स, क्वालिटी कंट्रोल और प्रोडक्शन जैसे क्रॉस फंक्शनल क्षेत्रों के उद्योग विशेषज्ञों व विद्यार्थियों के बीच संवाद सत्र का संचालन किया। उन्होंने विद्यार्थियों को रोजगार क्षमता में सुधार करने व पेशेवर कौशल को आत्मसात करने की सलाह दी। डॉ. सुमन ने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की ओर से कंपनी प्रबंधन का धन्यवाद ज्ञापित किया।

Industrial tour organised for CUH students

CUH, Oct 20, 2022

Department of Commerce in Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh organised a one-day industrial visit for its students of M.Com. led by faculty members Dr. Suman and Dr. Bhushan Singh at Visaka Industries Ltd situated at Kosli, Mahendergarh. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor said that such educational trips are beneficial for the practical knowledge of the students.

Dr. Rajender Prasad Meena, HoD greeted all the students and faculty members of the department for successfully organizing this event and thanked University administration for their all-time support in organizing such events. Dr. Suman said that students were benefitted with practical exposure to witness and understand the corporate working culture and manufacturing process of a business. This Unit is one among total 14 manufacturing plants of the renowned Visaka industries, founded by Dr G Vivekanand in 1981. Visaka Industries Limited has multiple product portfolios, ranging from corrugated cement sheets and fibre cement boards to hybrid solar roofs and human-made fibre yarn. During the visit, plant head Mr. Srinivasan Rao explained the complete manufacturing process starting from raw material to finished products. Later students were familiarised with the stringent quality control process followed by the company to provide the best possible products to its customers. Dr. Bhushan moderated a face-to-face interaction session of students with industry experts from cross functional areas like Accounts, Human Resource, Quality Control and Production, where they explained about the best practices followed by the Visaka industries and advised students to imbibe professional skills to improve their employability.

Plant Head Mr. Srinivasan Rao and his team very generously entertained students and devoted their precious time for the practical learning of students. Dr. Suman delivered the vote of thanks to the company management on behalf of the Central University of Haryana.

10.3 हकेवि के सूक्ष्मजीव विज्ञान के विद्यार्थियों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

CUH, Dec 24, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों ने चण्डीगढ़, सोलन और शिमला के प्रतिष्ठित संस्थानों का शैक्षणिक भ्रमण किया। तीन दिवसीय इस आयोजन में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में अध्ययनरत विद्यार्थियों ने सीएसआईआर- माइक्रोबियल टेक्नोलॉजी संस्थान (आईएमटेक), चंडीगढ़य आईसीएआर-मशरूम अनुसंधान निदेशालय, सोलन, हिमाचल प्रदेश और आईसीएआर-केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान (सीपीआरआई), शिमला, हिमाचल प्रदेश का भ्रमण किया। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग की पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रतिष्ठित संस्थानों का शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों को शोध, नवाचार व अध्ययन की नई संभावनाओं के प्रति जागरूक करता है। अवश्य ही इस भ्रमण के माध्यम से सूक्ष्मजीव विज्ञान के क्षेत्र में उपलब्ध नई संभावनाओं को जानने-समझने में मदद मिलेगी।

तीन दिवसीय इस शैक्षणिक भ्रमण में विद्यार्थियों के साथ सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र सिंह और जैवरसायन विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. उषा नागराजन भी शामिल रहे। प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि विद्यार्थियों ने सीएसआईआर- माइक्रोबियल टेक्नोलॉजी संस्थान (आईएमटेक), चंडीगढ़ में द माइक्रोबियल टाइप कल्चर कलेक्शन और जीन बैंक (एमटीसीसी) की सुविधाओं से अवगत हुए। इसी क्रम में आईसीएआर-मशरूम अनुसंधान निदेशालय, सोलन, हिमाचल प्रदेश में विद्यार्थियों ने मशरूम की खेती द्व ारा उद्यमिता के गुर सीखे। इसी क्रम में आईसीएआर-केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान (सीपीआरआई), शिमला, हिमाचल प्रदेश में विद्यार्थियों ने हाइड्रोपोनिक्स तकनीक के माध्यम से आलू की खेती से परिचित हुए और यह तकनीक विद्यार्थियों के बीच मुख्य आकर्षण का केंद्र रही। विद्यार्थियों ने क्षेत्रीय बागवानी अनुसंधान और प्रशिक्षण स्टेशन (आरएचआर एंड टीएस) और भारतीय उन्नत अध्ययन संस्थान शिमला का भी दौरा किया। विद्यार्थियों ने इस शैक्षणिक भ्रमण की स्वीकृति हेतु विश्वविद्यालय कुलपति वविश्वविद्यालय प्रशासन का धन्यवाद किया।

CUH students visited reputed institutes during study tour

CUH, Dec 24, 2022

A 3-day study tour of second year MSc students was organised by the Department of Microbiology, Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh. Prof. Tankeshwar Kumar Vice-chancellor said the visit to reputed institutes motivate the students for higher studies. Such tours also open the window of future collaboration among institutes.

Students visited reputed institutes of Chandigarh, Solan and Shimla. Prof Surender Singh, HoD and Dr. Usha Nagarajan, Asst Prof Biochemistry accompanied the students. Prof. Surender Singh said that the students visited CSIR - Institute of Microbial Technology (IMTECH), Chandigarh where national facilities like The Microbial Type Culture Collection and Gene Bank (MTCC) are housed. On day 2, the team visited ICAR-Directorate of Mushroom Research, Solan, Himachal Pradesh where the students learnt about entrepreneurship by mushroom cultivation. Students also visited ICAR - Central Potato Research Institute (CPRI), Shimla, Himachal Pradesh where the main attraction was potato cultivation through hydroponics technique in which crops can be grown in small area without soil. The students also visited Regional

Horticultural Research and Training Station (RHR & TS) and Indian Institute of Advanced Study Shimla. He said that Students interacted with famous scientists of the institutes and learnt about the recent developments in innovative areas of sciences.

11. Placement

11.1 हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की छात्रा को मिला प्लेसमेंट

-बी.वॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट की डिग्री पूर्ण करते ही मिला प्लेसमेंट

CUH, Dec 1, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में बी.वॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट की छात्रा सुश्री अमरीशा प्रिया को फ्रांस की कंपनी डिकेथलॉन रिटेल में रोजगार का अवसर प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्लेसमेंट पाने पर अमरीशा को बधाई देते हुए कहा कि आज के दौर में जहां नौकरी के लिए प्रतिस्पर्धा बढ़ती जा रही है ऐसे में कौशल विकास पर आधारित बी.वॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट डिग्री प्रोग्राम विद्यार्थियों को प्रोफेशनल बनाने के साथ-साथ रोजगार के अवसर प्रदान कर रहा है। कुलपति ने कहा कि विद्यार्थियों को उच्चस्तरीय शिक्षा के साथ रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने के लिए विश्वविद्यालय प्रयासरत है। इस उद्देश्य से विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जाता है। उन्होंने कहा कि यह अच्छी बात है कि ग्रेजुएशन करते ही विद्यार्थियों को देश की प्रसिद्ध कंपनियों के साथ साथ मल्टीनेशनल कंपनियों में भी रोजगार प्राप्त हो रहे हैं।

विश्वविद्यालय के व्यवसायिक अध्ययन और कौशल विकास विभाग के अध्यक्ष प्रो. पवन कुमार मौर्य ने चयनित छात्रा को बधाई देते हुए कहा कि बी.वॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट अपने नवीनतम पाठ्यक्रम के द्वारा दिए गए व्यवहारिक ज्ञान से विद्यार्थियों को प्रोफेशनल बनाने में बेहतरीन भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि यह विभाग द्वारा की गई कड़ी मेहनत व अच्छी शिक्षा का ही नतीजा है कि विद्यार्थियों का स्नातक करते ही रोजगार के लिए चयन हो रहा है। रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के समन्वयक डॉ सुयश मिश्रा ने बताया कि विभाग द्वारा विद्यार्थियों का पंजीकरण होते ही उनके लिए अगले तीन वर्षों की योजना बना ली जाती है। विभाग द्वारा कार्यशाला, ऑन जॉब ट्रेंनिंग व विशेषज्ञ व्याख्यान के साथ रोजगारपरक अनेक गतिविधियों का आयोजन समय-समय पर कराया जाता है। उन्होंने कहा कि यह विभाग के द्वारा दी जाने वाली उच्च गुणवत्तायुक्त शिक्षा का ही परिणाम है कि प्रतिष्ठित कम्पनियों में विद्यार्थियों को रोजगार प्राप्त हो रहा है।

Student of Central University of Haryana got placement in Decathlon

CUH, Dec 1, 2022

Ms. Amrisha Priya, a student of B. Voc Retail and Logistics Management at Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh, got employment opportunity in French company Decathlon Retail. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor of the University congratulated Amrisha on getting the placement and said that in today’s era where the competition for jobs is increasing, skill development based B.Voc. Retail and Logistics Management degree program aims to provide professional as well as employment opportunities to students.

While congratulating the selected student, the Head of the Department of Professional Studies and Skill Development of the University, Prof. Pawan Kumar Maurya said that B. Voc Retail and Logistics Management is playing an excellent role in making the students professional with the practical knowledge. Dr. Suyash Mishra, Coordinator of Retail and Logistics Management said that as soon as the students are registered by the department, a plan for the next three years is made for them. Various employment-oriented activities are organised by the department from time to time along with workshops, on job training, and expert lectures.

Azadi Ka
Department of Political Science
Central University of Haryana
NAAC accredited 'A' grade
Organising two
National
Jammu
Article 370

Patron

Prof. Tankeshwar Kumar
Vice-Chancellor, Central University of Haryana

Editorial Board

Dr. Snehsata (Editor), Assistant Professor, Department of English & Foreign Languages

Dr. Siddharth Shankar Rai, Assistant Professor, Department of Hindi

Mr. Anil Kundu, Assistant Professor, Department of Printing and Packaging Technology

Dr. Bharti Batra, Assistant Professor, Department of Journalism & Mass Communication

Mr. Alekha Sachidananda Nayak, Assistant Professor, Department of Journalism & Mass Communication

Ms. Kanika Godara, Research Scholar, Department of English & Foreign Languages

Ms. Devika, Research Scholar, Department of English & Foreign Languages

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय

Central University of Haryana

(Established vide Act No. 25 (2009) of Parliament)
(NAAC Accredited 'A' Grade University)

www.cuh.ac.in | @cuhofficial

Design & Printed by : deeya media art #9312550335